@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 2 जनवरी 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 59 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'ऑपरेशन सिंदूर' में डीआरडीओ के विकसित हथियारों ने निभाई निर्णायक भूमिका: राजनाथ

● इस बड़े राष्ट्रीय कार्यक्रम में डीआरडीओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

एजेंसी
नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में डीआरडीओ द्वारा विकसित हथियार प्रणालियों ने निर्णायक भूमिका निभाई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मुताबिक यह डीआरडीओ की व्यावसायिक दक्षता और राष्ट्रहित की रक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। रक्षा मंत्री ने बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान डीआरडीओ के अत्याधुनिक उपकरण बिना किसी रुकावट के कार्य करते रहे, जिससे सैनिकों का मनोबल भी बढ़ा। दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1 जनवरी को नई दिल्ली स्थित डीआरडीओ मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने यहां डीआरडीओ के 68वें स्थापना दिवस के अवसर पर वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में डीआरडीओ द्वारा विकसित हथियार प्रणालियों ने निर्णायक भूमिका निभाई, जो संगठन की व्यावसायिक दक्षता और राष्ट्रहित की रक्षा के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस 2025 के संबोधन में घोषित 'सुदर्शन चक्र' वायु रक्षा कवच का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस बड़े राष्ट्रीय कार्यक्रम में डीआरडीओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में डीआरडीओ देश की महत्वपूर्ण स्थापनाओं को संपूर्ण हवाई सुरक्षा प्रदान करने की इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने आधुनिक युद्ध में एयर

डिफेंस की अहमियत को एक बार फिर साबित किया है। रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ को राष्ट्र के लिए 'ट्रस्ट बिल्डर' बताते हुए कहा कि यह संगठन न केवल उन्नत तकनीकें विकसित कर रहा है, बल्कि जनता और सशस्त्र बलों के बीच विश्वास भी मजबूत कर रहा है। उन्होंने निजी क्षेत्र, उद्योग, स्टार्ट-अप्स और शिक्षा जगत के साथ डीआरडीओ की साझेदारी की सराहना की और कहा कि इससे देश में एक सशक्त और समन्वित रक्षा इकोसिस्टम विकसित हुआ है।

उन्होंने कहा कि डीआरडीओ ने खरीद प्रक्रिया, प्रोजेक्ट प्रबंधन, इंडस्ट्री एंगेजमेंट और एमएसएमई व स्टार्ट-अप्स के साथ सहयोग जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार किए हैं। इससे काम की गति, कार्यकुशलता और विश्वसनीयता में लगातार वृद्धि हुई है। रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ से आग्रह किया कि वह तेजी से बदलती वैश्विक तकनीकी परिस्थितियों के अनुरूप नवाचार (इनोवेशन) पर और अधिक ध्यान दे। नई उभरती तकनीकों पर काम करें और ऐसे क्षेत्रों की पहचान करे जहां निजी क्षेत्र की भागीदारी को और बढ़ाया जा सके।

रक्षा मंत्री ने डीप टेक और अगली पीढ़ी की प्रणालियों पर डीआरडीओ के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि इससे न केवल भारत की सामरिक क्षमता बढ़ेगी, बल्कि रक्षा उत्पादन तंत्र भी और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि आज का युग केवल विज्ञान का नहीं, बल्कि सतत सीखने और निरंतर विकास का युग है। आधुनिक युद्ध के नए आयाम, तेजी से विकसित हो रही तकनीकें और नवाचार यह आवश्यक बनाते हैं कि देश हमेशा भविष्य के लिए तैयार रहे।

साल के पहले दिन जख्मी और बीमार सैनिकों से मिलने अस्पताल पहुंचे सेनाध्यक्ष

एजेंसी
नई दिल्ली। नई दिल्ली। नववर्ष 2026 के पहले ही दिन थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी भारतीय सेना के जवानों के बीच मौजूद रहे। नव वर्ष के अवसर पर थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने दिल्ली कैंट स्थित बेस हॉस्पिटल का दौरा किया। अपने इस विशेष अवलोकन के दौरान उन्होंने यहां उपचाराधीन सैन्य जवानों, अधीनस्थ अधिकारियों और पूर्व सैनिकों से मुलाकात की। सेनाध्यक्ष ने यहां इन सैनिकों के अदम्य साहस, जज्बे और हर परिस्थिति में लड़ने की भावना की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने उपचार करा रहे सैनिकों व पूर्व सैनिकों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की। गौरतलब है कि दिल्ली कैंट स्थित बेस हॉस्पिटल देश के सबसे बड़े सैन्य अस्पतालों में शुमार है। जनरल द्विवेदी ने अस्पताल में तैनात सैन्य चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ के समर्पण, पेशेवर उत्कृष्टता और कर्तव्यनिष्ठ सेवा की भी भरपूर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि चिकित्सा दल द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयास न केवल रोगियों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमारे बुज़ुर्ग, हमारा मान, राज्य-स्तरीय अभियान 16 जनवरी से शुरू: डॉ. बलजीत कौर

कौमी पत्रिका
चंडीगढ़, 1 जनवरी। मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार बुज़ुर्गों की भलाई, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने के लिए निरंतर संवेदनशील एवं सक्रिय है। इसी क्रम में पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने आज पंजाब भवन, चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान घोषणा की कि बुज़ुर्गों के लिए राज्य-स्तरीय अभियान हमारे बुज़ुर्ग, हमारा मान की शुरुआत 16 जनवरी से ज़िला एस.ए.एस. नगर (मोहाली) से की जाएगी। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि हर वर्ष 1 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बुज़ुर्ग दिवस मनाया जाता है और इसी संदर्भ में पंजाब सरकार द्वारा वर्ष 2023 से हमारे बुज़ुर्ग, हमारा मान अभियान चलाया जा रहा है। वर्ष 2023 के दौरान लगाए गए शिविरों में 20,110 पंजीकरण किए गए, जिनके अंतर्गत आँखों की जांच, कान-नाक-गला (ईएनटी) जांच, मोतियाबिंद सर्जरी की जांच, चश्मों का वितरण, पेंशन फार्म, सीनियर सिटीजन कार्ड और आयुष्मान कार्ड आदि सुविधाएँ प्रदान की गईं। उन्होंने कहा कि इस श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2026 में भी यह अभियान पूरे राज्य में ज़िला-स्तरीय शिविरों के माध्यम से चलाया जाएगा। इन शिविरों में बुज़ुर्गों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएँ, मोतियाबिंद सर्जरी, जेरियाट्रिक जांच,

कान-नाक-गला जांच, योग सत्र, कानूनी जागरूकता तथा अन्य आवश्यक सेवाएँ प्रदान की जाएँगी। डॉ. बलजीत कौर ने जानकारी दी कि बुज़ुर्गों के लिए राज्य सरकार की कार्य योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 786.83 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके तहत निःशुल्क मेडिकल कैंप, एनसीडी एवं डिमेंशिया स्क्रीनिंग, जेरियाट्रिक केयरगिवर्स का प्रशिक्षण तथा राज्य-स्तरीय मीडिया और जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त बुज़ुर्गों की समस्याओं के समाधान हेतु निःशुल्क हेल्पलाइन नंबर 14567 भी संचालित किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बुज़ुर्गों की भलाई, स्वास्थ्य सेवाओं, ओल्ड एज होम्स, डे-केयर सेंटरों, जागरूकता अभियानों और अन्य संबंधित गतिविधियों के लिए पंजाब सरकार द्वारा कुल मिलाकर लगभग 24 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जो बुज़ुर्गों के प्रति मान सरकार की सशक्त प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत बुज़ुर्गों के अधिकारों की रक्षा हेतु कानूनी प्रावधान किए गए हैं तथा मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल और अपीलेट ट्रिब्यूनल के माध्यम से अब तक हजारों मामलों का निपटारा किया जा चुका है। उन्होंने आगे बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान राज्य के 14 ज़िलों में स्थित ओल्ड एज होम्स के लिए 6.82 करोड़ रुपये की ग्रांट प्रदान की जाएगी, जबकि बरनाला और मानसा में संचालित डे-केयर सेंटरों को 2.5 लाख रुपये प्रति केंद्र की वित्तीय सहायता दी जाएगी।

प्रधानमंत्री ने तिरुवनंतपुरम के नवनिर्वाचित महापौर को लिखा पत्र

भाजपा की जीत को बताया नए बदलाव का संकेत

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर और भाजपा के कोडुंगनूर वार्ड पार्षद वी.वी. राजेश को शपथ ग्रहण पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में तिरुवनंतपुरम में भाजपा की ऐतिहासिक सफलता को केरल की राजनीति में नए बदलाव की शुरुआत करार दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने पत्र में कहा कि ‘तिरुवनंतपुरम, केरल की राजधानी होने के साथ-साथ विचार, संस्कृति और सामाजिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यह शहर संतों, सामाजिक सुधारकों, कलाकारों, कवियों और विचारकों की भूमि रहा है। ऐसे गौरवशाली नगर में भाजपा को जनता का समर्थन मिलना अत्यंत विनम्र करने वाला और प्रेरणादायी है।' प्रधानमंत्री ने लिखा कि ‘तिरुवनंतपुरम में पार्टी की सफलता यह संकेत देती है कि राज्य के लोग, विशेषकर युवा और महिलाएं, एक नए सवेरे के लिए तैयार हैं।' उन्होंने कहा कि भाजपा-एनडीए राष्ट्रवाद, भ्रष्टाचार मुक्त विकास और तुष्टिकरण रहित सुशासन के विचार के साथ जनता की पसंद के रूप में उभर रही है।

पत्र में प्रधानमंत्री ने कहा कि ‘लंबे समय से केरल की राजनीति पर एलडीएफ और यूडीएफ का वर्चस्व रहा है, जो दिल्ली में मित्र और केरल में प्रतिद्वंद्वी बने रहते हैं। जनता अब टूटे वादों और कमजोर शासन से मुक्त होकर बेहतर विकल्प चाहती है।' उन्होंने विश्वास जताया कि तिरुवनंतपुरम की जनता ने विकास और सुशासन के भाजपा के दृष्टिकोण पर भरोसा जताया है।

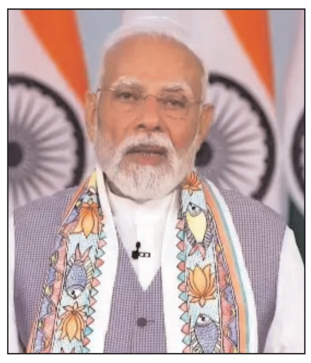

प्रधानमंत्री मोदी ने महापौर वी.वी. राजेश और उनकी टीम से महान समाज सुधारकों के विचारों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ‘नारायण गुरु ने निःस्वार्थ सेवा को सर्वोच्च मूल्य बताया, महात्मा अय्यंकाली ने गरीबों और वंचितों की चिंता पर बल दिया, जबकि मन्नाथु पद्मनाभन ने महिला सशक्तिकरण और मानवीय पीड़ा को कम करने की बात कही।' प्रधानमंत्री ने आशा व्यक्त की कि नगर निगम का नया नेतृत्व इन मूल्यों को आत्मसात करते हुए जनता की सेवा करेगा और 'ईज ऑफ लिविंग' को और बेहतर बनाएगा।

पवित्र धामों की शीतकालीन गद्दियों पर अब तक 17349 श्रद्धालुओं ने किये दर्शन

देहरादून। उत्तराखंड के चार धामों की शीतकालीन गद्दी स्थल के अब तक 17,349 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। सरकार शीतकालीन यात्रा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयास कर रही है। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी का मानना है कि वर्ष 2026 में शीतकालीन यात्रा आध्यात्मिक पहचान बनेगी। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने देश-विदेश के तीर्थयात्रियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें शीतकालीन यात्रा के लिए आमंत्रित किया। दिया। द्विवेदी ने बताया कि 31 दिसंबर तक ज्योतिर्मठ स्थित नृसिंह मंदिर में 4,452 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए, जबकि पांडुकेश्वर स्थित योगबदरी धाम में 467 तीर्थयात्री पहुंचे। वहीं भगवान केदारनाथ के शीतकालीन गद्दीस्थल उखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में 12,430 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। बीकेटीसी अध्यक्ष द्विवेदी ने भगवान बदरीविशाल एवं भगवान केदारनाथ से सभी श्रद्धालुओं के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की।

भारत-पाकिस्तान ने कैदियों, मछुआरों और परमाणु ठिकानों की सूची की साझा

● भारत ने अपनी हिरासत में बंद 391 नागरिक कैदियों और 33 मछुआरों की सूची पाकिस्तान के साथ साझा की है।

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान ने राजनयिक माध्यमों से गुरुवार को साल 2008 में हुए कांसुलर एक्सेस समझौते के तहत एक-दूसरे की हिरासत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूचियों का आदान-प्रदान किया। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने दी।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत ने अपनी हिरासत में बंद 391 नागरिक कैदियों और 33 मछुआरों की सूची पाकिस्तान के साथ साझा की है। यह नागरिक या तो पाकिस्तानी हैं या इन्हें पाकिस्तानी माना जाता है। साथ ही पाकिस्तान ने भी 58 नागरिक कैदियों और 199 मछुआरों की सूची भारत को सौंपी है। यह नागरिक या तो भारतीय हैं या इन्हें भारतीय माना जाता है। इसके साथ ही भारत और पाकिस्तान ने 31 दिसंबर 1988 को परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के विरुद्ध हमले के निषेध पर सहमति वाले समझौते के तहत आज परमाणु ठिकानों की सूचियों का भी आदान-प्रदान किया। इसके तहत दोनों देश हर साल 1 जनवरी को एक-दूसरे को परमाणु

प्रतिष्ठानों और सुविधाओं की सूची साझा करते हैं। इस बार दोनों देशों के बीच सूचियों का यह लगातार 35वां आदान-प्रदान है। पहली बार यह प्रक्रिया 1 जनवरी 1992 को शुरू हुई थी। केंद्र सरकार ने पाकिस्तान से अपनी हिरासत में मौजूद भारतीय नागरिक कैदियों, मछुआरों, उनकी नौकाओं और लापता भारतीय कर्मियों की जल्द रिहाई और प्रत्यावर्तन सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। भारत ने विशेष रूप से 167 भारतीय मछुआरों और नागरिक कैदियों की रिहाई में तेजी लाने का अनुरोध किया है, जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है। इसके अलावा, पाकिस्तान से 35 ऐसे नागरिक कैदियों और मछुआरों को तत्काल राजनयिक पहुंच देने को कहा गया है, जिन्हें भारतीय माना जाता है लेकिन अब तक राजनयिक पहुंच नहीं दी गई है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने पाकिस्तान से यह भी कहा है कि सभी भारतीय और भारतीय माने जाने वाले कैदियों और मछुआरों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित किया जाए, जब तक उनकी रिहाई और प्रत्यावर्तन न हो। भारत सरकार के सतत प्रयासों से साल 2014 से अब तक पाकिस्तान से 2,661 भारतीय मछुआरों और 71 भारतीय नागरिक कैदियों को वापस लाया गया है। इनमें से 2023 से अब तक 500 भारतीय मछुआरे और 13 भारतीय नागरिक कैदी रिहा किए गए हैं।

इंदौर में दूषित पेयजल से 10 लोगों की मौत का मामला, एनएचआरसी ने मुख्य सचिव से रिपोर्ट तलब की

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के भगिरथपुरा क्षेत्र में दूषित पेयजल से 10 लोगों की मौत और 40 से अधिक लोगों के बीमार होने की खबर का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इस मामले को गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन बताते हुए राज्य के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 31 दिसंबर को प्रकाशित खबरों में बताया गया कि क्षेत्र में पानी की मुख्य पाइपलाइन एक सार्वजनिक शौचालय के नीचे से गुजरती है। पाइपलाइन में लीकेज के कारण सीवेज का पानी, पीने के पानी में मिल गया। इसके अलावा, इलाके में कई वितरण लाइनें भी टूटी हुई पाई गईं, जिससे दूषित पानी सीधे घरों तक पहुंच रहा था। स्थानीय निवासियों ने कई दिनों से दूषित पानी की शिकायतें की थीं लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। आयोग ने कहा कि यदि रिपोर्ट के तथ्य सही हैं तो यह पीड़ितों के मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से राहत नहीं

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को वायु प्रदूषण से राहत मिलती नहीं दिख रही है। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) आज 380 दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले 373 था। दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को भी आंशिक बादल छाए रहने और सुबह के समय कहीं-कहीं पर हल्का तथा घना कोहरना छाए रहने के आसार हैं। एक्यूआई वेबसाइट के अनुसार गुरुवार को दिल्ली का एक्यूआई 380 दर्ज किया गया है जबकि नोएडा का 367, ग्रेटर नोएडा 352 और गुरुग्राम का एक्यूआई 312 दर्ज किया गया है, जो 'बेहद गंभीर' श्रेणी को दर्शाते हैं। वहीं, दिल्ली के कुछ शहरों का एक्यूआई जस का तस बना हुआ है। इनमें आनंद विहार, वजीरपुर, जहांगीर पुरी और नरेला सबसे अधिक प्रदूषित शहर हैं। आनंद विहार का एक्यूआई 423, वजीरपुर 425, जहांगीरपुरी 409, नरेला का एक्यूआई 403, जवाहर लाल नेहरू 397, द्वारका सेक्टर 8 का 393, पंजाबी बाग 390, ओखला फेज 2 का 387, आरके पुरम और सिरीफोर्ट का 386-386 तथा चांदनी चौक का 375 दर्ज किया गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को भी 'मध्यम', 201-300 'खराब', 301-400 'बहुत खराब' और 401-500 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है।

आंशिक रूप से बादल छाए रहने और सुबह के समय कहीं-कहीं पर हल्का कोहरा तथा कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाए रहने के आसार हैं। यहां का अधिकतम तापमान 16-18 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9-11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। छह जनवरी तक दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान और तेलंगाना में शीत लहर के आसार हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, एक्यूआई में 0-50 की रेंज को 'अच्छा', 51-100 'संतोषजनक', 101-200

राष्ट्रीय महिला आयोग ने फरीदाबाद सामूहिक दुष्कर्म मामले में डीजीपी से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने फरीदाबाद सामूहिक दुष्कर्म, मारपीट और उसे सड़क पर फेंक दिए जाने की घटना का स्वतः संज्ञान लिया है। उन्होंने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को इस मामले में की गई कार्रवाई की 05 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। महिला आयोग ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट किया कि आयोग ने इस मामले में डीजीपी को पत्र लिखकर इस मामले की तत्काल की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। उन्होंने इस अमानवीय अपराध की कड़ी भर्त्सना की है और इसे महिलाओं के जीवन, गरिमा तथा समानता के अधिकार पर गंभीर आघात बताया। आयोग ने इस घटना से सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई है।

सबको अपना मानना ही समरसता का पहला कदम है : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत

● लोगों को जाति, धन, भाषा या क्षेत्र के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए।

एजेंसी
रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा, भेदभाव और अलगाव की भावना को मन से निकालकर सबको अपना मानना ही समरसता का पहला कदम है। वे यहां समाजों के प्रमुखों और प्रतिनिधियों के साथ एक सामाजिक सद्भावना बैठक में बोल रहे थे।छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के तीन दिवसीय प्रवास के अंतिम दिन गुरुवार को संघ प्रमुख भागवत विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल हुए।सुबह उन्होंने रायपुर के वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर में पूजा-अर्चना की और आरती में सहभागी बने। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर के सभागार में विभिन्न समाजों के प्रमुखों और प्रतिनिधियों के साथ एक सामाजिक सद्भावना बैठक की। इस दौरान संघ प्रमुख ने सामाजिक समरसता और एकजुटता पर बल दिया और विविध जाति, पंथ और समाजों के प्रतिनिधियों के साथ उन्होंने पंगत में भोजन किया। रायपुर के वीआईपी रोड स्थित श्री राम मंदिर परिसर में आयोजित सद्भावना बैठक (सामाजिक सद्भाव बैठक) में सरसंघचालक भागवत ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि

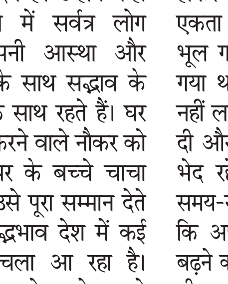

भेदभाव और अलगाव की भावना को मन से निकालकर सबको अपना मानना ही समरसता का पहला कदम है। उन्होंने कहा कि भारत में सर्वत्र लोग अपनी-अपनी आस्था और आचरण के साथ सद्भाव के कारण एक साथ रहते हैं। घर का काम करने वाले नौकर को भी उस घर के बच्चे चाचा कहते हैं, उसे पूरा सम्मान देते हैं, यह सद्भभाव देश में कई वर्षों से चला आ रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश लोग स्वेच्छा से भारत से नहीं गए हैं। हमारे लोगों ने एकजुट होकर स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया। अपनी एकता और अखंडता के कुछ तंतुओं को हम भूल गए, इसलिए हमारी दृष्टि में भेद आ गया था। अंग्रेजों को हमारी एकता अच्छी नहीं लगी तो उन्होंने इसकी भी व्यवस्था कर दी और बाद में भी भारत में हमारे बीच में भेद रहे, लेकिन उनके प्रयासों को हमने समय-समय पर असफल किया। उन्होंने कहा कि अपनी-अपनी विशिष्टता के साथ आगे बढ़ने की अपने यहाँ पूर्ण स्वतंत्रता है। दूसरे का भी सम्मान करें। जहाँ सद्भावना पक्की है वहां बिगाड़ने वालों की नहीं चलेगी। तोड़ने वाली शक्तियां असफल हों, इसके लिए हमें प्रयास करना है। कुछ न कुछ अपनी-अपनी चुनौतियाँ भी हैं । प्रत्येक समाज की आकांक्षाएं हैं। हम सब अपनी-अपनी विविधता को संभाल कर रखते आए हैं। किसी की अस्मिता समाप्त नहीं हुई। हम समाज और राष्ट्र के नाते एक हैं, उसके पीछे सामाजिक सद्भाव है। भारत में आकर भी भारत की रीति में कुछ लोग नहीं रहते हैं, इसलिए वह आक्रमण करते हैं। हम चिंतित हैं , हमें और चिंतित होना चाहिए। संघ प्रमुख ने कहा कि लव जिहाद, मतांतरण, व्यसन आदि पर प्रबोधन(जागरण) करना होगा।

हम किसी भी द्वेषपूर्ण शक्ति के आगे नहीं झुकेंगे, जनता के लिए लड़ाई लड़ते रहेंगे

–सीएम ममता बनर्जी ने टीएमसी के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं–समर्थकों को दी बधाई

कोलकाता (एजेंसी)। सीएम ममता बनर्जी ने टीएमसी के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों को बधाई दी और मां-माती-मानुष के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए आम जनता के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि आज भी हमारी पार्टी का हर कार्यकर्ता और समर्थक इस लक्ष्य के प्रति दृढ़ और प्रतिबद्ध है।

सीएम ममता ने कहा कि टीएमसी परिवार आज अनगिनत लोगों के आशीर्वाद, प्रेम और प्रार्थनाओं से धन्य है। आपके अटूट समर्थन से ही हमें शक्ति मिलती है और हम इस महान लोकतांत्रिक राष्ट्र में प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। हम किसी भी द्वेषपूर्ण शक्ति के आगे नहीं झुकेंगे और तमाम शत्रुताओं को दरकिनार करते हुए आम जनता के लिए हमारा संघर्ष जीवन भर जारी रहेगा। मैं मां-माती-मानुष परिवार के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं और समर्थकों को प्रणाम और सम्मान व्यक्त करती हूं।

टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि इस अवसर पर पार्टी जनता के साथ खड़े रहने के अपने संकल्प को दोहराती है। तृणमूल कांग्रेस स्थापना दिवस पर मैं अपने निरंतर बढ़ते परिवार के हरेक सदस्य के प्रति कृतज्ञता से सिर झुकाता हूं। परिवर्तन के आंदोलन के रूप में शुरू हुआ यह सफर आज एक शक्तिशाली लोकतांत्रिक ताकत में तब्दील हो गया है। मैं अपने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं का विशेष सम्मान करता हूं। आप ही इस कहानी के रचयिता हैं। आपका अनुशासन, बलिदान और अटूट विश्वास ही हमारी राजनीति को शक्ति प्रदान करता है। जब तक हम अपनी माँ, मति, मानुष के प्रति निष्ठावान रहेंगे, कोई भी शक्ति, चाहे वह कितनी भी अहंकारी या दमनकारी क्यों न हो, बंगाल के सामूहिक संकल्प को पराजित नहीं कर सकती। अपने संकल्प को दोहराते उन्होंने कहा कि बंगाल में किसी को भी बांग्ला-विरोधी जमींदारी शक्तियों द्वारा परेशान, अपमानित या डराया न जाए।

बता दें टीएमसी का गठन 1 जनवरी, 1998 को हुआ था, जब बनर्जी ने वैचारिक और राजनीतिक मतभेदों के बाद कांग्रेस से अलग होकर पार्टी बनाई थी। एक नवोदित क्षेत्रीय पार्टी से टीएमसी 2016 में राष्ट्रीय पार्टी बन गई। 2011 में इसने पश्चिम बंगाल में 34 साल के वाम मोर्चा शासन का अंत किया और तब से सत्ता में है, लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीत चुकी है। इस साल का स्थापना दिवस ऐसे समय मनाया जा रहा है जब राज्य में राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं क्योंकि राज्य मार्च-अप्रैल 2026 में होने वाले अगले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रहा है।

मोम से भरे 12 कैप्सूल में छिपा रखा था 3.05 किलो सोना, मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़ाया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में छत्रपति शिवाजी एयरपोर्ट पर सोने की स्मलिंग करते एक यात्री को पकड़ा है। यह गिरफ्तारारी निदेशालय ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने की। अधिकारियों ने बताया कि डीआरआई ने बहरीन से मुंबई आए एक यात्री को रोका और उसकी तलाशी ली। इस दौरान उसके पास 12 कैप्सूल में छिपा 3.05 किलो सोना बरामद किया है। मीडिया रिपोर्ट में डीआरआई ने बताया कि एक यात्री बहरीन से मुंबई पहुंचा था। वह एयरपोर्ट पर जब बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था, उसी दौरान सुरक्षा अधिकारियों को उस पर कुछ शक हुआ। उसे रोका गया और चेकिंग शुरू की गई। इस दौरान उसके पास 12 कैप्सूल मिले, जो मोम में भरे हुए थे और उन्हें पानी के गिलास में छिपाया गया था, ताकि सुरक्षा जांच में पकड़े न जाए। जांच में पाया कि बरामद किया गया सोना 24 कैरेट शुद्ध है और इसकी कीमत करीब 3.89 करोड़ रुपए बताई जा रही है। डीआरआई अधिकारियों ने बताया कि यह गिरफ्तारी खुफिया सूचना के आधार पर की गई। उन्होंने बताया कि सोने की तस्करी की यह साजिश इंटरनेशनल गैंग से जुड़ी हो सकती है। इस पूरे मामले की जांच की जा रही है। बरामद सोने को जब्त कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। डीआरआई के अधिकारियों ने कहा कि सोने की स्मगलिंग को रोकने के लिए इसी तरह से आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। फिलहाल पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है और ये पता लगाया जा रहा है कि आखिर वह ये सोना कहां से और किससे लाया था। क्या उसके साथ और लोग भी इस नेटवर्क में जुड़े हैं।

राजस्थान में मावठ के साथ ओलावृष्टि का दौर शुरू

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में मावठ के साथ ओलावृष्टि का दौर शुरू हो गया है। नए साल के पहले दिन जयपुर, चित्तौड़गढ़, अजमेर सहित कई जिलों में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। वहीं, बीकानेर में बुधवार देर रात हुई ओलावृष्टि से कड़ाके की सर्दी लौट आई है। गुरुवार सुबह से प्रदेश के अधिकतर जिले घने कोहरे की चपेट में रहे। जोधपुर में कोहरे के कारण फ्लाइट भी लेट हुई। वहीं, बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात चूरू को सादुलपुर में तेज बारिश के साथ मकान पर बिजली गिर गई। मौसम विभाग ने जयपुर, भरतपुर संभाग के जिलों में बारिश की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में शीतलहर और घने कोहरे की भी चेतावनी जारी की है। राजस्थान में नए साल की शुरुआत के साथ तेज सर्दी का दौर शुरू हो गया है। राजधानी जयपुर में गुरुवार सुबह हल्की बरसात हुई। वहीं, चित्तौड़गढ़ में सुबह 5 बजे आधा घंटे तक तेज बरसात हुई। बीकानेर के ग्रामीण क्षेत्रों में बुधवार देर रात ओले भी गिरे। सीकर के रामगढ़ में भी आज सुबह तेज बरसात हुई। बारिश और ओलावृष्टि के कारण तापमान में भी दो-तीन डिग्री की गिरावट हुई। साथ ही अजमेर, अलवर, कोटा में सुबह से रुक-रुककर बरसात हो रही है।

पुरुषों के मुकाबले भारत में महिला कैदियों की संख्या बढ़ी भारत की जेलों में 23772 महिला कैदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में महिला कैदियों की संख्या में पिछले दो दशक में 162 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं पुरुष कैदियों की संख्या में 77 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है। वर्ष 2000 से 2022 के बीच जेलों में महिला कैदियों की संख्या भारत में 9089 से बढ़कर 23772 पर पहुंच गई है। जो लगभग 162 फ़ीसदी होती है। वहीं पुरुष कैदियों की संख्या 310310 से बढ़कर 549351 हो गई है। जो लगभग 77 फ़ीसदी की वृद्धि दर्शाती है। हाल ही में इंस्टिट्यूट फॉर क्राइम एंड जस्टिस पॉलिसी रिसर्च की रिपोर्ट जारी हुई है। उसमें विश्व के देशो में महिला कैदियों को लेकर अधिकृत आंकड़ा जारी किया गया है। महिला कैदियों की संख्या जेलों में लगातार बढ़ती चली जा रही है। इससे लग रहा है, महिलाएं, अपराध में तेजी के साथ पुरुषों के मुकाबले ज्यादा सक्रिय हैं। महिलाएं संगठित अपराध मादक पदार्थ की तस्करी, इत्यादि में बड़े पैमाने पर जेल में जा रही हैं। इस समय अमेरिका में 174607 चीन में 145000 ब्राजील में 50441 रूस में 39153 थाईलैंड में 3300057 भारत में 23772 फिलिपींस में 17121 तुर्की में 16581 वियतनाम में 15152 और मेक्सिको की जेलौं में 13841 महिलाएं जेलों में बंद है। दुनिया भर में महिला कैदियों की संख्या साल दर साल बढ़ती जा रही है। महिलाओं द्वारा किए जा रहे अपराधों की संख्या लगातार बढ़ती चली जा रही है।

मणिपुर में हथियार और विस्फोटकों का जखीरा बरामद, ड्रोन व उपकरण भी मिले

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के काकचिंग जिले में हथियार और विस्फोटकों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ है। पुलिस ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि हथियारों की यह बरामदगी बुधवार को जिले के वाबगाई नाटेखोंग तुरेनमेई इलाके से की गई। पुलिस के मुताबिक जब्त किए गए हथियारों में एक एम-16 राइफल, एक एसएलआर, एक सिंगल-बैरल बंदूक, दो सिंगल-बैरल बोल्ट-एक्शन राइफल और एक 7.65 एमएम पिस्तौल शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बरामद विस्फोटकों और गोला-बारूद में 10 ग्रेनेड, चार डेटोनेटर, दो आर्म रिंग, करीब तीन किलोग्राम वजनी एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), एक विस्फोटक गोला, एक 51 एमएम मोर्टार बम, छह टीयर 'स्मोक शेल' और 71 कारतूस मिले हैं। अभियान में एक ड्रोन और उससे जुड़े उपकरण भी जब्त किए हैं। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बल जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी और निगरानी अभियान चला रहे हैं।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद का अतिम फैसला कांग्रेस हाईकमान करेगा : जी परमेश्वर

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा है कि राज्य में मुख्यमंत्री पद का अंतिम निर्णय कांग्रेस हाई कमान करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कोई गुट नहीं बनाया है और न ही अपने समर्थकों को किसी विशेष उम्मीदवार के पक्ष में निर्देश दिए हैं। उनका कहना है कि कुछ लोग अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं, लेकिन अंततः निर्णय हाई कमांड का ही होगा। ये बयान तब आया है, जब कर्नाटक कांग्रेस में सत्ता परिवर्तन की अटकलें तेज हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और गृह मंत्री परमेश्वर इस राजनीतिक उथल-पुथल के मुख्य चेहरे माने जा रहे हैं। कर्नाटक सरकार के आधे कार्यकाल के बाद मुख्यमंत्री पद विवाद का केंद्र बन गया है।

पीएम मोदी ने खालिदा जिया के लिए लिखे शोक पत्र में उन्हें किया याद... दृढ़ संकल्प और बताया दृढ़ निश्चय वाली नेता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया के बेटे और बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी के कर्ताधर्ता तारिक रहमान को लिखे शोक पत्र में उन्हें याद किया। पीएम मोदी ने आशा व्यक्त की कि बांग्लादेश के लोग साझा मूल्यों, लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय एकता की गहरी भावना से प्रेरित होते रहने वाले है। पीएम मोदी ने पत्र में लिखा कि मुझे जून 2015 में ढाका में बेगम साहिबा के साथ हुई मुलाकात और चर्चाएं अच्छी तरह से याद हैं। वे (खालिदा जिया) असाधारण दृढ़ संकल्प और दृढ़ निश्चय वाली नेता थीं और उन्होंने बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री होने का गौरव हासिल किया। पीएम मोदी ने लिखा कि उन्होंने बांग्लादेश के विकास के साथ-साथ भारत-बांग्लादेश संबंधों को मजबूत करने में भी कई महत्वपूर्ण योगदान दिए। पीएम मोदी ने शोक संदेश में कहा कि उनके (खालिदा जिया) निधन से एक अपूरणीय शून्य उत्पन्न हो गया है, लेकिन उनकी दूरदृष्टि और विरासत अमर रहेगी। मुझे विश्वास है कि बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी में उनके आदर्शों को आगे बढ़ाया जाएगा और ये भारत और बांग्लादेश के बीच गहरे और ऐतिहासिक साझेदारी को समृद्ध बनाने और एक नई शुरुआत सुनिश्चित करने के लिए मार्गदर्शक बनेगी। बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रहीं और बीएनपी की प्रमुख खालिदा जिया का 30 दिसंबर को लंबी बीमारी के बाद निधन हुआ। उनके अंतिम संस्कार में बुधवार को राजधानी ढाका में हजारों लोग शामिल हुए, जिसमें विभिन्न देशों के गणमान्य व्यक्ति भी थे। 12 फरवरी को होने वाले चुनाव में प्रधानमंत्री पद के प्रबल दावेदार तारिक रहमान, खालिदा जिया के सबसे बड़े बेटे हैं। रहमान से मुलाकात के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने लोकतंत्र में जिया के योगदान को स्वीकार किया। उन्होंने फरवरी में होने वाले चुनावों के बाद भारत-बांग्लादेश संबंधों में आई दरार को लेकर आशा व्यक्त की।

बीजेपी के ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर अखिलेश का तंज... अगर वे विधायक सरकार के खिलाफ खड़े हो गए...

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने योगी सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर कई मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रयागराज माघ मेला में सपा संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की मूर्ति न लगाने को लेकर योगी सरकार और प्रशासन की घेराबंदी की। अखिलेश ने कहा कि यदि अधिकारी नियम बदल सकते हैं, तब फिर माघ मेला में सभी भगवानों की मूर्तियां भी लगाई जानी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि चापलूसी की ÷रोटी÷ बनाने का कौन-सा नियम है और किस कानून के तहत कुछ खास लोगों को फायदा पहुंचा रहे है। अखिलेश ने कहा कि अधिकारी नियमों की आड़ में मनमानी कर रहे हैं। यदि नियम बदले जा रहे हैं, तब सपा भी अपने धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों की स्थापना की मांग करेगी। उन्होंने कहा कि वह आयोजनकर्ताओं से आग्रह करते हैं कि केदारेश्वर मंदिर की भी माघ मेला में स्थापना की जाए, ताकि किसी तरह का भेदभाव न हो। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यालय में आयोजित बाटी-चोखा सहभोज कार्यक्रम का जिक्र कर सपा कार्यकर्ताओं की तारीफ की। अखिलेश ने कहा कि यह कार्यक्रम पार्टी की सांस्कृतिक परंपरा और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सपा पार्टी में सभी लोग मिल-जुलकर बैठते हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और यही हमारी संस्कृति है।

वहीं बीजेपी के ब्राह्मण विधायकों की हालिया बैठक पर भी अखिलेश ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि ÷अभी वे विधायक बैठे-बैठे खा रहे थे, लेकिन अगर वे विधायक सरकार के खिलाफ खड़े हो गए तब बीजेपी सरकार का क्या होगा?÷ उन्होंने इशारों-इशारों में कहा कि बीजेपी के भीतर असंतोष बढ़ रहा है और यदि पार्टी के अपने विधायक ही सवाल उठाने लगे, तब सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। इसके अलावा अखिलेश ने एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया को लेकर भी मुख्यमंत्री योगी और चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पहले दावा कर चुके हैं कि चार करोड़ वोट कट गए हैं और अब जो आंकड़े सामने आ रहे हैं, वे चुनाव आयोग और प्रशासन की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर रहे हैं। अखिलेश ने आशंका जाहिर की कि कहीं तकनीक के नाम पर किसी तरह की हेराफेरी या बेईमानी की तैयारी नहीं की जा रही है।

भारत-पाकिस्तान गतिरोध में चीन की मध्यस्थता के दावे का खंडन करे सरकार: ओवैसी

ट्रंप के बाद चीन के दावों ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र से भारत-पाकिस्तान गतिरोध में चीन की मध्यस्थता के दावे का खंडन करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश के साथ संबंधों में सामान्यता संप्रभुता की कीमत पर नहीं हो सकती। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार यह दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रोका, चीन ने भी मई 2025 में चार दिनों तक चले संघर्ष के दौरान तनाव कम करने में अपनी भूमिका का दावा किया। ओवैसी ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह नागरिकों को आश्वस्त करे कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच किसी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप नहीं हुआ।

एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने एक्स पर लिखा- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हमारे सामने युद्धविराम की घोषणा करने और शांति स्थापित करने के लिए व्यापार प्रतिबंधों का इस्तेमाल करने का दावा करने के बाद अब चीनी विदेश मंत्री भी इसी तरह के दावे कर रहे हैं। यह भारत का अपमान है और सरकार को इसका कड़ा खंडन करना चाहिए। चीन के साथ संबंधों में सामान्यता भारत के सम्मान या उसकी संप्रभुता की कीमत पर नहीं हो सकती।

चीन के इस दावे को चौंकाने वाला बताते हुए उन्होंने कहा कि चीनी विदेश मंत्री का यह दावा चौंकाने वाला है कि बीजिंग ने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की। भारत सरकार को इस दावे का आधिकारिक तौर पर खंडन करना चाहिए और देश को आश्वस्त करना चाहिए कि किसी भी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं है। इसके अलावा, ओवैसी ने इसे दक्षिण एशिया में अपनी श्रेष्ठता का दावा करते हुए भारत और पाकिस्तान को एक ही पायदान पर रखने का बीजिंग का प्रयास बताया।

उन्होंने कहा कि चीन भारत-पाकिस्तान को एक ही स्तर पर रखना चाहता है और दक्षिण एशिया में खुद को श्रेष्ठ साबित करने की कोशिश कर रहा है। क्या पीएम की चीन यात्रा के दौरान मोदी सरकार ने इसी बात पर सहमति जताई थी? एक तरफ चीन पाकिस्तान को 81 फीसदी हथियार मुहैया कराता है और ऑपरेशन सिंदूर में वास्तविक समय की खुफिया जानकारी प्रदान करता है, वहीं दूसरी तरफ वह मध्यस्थ होने का दावा करता है। यह अस्वीकार्य है और एक देश के रूप में हम इसे चुपचाप सहन नहीं कर सकते। चीन के दावों ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। बुधवार को कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भी केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए इसे नई दिल्ली की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ एक 'मजाक' बताया।

सोलन के नालागढ़ में नए साल के पहले दिन एक बड़ा धमाका

सोलन (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के सोलन के नालागढ़ में नए साल के पहले दिन एक बड़ा धमाका हुआ है। नालागढ़ थाने के पास मौजूद गली में सुबह-सुबह जोरदार धमाका हुआ, जिससे पूरा इलाका दहल उठा। धमाका इतना जबरदस्त था कि इसकी गूंज से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इस बात से लग सकता है कि घटनास्थल के पास मौजूद इमारतों और आर्मी अस्पताल के शीशे चकनाचूर हुए है। लोगों और वहां मौजूद प्रवासी मजदूरों के अनुसार धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाका होते ही पूरा इलाका दहल गया और एक पल के लिए कुछ भी दिखाई नहीं दिया। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही नालागढ़ पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। पुलिस ने घटनास्थल को पूरी तरह से सील कर दोनों तरफ बैरिकेडिंग लगाकर जांच शुरू कर दी है। एसपी बद्दी विनोद धीमान अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच चुके हैं। मामले की संवेदनशीलता को देखकर शिमला से फॉरेंसिक टीम को भी सुबूत इकट्ठा करने बुलाया गया है।

आप ने दी गारंटी, मुंबईकरों को बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ सेवा मुफ्त मिलेंगी, जारी किया मैनिफेस्टो

मुंबई,। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी मुंबई महानगरपालिका चुनाव लड़ रही है। आम आदमी पार्टी ने करीब 75 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। आप ने मुंबईकरों को 24 घंटे पानी, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ सेवा मुफ्त देने का वादा किया है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता आतिशी ने मुंबई में विकास के बारे में बोलते हुए सत्ताधारी पार्टी की आलोचना की। दरअसल आम आदमी पार्टी ने मुंबई मनपा चुनाव के लिए अपना मैनिफेस्टो जारी किया। दिल्ली और पंजाब में सफल प्रशासन मॉडल के आधार पर आप ने केजरीवाल की गारंटी के तहत मुंबईकरों को मुफ्त पानी, शिक्षा, बिजली और अस्पताल देने का वादा किया है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता ने कहा, अपनी अपार संपत्ति के बावजूद, मुंबई का शहरीकरण बदसूरत, गंदा और असुरक्षित हो गया है। अगर सही तरीके से प्लान किया जाए, तो मुंबई दुनिया के लिए एक मॉडल बन सकता है। 75,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा के बजट वाली इस महानगरपालिका ने सिर्फ खराब सेवा दी हैं।

आतिशी ने आलोचना की कि कंस्ट्रक्शन सेक्टर में मुनाफा कमाने के लिए जानबूझकर मनपा के स्कूल बंद किए जा रहे हैं। आतिशी ने दावा किया कि हमारा मैनिफेस्टो कोई ऑप्शन नहीं बल्कि मुंबई की इज़्ज़त और काबिलियत को वापस लाने का एक पक्का प्लान है। उन्होंने कहा, हम दिल्ली और पंजाब की तरह मुंबई में भी वर्ल्ड-क्लास फ्री एजुकेशन, फ्री हेल्थकेयर और फ्री बिजली देंगे। पुरानी पार्टियों ने मुंबईकरों को धोखा दिया है और लोगों के फ़ायदे के बजाय लालच और करप्शन को ज़्यादा अहमियत दी है। मुंबई में प्राइमरी हेल्थकेयर नहीं है।

मुंबईकरों के लिए 4 केजरीवाल गारंटी क्या हैं?

- मोहल्ला क्लीनिकः फ्री कंसल्टेशन, दवाइयां और टेस्ट देने के लिए 1000 मोहल्ला क्लीनिक बनाना।

वर्ल्ड-क्लास एजुकेशनः मनपा के स्कूलों में मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए हर स्कूल को 1 करोड़ रुपये देना। सभी विद्यार्थियों के लिए फ्री बेस्ट बस पास और हर स्कूल में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन।

- फ्री और 24 घंटे पानीः हर घर में हर महीने 20,000 लीटर तक फ्री नल का पानी और 24 घंटे साफ़ पीने का पानी पक्का। लीकेज कंट्रोल स्कीम और 100 परसेंट सीवेज ट्रीटमेंट के साथ वॉटर सप्लाई सिस्टम में पूरा बदलाव।

- ज़ीरो बिजली बिलः 'बेस्ट' के ज़रिए हर घर को 200 यूनिट तक फ्री बिजली, फ्री मीटर इंस्टॉलेशन और डीसेंट्रलाइज़्ड सोलर एनर्जी पर ज़ोर।

चुनावी तैयारियों में लगे कर्मचारियों को डराने का प्रयास बर्दास्त नहीं: आयोग

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में चुनावी तैयारियों के बीच चुनाव आयोग ने साफ कहा है कि चुनाव ड्यूटी में लगे किसी भी कर्मचारी को डराने-धमकाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चाहे वह बीएलओ हों, ईआरओ, एईआरओ या ऑब्जर्वर। सभी की सुरक्षा और सम्मान सर्वोपरि है।

गौरतलब है कि बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात की थी। इसके बाद पार्टी महासचिव एंव सांसद अभिषेक बनर्जी ने बाहर आकर आयोग पर कई सवाल उठाए। आयोग ने चेतावनी दी कि अगर कोई भी व्यक्ति कानून अपने हाथ में लेने की कोशिश करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रतिनिधिमंडल को स्पष्ट रूप से बताया कि राज्य सरकार को तुरंत प्रत्येक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को बढ़ा हुआ मानदेय जारी करना चाहिए, जिसे आयोग की मंजूरी मिल चुकी है। साथ ही आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि चुनावी प्रक्रिया को सुचारु बनाने के लिए नए कदम उठाए जा रहे हैं। आयोग का मानना है कि बीएलओ चुनावी व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके अधिकारों व सुविधाओं की अनदेखी चुनावी निष्पक्षता को प्रभावित कर सकती है।

टीएमसी प्रतिनिधिमंडल को आयोग ने जानकारी दी कि मतदाताओं की सुविधा के लिए ऊंची आवासीय इमारतों, गेटेड कॉलोनियों और झुग्गी-बस्तियों में भी मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। इसका उद्देश्य यह है कि किसी भी मतदाता को वोट डालने में परेशानी न हो और मतदान प्रतिशत बढ़े।

चुनाव आयोग ने दो टूक कहा कि टीएमसी यह सुनिश्चित करे कि उसके जमीनी स्तर के राजनीतिक प्रतिनिधि या कार्यकर्ता चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को धमकाने में शामिल न हों। आयोग ने चेतावनी दी कि अगर कोई भी व्यक्ति कानून अपने हाथ में लेने की कोशिश करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि किसी भी चुनावी कर्मचारी चाहे वह बीएलओ हो या ऑब्जर्वर को डराना गंभीर अपराध माना जाएगा। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं द्वारा की गई किसी भी तरह की धमकी को आयोग कतई बर्दाश्त नहीं करेगा और दोषियों पर कठोर कदम उठाए जाएंगे। चुनाव आयोग ने कहा कि वह स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राज्यसभा चुनाव 2026: उच्च सदन में बढ़ेगा भाजपा और एनडीए का दबदबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2026 में राज्यसभा की 72 रिक्त हो रही सीटों के लिए होने वाले चुनाव देश की राजनीति में दूरगामी प्रभाव डालेंगे। ये चुनाव न केवल प्रमुख नेताओं के राजनीतिक भविष्य का फैसला करेंगे, बल्कि संसद में सत्ताधारी भाजपा और विपक्षी कांग्रेस की रणनीतियों को भी नई दिशा देंगे। विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में दलीय स्थिति का विश्लेषण करें तो स्पष्ट है कि ऊपरी सदन में भाजपा नीत एनडीए और अधिक शक्तिशाली होकर उभरेगा, जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के लिए राह कठिन होने वाली है।

हालांकि, राज्यसभा के कुल अंकगणित में आमूल-चूल परिवर्तन की संभावना कम है, लेकिन एनडीए अपने बहुमत को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। भाजपा की व्यक्तिगत सदस्य संख्या में भी इजाफा होगा, जिससे केंद्र सरकार के लिए संसद के दोनों सदनों में विधायी कामकाज और विधेयकों को पारित कराना अधिक सहज हो जाएगा। दूसरी ओर, संख्या बल घटने से सरकार को घेरने की विपक्ष की धार कमजोर पड़ सकती है। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार, राज्यसभा में भाजपा के 103 और एनडीए के कुल 126 सांसद हैं। 2026 में भाजपा के 30 सांसदों का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है, जबकि 32 नए सांसदों का आना लगभग तय है। राजनीतिक समीकरणों और जोड़-तोड़ के सहारे पार्टी तीन अतिरिक्त सीटें भी जीत सकती है। सहयोगी दलों में तेलुगु देशम, जनसेना, शिवसेना और एनसीपी को भी एक-एक सीट का लाभ होने की उम्मीद है।

इन चुनावों का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि इसमें मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा, दिग्विजय सिंह, शरद पवार और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी जैसे दिग्गजों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। इसके अतिरिक्त, बी एल बर्मा, जॉर्ज कुरियन, प्रियंका चतुर्वेदी, अभिषेक मनु सिंघवी और पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई जैसे प्रमुख नाम भी इस सूची में शामिल हैं। यदि सत्ताधारी दल के मंत्री पुनः निर्वाचित नहीं होते, तो उनके लिए कैबिनेट में बने रहना मुश्किल होगा।

राज्यवार स्थिति देखें तो उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 10 सीटें रिक्त हो रही हैं, जिनमें से भाजपा को सात और सपा को दो सीटें मिलना तय माना जा रहा है। यहां बसपा का प्रतिनिधित्व समाप्त होने की कगार पर है। बिहार की 5 सीटों में से भाजपा और जेडीयू अपनी पकड़ मजबूत रखेंगे। दक्षिण भारत में, आंध्र प्रदेश की 4 सीटों में से तेलुगु देशम और जनसेना को लाभ मिलने की उम्मीद है, जबकि तमिलनाडु में द्रमुक का वर्चस्व बरकरार रहेगा। छत्तीसगढ़, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कांग्रेस को कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन गुजरात में उसकी एक सीट भी भाजपा के खाते में जाने की संभावना है। महाराष्ट्र की 7 सीटों पर होने वाले चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों का पलड़ा भारी दिख रहा है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस अपनी चार सीटें बचाने में सफल रह सकती है, जबकि भाजपा को एक सीट का लाभ हो सकता है। कुल मिलाकर, 2026 के ये चुनाव भाजपा के लिए राज्यसभा में सुपर मेजॉरिटी की ओर कदम बढ़ाने वाले साबित होंगे, जिससे राष्ट्रीय राजनीति का संतुलन सत्ता पक्ष की ओर और अधिक झुक जाएगा।

बिजनौर के डीएम आवास को कुर्क करने का आदेश, मुरादाबाद की लारा कोर्ट ने सुनाया फैसला

मुरादाबाद। मुरादाबाद की लारा कोर्ट (न्यायालय भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण) ने भूमि अधिग्रहण मामले में मुआवजा नहीं देने पर बिजनौर के डीएम का आवास कुर्क करने का आदेश दिया है। साथ ही निबंधन की शर्तों को तय करने के लिए नौ जनवरी 2026 को डीएम को कोर्ट ने तलब किया है। आरोप है कि डिक्री के बावजूद डीएम ने जमीन स्वामी का भुगतान नहीं किया। अदालत में वादी उमेश के अधिवक्ता ने बताया कि जमीन के मुआवजा के मामले में डीएम बिजनौर की ओर से कोई आख्या प्रस्तुत नहीं की गई। इस मामले में एक प्रार्थनापत्र प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि 13 मार्च 2020 को मुआवजा देने के बारे में निर्णय पारित हुआ था। कई बार तगादा करने के बावजूद जिला प्रशासन ने कोई धनराशि अदा नहीं की। जबकि जिला प्रशासन धनराशि अदा करने में समक्ष है। भूलवश उसने ट्रेजरी कार्यालय में कुछ शब्द अंकित कर दिया था। इस मामले में डीएम आवास कुर्क कराकर वादी को धनराशि दिलाया जाना आवश्यक है। वादी की ओर से यह अनुरोध किया गया कि डीएम बिजनौर के आवास को कुर्क कर धनराशि का भुगतान कराया जाए। यह मुकदमा चार वर्षों से विचाराधीन है। उच्चतम न्यायालय के राजामणि के निर्णय का हवाला देते हुए तर्क दिया गया। बताया गया कि प्रत्येक निष्पादन वाद छह माह के अंदर निस्तारित होना चाहिए। पहले भी 41(2) सीपीसी के तहत नोटिस भी जारी किया जा चुका है। आदेश 21 नियम 37 सीपीसी की कार्यवाही भी की जा चुकी है। इसके बावजूद डीएम ने धनराशि का भुगतान नहीं किया। दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद कोर्ट ने आदेश 21 नियम 54 सीपीसी के तहत कलेक्टर बिजनौर के शासकीय आवास को कुर्क करने का आदेश दिया। इस दौरान कलेक्टर बिजनौर अपने शासकीय आवास को किसी प्रकार से अंतरित नहीं करेंगे। किसी भी आर्थिक लाभ के लिए शासकीय आवास का उपयोग नहीं करेंगे। आवास कुर्क रहने के बावजूद कलेक्टर बिजनौर कार्यालय क्षमता के अनुसार आवास के रूप में इस संपत्ति का प्रयोग करते रहेंगे। आदेश 21 नियम 54 (1 क) सीपीसी के तहत कोर्ट ने डीएम बिजनौर से यह अपेक्षा की है कि कुर्कशुदा संपत्ति के विक्रय की उद्घोषणा की शर्तों को तय करने के लिए नौ जनवरी 2026 को न्यायालय में उपस्थित होंगे।

यमुनापार को जोड़ने वाले विकास मार्ग पर ट्रैफिक बेलगाम, नो पार्किंग जोन में खड़े रहते हैं वाहन

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। यमुनापार को जोड़ने वाले विकास मार्ग पर ट्रैफिक कंट्रोल करने में यातायात पुलिस पूरी तरह नाकाम है। लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन से लेकर कड़कड़ी मोड़ लाल बत्ती तक सड़क के दोनों ओर करीब 2.5 किमी तक नो पार्किंग जोन में वाहन खड़े रहते हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों और राहगीरों के मन में सवाल पैदा होता है कि यह यमुनापार को जोड़ने वाला विकास मार्ग है या फिर विनाश मार्ग। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसा कोई दिन नहीं है, जब सड़क खाली नजर आती हो। सड़क के दोनों ओर वाहन एक लेन घेरकर खड़े रहते हैं, जिससे जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। उनका आरोप है कि नो पार्किंग में खड़े इन वाहनों को यातायात पुलिस नहीं हटाती है। व्यस्त समय में हालात बद से बदतर हो जाते हैं, इसके बावजूद ट्रैफिक पुलिस नदारद दिखती है। जब इस सड़क की पड़ताल की गई, तो राहों में सिर्फ अड़चन ही अड़चन नजर आई। पड़ताल के लिए यह सफर आईटीओ से 1ः50 बजे शुरू किया गया। कड़कड़ी मोड़ लाल बत्ती तक 2ः25 बजे तक पहुंचा जा सका। रास्ते में जाम और सड़कों पर नो पार्किंग में खड़े वाहनों की वजह से मिनटों का सफर तय करने में आधे घंटे से अधिक का समय लग गया। अब सवाल पैदा होता है कि दोपहर के वक्त जब सड़कों पर यह हाल है, तो व्यस्त समय में कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ता होगा। लक्ष्मीनगर मेट्रो स्टेशन से महज कुछ ही दूरी पर मदर डेयरी रोड की ओर से जाने वाले कट प्वाइंट से लेकर कड़कड़ी मोड़ लाल बत्ती तक करीब तीन किमी में बने छह यू-टर्न जाम की वजह बन रहे हैं। चालक यू-टर्न लेने की वजह से सड़कों पर दौड़ रहे वाहनों की रफ्तार धीमी कर रहे हैं, जिसकी वजह से गाड़ियां सड़कों पर रेंगते हुए नजर आती हैं। लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन की ओर से कड़कड़ी मोड़ की ओर जाने वाले मार्ग में मेट्रो पिलर नंबर 20 और 21 के पास पहला यू-टर्न बना हुआ है। यह यू-टर्न कुछ महीने पहले ही बनाया गया है। इसके अलावा दूसरा यू-टर्न लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन स्थित पिलर नंबर 33 और 34 के पास बनाया गया है। तीसरा यू-टर्न मेट्रो पिलर नंबर 49 और 50 के पास बना हुआ है। चौथा यू-टर्न 69 और 70 मेट्रो पिलर नंबर के पास और पांचवां यू-टर्न 87 और 88 मेट्रो पिलर नंबर के पास बना हुआ है। वहीं, छठा यू-टर्न प्रीत विहार मेट्रो स्टेशन पिलर नंबर 95 और 96 के पास बना हुआ है। मेट्रो पिलर नंबर 62 के पास पहले एक कट प्वाइंट बना हुआ था लेकिन जाम की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इसे बंद कर दिया गया। थोड़ी सी जगह बची होने की वजह से दो पहिया वाहन चालक लापरवाही बरत रहे हैं और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। वे यहीं से अपने वाहन निकालकर सड़क पार कर रहे हैं। लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन के पास फुटओवर ब्रिज (एफओबी) होने के बावजूद लोग पैदल सड़क पार कर रहे हैं। राहगीरों की यह लापरवाही भी जाम लगने की एक वजह है। दोपहिया वाहन भी लापरवाही बरत रहे हैं। वे फुटपाथ पर ही अपने वाहन दौड़ा रहे हैं, जिसकी वजह से राहगीरों और स्थानीय लोगों को चलने की जगह नहीं बचती है। सड़कों के आसपास वाहनों का कब्जा हो गया है, जिसकी वजह से कई बार बसें यात्रियों को बीच सड़क पर छोड़कर चली जाती है। -रवि दत्त त्यागी, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष, स्कूल ब्लॉक पार्ट-2 विकास मार्ग पर व्यस्त समय में जाम से निकलने में लोगों की हालत खराब हो जाती है। गाड़ियां सड़क पर रेंग रही होती हैं। जाम की वजह से वाहन चालक फुटपाथ पर ही अपने वाहन दौड़ा देते हैं, जिसकी वजह से हादसा होने का खतरा बना रहता है।

नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती होने के चार दिन बाद मिला युवक का शव

नई दिल्ली। रेवाड़ी हरियाणा के रहने वाले 61 साल के तेजपाल अपने जवान बेटे के नशे की आदत से परेशान थे। बेटा भी अपनी लत को छोड़ना चाहता था। नशा मुक्ति केंद्र में बेटे को भर्ती कराते समय पिता को इस बात का तनिक भी आभास नहीं था कि ये कदम उनके बेटे के लिए जानलेवा साबित होगा। आईएमटी मानेसर में चाय का खोखा लगाकर परिवार चलाने वाले तेजपाल ने दीवार पर ढिचाऊं गांव के नशा मुक्ति केंद्र का विज्ञापन देखकर उसे वहां भर्ती करा दिया। पीड़ित ने बताया कि चौथे दिन ही अस्पताल से बेटे की मौत की सूचना मिली। डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम के रिपोर्ट में उसकी पिटाई से मौत की बात सामने आई। बाबा हरिदास नगर थाना पुलिस ने केंद्र के मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। जानकारी के मुताबिक तेजपाल मूलतः रेवाड़ी हरियाणा के गढ़ी अलावलपुर के रहने वाले हैं। परिवार में उनकी पत्नी सुनरो देवी, बहू और उसके तीन बच्चे और 27 साल के बेटे ऋषिपाल के साथ रहते थे। वह मानेसर के आईएमटी के पास चाय बेचते हैं। बाबा हरिदास नगर थाना में दर्ज प्राथमिकी में उन्होंने बताया कि उनका बेटा ऋषिपाल शराब पीने का आदी था, जिसको लेकर पूरा परिवार परेशान था। बेटा भी लत से परेशान था, वह बीच बीच में शराब पीना बंद कर देता था, लेकिन बाद में शुरू कर देता था। तेजपाल ने बताया कि वह अपने गांव के एक मकान पर ढिचाऊं गांव स्थित नशा मुक्ति केंद्र का विज्ञापन देखा। एक दिन उन्होंने विज्ञापन में दिए नंबर पर संपर्क किया। उनकी बात अनुज से हुई, जिसने केंद्र चलाने और कई लोगों को नशा छुड़ाने की बात कही। उसने एक हजार रुपये फीस और आठ हजार रुपये महीना देने की बात कही। उसने दो माह में नशा छुड़ाने का दावा किया। 3 दिसंबर को उन्होंने चाय के खोखे से अनुज को फोन किया। लोकेशन लेकर अनुज अपने एक साथी के साथ कार से वहां पहुंचा। उसने नशा छुड़ाने का दावा कर एक वीडियो दिखाया और बताया कि यह उसके केंद्र का वीडियो है। यहां डॉक्टर, काउंसलर और मेडिटेशन करवाया जाता है। केंद्र बड़ा और सुंदर दिख रहा था। उसकी बातों पर विश्वास कर उसने अपने बेटे को केंद्र में भर्ती के लिए अनुज को एक हजार रुपये फीस और तीन हजार रुपये दे दिए। वह ऋषिपाल को लेकर कार से चला गया। तेजपाल ने बताया कि बेटे के जाने के बाद वह लगातार तीन दिन तक बेटे से बात करने की कोशिश की, लेकिन हर बार अनुज ने बेटे के ठीक होने की बात कही। सात दिसंबर की सुबह भी उसने बेटे के ठीक होने की बात कही। शाम में उसके एक परिचित के पास फोन कर अनुज ने ऋषिपाल की मौत होने की बात कही और बताया कि उसका शव राव तुलाराम अस्पताल में है। वहां पहुंचने पर उनलोगों ने देखा कि उसका शव स्ट्रेचर पर रखा था। उसके शरीर पर काफी चोट के निशान थे। अनुज से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसने बात नहीं की। बाद में पता चला कि एक छोटे से कमरे में केंद्र चलता था, वहां कोई डॉक्टर नहीं आता था। पुलिस ने डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया। 10 दिसंबर को उसके शव का पोस्टमार्टम हुआ। 19 दिसंबर को पोस्टमार्टम रिपोर्ट आया। जिसमें चोट की वजह से उसकी मौत की बात सामने आई। इसके आधार पर पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया। मामले की छानबीन करने के बाद पुलिस ने केंद्र चलाने वाले अनुज को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि वह बिना लाइसेंस के नशा मुक्ति केंद्र चला रहा था। उसके साथ एक अन्य सहयोगी भी था। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। पुलिस आरोपी के भागे हुए साथी की तलाश कर रही है।

ज्यादा हीमोग्लोबिन भी खतरनाक, बढ़ जाता है हार्ट अटैक का खतरा

नई दिल्ली। जिस तरह खून में कम हीमोग्लोबिन लेवल खतरनाक होता है, ठीक उसी तरह इसका हाई होना भी ठीक नहीं। विशेषज्ञों ने बताया कि ज्यादा हीमोग्लोबिन न केवल खून को गाढ़ा बना देता है। इससे हार्ट अटैक, स्ट्रोक और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। डॉक्टरों के अनुसार, अगर समय रहते इसकी पहचान न हो और कारणों का इलाज न किया जाए, तो यह जानलेवा भी हो सकता है। पुरुषों के लिए 16.6 ग्राम/डेसीलीटर से अधिक और महिलाओं के लिए 15 ग्राम/डेसीलीटर से अधिक हीमोग्लोबिन नहीं होना चाहिए। गुरु तेग बहादुर अस्पताल के एडिशनल मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ प्रवीण कुमार ने बताया कि हाई हीमोग्लोबिन के कुछ सामान्य कारणों में ज्यादा ऊंचाई पर रहना, लंबे समय तक धूम्रपान करना, डिहाइड्रेसन और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज जैसी स्थितियां हैं, जो ऑक्सीजन को सीमित करती हैं। ज्यादा गंभीर मामलों में पॉलीसिथेमिया वेरा जैसे बोन मैरो डिसऑर्डर भी हो सकता है, जो ब्लड से जुड़ी एक रेयर बीमारी है, जिसमें शरीर में बहुत अधिक रेड ब्लड सेल्स बनने लगता है। इसके अलावा हार्ट डिजीज, कैंसर और ब्लड से जुड़ी कुछ समस्याओं में भी खून में हीमोग्लोबिन के ज्यादा बनने की आशंका होती है। हीमोग्लोबिन एक तरह का प्रोटीन होता है, जो रेड ब्लड सेल्स में पाया जाता है। इसका मुख्य काम फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर शरीर के सभी अंगों तक पहुंचाना और कार्बन डाइऑक्साइड को वापस फेफड़ों तक लाना होता है। शरीर में ऑक्सीजन की सही सप्लाई के लिए हीमोग्लोबिन का संतुलित स्तर बेहद जरूरी है।

शास्त्री पार्क इलाके में युवक को चाकू से वार कर उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली। पुलिसल के मुताबिक, 30 और 31 दिसंबर की दरमियानी रात को पीएस शास्त्री पार्क जेपीसी अस्पताल से एक ऐसे व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली जिसे चाकू लगा था और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। अस्पताल पहुंचने पर मृतक की पहचान वसीम पुत्र हशमत निवासी बुलंद मस्जिद, शास्त्री पार्क, दिल्ली, उम्र 33 साल के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान पता चला कि मृतक को डीडीए पार्क के पीछे चाकू मारा गया था।

पूर्व विधायक के दामाद शिक्षक की हत्या का हुआ खुलासा

अलीगढ़। एएमयू के एबीके बॉयज स्कूल में कंप्यूटर शिक्षक रॉव दानिश अली की हत्या का खुलासा हो गया है। पुलिस ने अमिर निशा गोस्त वाली गली बीबी बिल्डिंग निवासी सलमान पुत्र मुतीक कुरैशी को गिरफ्तार किया है। अभी दो आरोपी फरार हैं। पूछताछ में अभियुक्त सलमान ने बताया कि वर्ष 2018 में साबेज पुत्र अजमत की हत्या हुई थी, जिसमें अभियुक्त सलमान के साथी जेल गये थे । सलमान व उसके साथियों को मृतक एएमयू शिक्षक राव दानिश पर मुखबिरी करने का शक था । जिसका बदला लेने के लिए अभियुक्त फहाद, यासिर उर्फ यासर व सलमान ने राव दानिश की हत्या की योजना बनाई थी। पूछताछ में अभियुक्त सलमान ने बताया कि वर्ष 2018 में साबेज पुत्र अजमत की हत्या हुई थी, जिसमें अभियुक्त सलमान के साथी जेल गये थे । जिसमें सलमान व उसके साथियों को मृतक एएमयू शिक्षक राव दानिश पर मुखबिरी करने का शक था। जिसका बदला लेने के लिए अभियुक्त फहाद, यासिर उर्फ यासर व सलमान ने राव दानिश की हत्या की योजना बना । 23 दिसंबर को अभियुक्त सलमान ने अपने साथी फहाद पुत्र रफतउल्लाह, यासिर उर्फ यासर पुत्र रफथ उल्लाह निवासी ग्राम नौसा थाना बरला अलीगढ हाल निवासी औखला दिल्ली को अलीगढ़ बुलाया था, जो अपने साथ पहले से ही पिस्टल लेकर आए। सलमान ने इन्हें अपने फ्लैट में रखा था । 24 दिसंबर को सलमान ने फहाद व यासिर को राव दानिश की हत्या करने के लिये मेडीकल रोड पर अपनी गाड़ी से छोड़ दिया । इसके बाद फहाद व यासिर ने एएमयू की कैन्टीन के पास राव दानिश की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों वहां से स्कूटी पर बैठकर पुरानी चुंगी वाले पुल पर आ गए, जहां पहले से मौजूद सलमान ने फहाद को अपनी गाड़ी में बैठा लिया। यासिर स्कूटी से गभाना टोल तक गया । गभाना टोल से पहले वह स्कूटी यासिर ने सड़क के किनारे खाई में फेंक दी। तीनों कार से ओखला दिल्ली भाग गए। अभियुक्त सलमान का साथी जुबैर पुत्र रफत उल्लाह जो अपराधिक किस्म का व्यक्ति है, राव दानिश की हत्या की घटना की भूमिका के सम्बन्ध में उसके और अन्य साथियों की संलिप्तता के संबंध में विवेचना प्रचलित है । शिक्षक रॉव दानिश अली (45) की 24 दिसंबर देर शाम एएमयू परिसर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। स्कूटी सवार नकाबपोश दो शूटरों ने इस वारदात को उस समय अंजाम दिया, जब वे लाइब्रेरी कैंटीन परिसर में दो साथियों संग टहल रहे थे। घटनाक्रम देर शाम 8ः45 बजे का है। मूल रूप से डिबाई क्षेत्र के रहने वाले रॉव दानिश अली का परिवार कई दशक से अमीर निशा मक्खन वाली कोठी के पास रहता है। उनके पिता एएमयू में कर्मचारी रहे हैं, जबकि मां शिक्षिका रही हैं। एएमयू में ही पढ़ाई के बाद खुद रॉव दानिश अली को भी एबीके बॉयज स्कूल में कंप्यूटर शिक्षक का जॉब मिल गया। उनके ससुर फिजा उल्लाह चौधरी मुरादाबाद की कांठ विधानसभा से विधायक रहे थे। रोजाना की तरह शाम को वे एएमयू की लाइब्रेरी कैंटीन परिसर में टहलने गए थे। दो अन्य साथी भी थे। तभी स्कूटी सवार दो नकाबपोश वहां पहुंचे

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल विनोद कुमार प्रसाद, निवासी एम-404, जे. जे. कॉलोनी, शकरपुर, सरस्वती विहार, दिल्ली-110034 द्वारा दिनांक 07.06.2024 को अपराह्न 2 बजकर 03 मिनट पर बस संख्या P51AT8766 के संबंध में प्रमाणपत्र संख्या IN-DL00601691260431W, श्री मोहम्मद शुएब पुत्र मो सगीर निवासी मकान न0 डी-320, गली न0 1, नूर-ए-इलाही, दिल्ली-110053 के नाम पर 03 पृष्ठों का दस्तावेज प्रविष्टि संख्या 3067 विधिवत रूप से नोटरी द्वारा रजिस्टर्ड कराया गया था। उक्त दस्तावेज की वैधता मेरे मुवक्किल द्वारा आज दिनांक 30.12.2025 को समाप्त की जा रही है। अतः दिनांक 30.12.2025 के पश्चात उपर्युक्त नोटरी से संबंधित उक्त दस्तावेज की कोई वैधानिक मान्यता प्रभावी नहीं रहेगी। साथ ही यह भी सार्वजनिक रूप से सूचित किया जाता है कि चेक संख्या 990080, इंडियन ओवरसीज बैंक का एक ब्लैंक चेक, जो उपर्युक्त दस्तावेज से संबंधित है, उसका किसी भी प्रकार से दुरुपयोग न किया जाए तथा उक्त चेक मेरे मुवक्किल को तत्काल वापस किया जाए। इसके अतिरिक्त मेरे मुवक्किल विनोद कुमार प्रसाद द्वारा दिनांक 18.01.2025 को अपराह्न 12 बजकर 35 मिनट पर बस संख्या P51AT8766 के संबंध में प्रमाणपत्र संख्या IN-DL20530870126366ङ, श्री मोहम्मद शुएब के नाम पर 03 पृष्ठों का दस्तावेज किया गया था। इस दस्तावेज की वैधता भी मेरे मुवक्किल द्वारा आज दिनांक 30.12.2025 को समाप्त की जा रही है। अतः आज के पश्चात इस दस्तावेज की कोई मान्यता प्रभावी नहीं रहेगी।

एस0 फिरोज, अधिवक्ता
352, Lawyers Chambers Block, Saket Court Complex, New Delhi-110017

NAME CHANGE

I hitherto known as Yogender Kumar alias Joginder Singh S/O BALBIR SINGH, R/O HOUSE NO-125, GADDI PANA, VILLAGE JONTI,VTC: Jonti, PO: Jaunti,District: North West Delhi,State: Delhi,: 110081,have change my name and shall hereafter be known as Yogender Kumar.

NAME CHANGE

I, ARJAN SINGH father of No.16123241K Rank-NK Name-CHARAT SINGH residing at JUNGEENPURA, GURLA, KARAULI, RAJASTHAN-322241, have changed my name from ARJAN SINGH to ARJUN SINGH for all future purposes vide Affidavit Dated 01/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I,Mohammad Mohsin Mohammed Yunus, C/o Mohammed Yunus R/o A-21/164-A DDA Flats ,Makki Jama Masjid, Inderlok, Sarai Rohilla Delhi-110035, have change my name Mohammad Mohsin for all future purpose.

NAME CHANGE

I Aasiya W/O Abdul Rehman R/O H.no-1831 Ward no-17 V.P.O nagina teh. ferozepuri Jhirka Mewat Haryana 122107 changed my name to Fatima Bano.

NAME CHANGE

I, NAADRA KHATOON & HAJJAN NADRA W/O NAUSHAD ALI R/O C-12/8, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME NADRA KHATOON FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, B SWARAPA Mother of No-16122059X Rank-LNK Name-BHOOTHKURI SHIVARAJ Presently residing at H NO. 6-91, PEDDAPUR, MEDAK, TELANGANA-502270, have changed my name from B SWARAPA to BHOOTHKURI SWAROOPA for all future purposes vide Affidavit dated 01/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, PRIYANKA SHRIKANT BADKAS Wife of APOORV SANJEEV SHARANGPANI R/o 9/74, MANEKSHAW ENCLAVE, DELHI CANTT, NEW DELHI-110010, have changed my name from PRIYANKA SHRIKANT BADKAS to ANUSHKA APOORV SHARANGPANI for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, PAWAN YADAV S/o VIJAY SINGH YADAV, R/o Numberdar Choupal, House No. 191, Kapashera, PO, Dist: South West Delhi, Delhi-110037, declare that name of mine and my father have been wrongly written as PAWAN KUMAR and V S YADAV in my Driving Licence No. DL09 19980217356, and name of mine & my mother have been wrongly written as PAWAN and SANEHLATA YADAV in my Passport No. C8371036. The actual name of mine, my father and my mother are PAWAN YADAV, VIJAY SINGH YADAV and SUNILTA YADAV, respectively.

NAME CHANGE

It is for general information that I, RIYANSHU S/o SACHIN R/o H.No. 276, Block-H, Kunwar Singh Nagar, Nangloi, PO: Nangloi, Dist: West Delhi, Delhi-110041, declare that name of mine, my father and my mother have been wrongly written as RIYANSHU SHARMA, SACHIN SHARMA and SARIKA SHARMA in my 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of mine, my father and my mother are RIYANSHU, SACHIN and SARIKA, respectively.

NAME CHANGE

I hitherto known as Lalit Kumar S/O Rajesh Kumar R/O JHUGGI NO. 60, KANHAIYA NAGAR, Onkar Nagar DIST: North West Delhi, Delhi- 110035, have change my name and shall hereafter be known as Sandeep.

NAME CHANGE

I, Naseema Shabir Bhat W/o Shabir Ahmad Bhat R/o 2, Block-D, Nizamuddin West, Hazrat Nizamuddin, Delhi-110013 have changed my name to Naseema Shabir Bhatt.

NAME CHANGE

I, Saakshi Chandna W/O Sachin Chandna R/O C 3039, First Floor, Greenfields Colony, Nhpc Chowk, Faridabad Haryana 121010, Have changed my name to Saakshi Datt for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Sunil Kumar S/o Rajender R/o NA Daulat Pur, DIST : South West Delhi, Delhi - 110043, have changed my name and shall hereafter be known as Sunil yadav

NAME CHANGE

I, SAVKAR SAHEBRAO SONU , is legally father of No 2813560Y, Rank – Sep, Name – SAVKAR PRAVIN SAHEBRAO, R/o Joran, Po- Joran, Teh-Baglan, Dist-Nashik, State-Maharashtra, Pin-423301, have changed my name from SAVKAR SAHEBRAO SONU to SAHEBRAV SONU SAWKAR and date of birth from 02/06/1960 to 01/01/1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 01/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, Himanshu s/o Late Sh. Dildar SIngh r/o Nangal Nunia (248) PO-Nangal Nunia Dist, Mahendragarh, Haryana-123023 declares that my name is mentioned as MANSHU in my PNB Bank account and FD records. I have changed my name from MANSHU to HIMANSHU and i hereafter shall be known as HIMANSHU for all my future purposes.

NAME CHANGE

I,KUMANNA GURAV, is legally father of No. JC 462540P, Rank – Sub, Name – RAMLING GURAV, 5 Maratha LI, R/o At. Janewadi, Post-Navge, Tahsil-Belagavi, District-Belagavi, State-Karnataka, Pin No-590014, have changed my name from KUMANNA GURAV to KUMMANNA ANNU GURAV and date of birth from 19/01/1942 to 01/01/1948 for all future purposes. Vide affidavit dated 01/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SURABAI, is legally mother of No. JC 462540P, Rank – Sub, Name – RAMLING GURAV, 5 Maratha LI, R/o At. Janewadi, Post-Navge, Tahsil-Belagavi, District-Belagavi, State-Karnataka, Pin No-590014, have changed my name from SURABAI to SATUBAI KUMMANNA GURAV and date of birth from 19/01/1947 to 01/01/1958 for all future purposes. Vide affidavit dated 01/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, NAADRA KHATOON & HAJJAN NADRA W/O NAUSHAD ALI R/O C-12/8, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME NADRA KHATOON FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I Manju Rani W/O Avdesh Ahuja R/O H.no- H-2/23-H-2-Block Mahavir Enclave delhi 110045 changed my name to Tanu Ahuja.

NAME CHANGE

I hitherto known as ASHA W/O RAKESH KUMAR R/O Plot No-77, Upper Ground Floor, Block-A-1, Gali No.-6, Om Vihar Phase-5, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi-110059, have changed my name and shall hereafter be known as ASHA RANI.

NAME CHANGE

I Shahzabi W/O Md Moosa R/O B-264, main 33 futa road bhagirathi vihar mustafabad delhi 110094 changed my name to Shahjabi.

NAME CHANGE

I Mohammad Juned S/O Mohammad Poladi R/O C-SA C-Block vikas vihar kakrola delhi 110078 changed my name to Zunaid Ahmad.

NAME CHANGE

I Kaseem S/O Mohd Naseem R/O C-5/254 top floor brijpuri Mustafabad delhi 110094 changed my name to Mohd Kaseem.

NAME CHANGE

I, RAJANI DEVI Wife of JC-573459X Rank-NB SUB Name-SUNIL KUMAR KUNDLIYA Presently residing at VILL-CHALKURIYA, PO-POKHRA, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246169, have changed my name from RAJANI DEVI to RAJNI KUNDLIYA for all future purposes vide Affidavit dated 01/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SEEMA DEVI W/o Jairam Pandit R/o EXTRA-35/130, Trilok Puri, Delhi-110091, have changed my name to SIBHA DEVI permanently

NAME CHANGE

I, ZIKRA PARVEEN D/o Mohd Shabbir R/o B-2, S.P Mukherjee Market, Faiz Road, Karol Bagh, Delhi-110005, have changed my name to ZIKRA PERVEEN permanently.

NAME CHANGE

I, RAZIYA SULTANA W/o MUEED AHMAD R/o C-47, T/F, Gali No.3, Bajrang Bali Mohalla, Maujpur, Delhi-110053, have changed my name to RAZIA SULTANA permanently

NAME CHANGE

I, CHATUR SULABHA VITTHAL , is legally mother of No. 2820566H, Rank – Nk, Name – CHATUR VISHWAJEET VITTHAL, At/Post-Bhose, Teh-Koregaon, Dist-Satara, State-Maharashtra, Pin-415501, have changed my name from CHATUR SULABHA VITTHAL to SULOCHANA VITTHAL CHATUR and date of birth from 07/05/1969 to 30/08/1969 for all future purposes. Vide affidavit dated 01/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, BHOLA S/O ASHRAF ALI R/O H NO-C-31/13, STREET NO-3, ARJUN MOHALLA, MAUJPUR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME BHOLE KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE

LR No: 3472818/2025

Jagjit Singh,S/O Shri P.K. Sarmukh Singh, 601, Block -24, Heritage City M.G. Road, Gurgaon, 122002 ncroy5146@gmail.com, 9629795868, I Have Lost My Original Property DOCUMENT Number (1) Mother Document No -2376/2007. SURVEY NO-2268/98 -2465/98-2339/98-2424/98.2286/98-2423/98-2266/98-2268/98/-2263/98-2264/98-2265/98-pow-150/2007-sdow-2376/2007 Survey No -9/1C Acre-2-30-9/1B Acre -2-40. -9/1D- Acre-1-25-9/1 H- Acer-2-80-9/1G Acre -2-30 -9/1M-Acr-2-5q-9/1n-Acr-2-75-9/10 Acre-2-10-9/1 P -Acer-1-95-9/1Q.Acr-3-02-9/1L-Acr-2-60 9/11-Acre -2-55 -9/1K-Acre-2-45-9/2-Acr-2-15 Total Extent-33 Acre -21 Cent . (2) Mother Document No -2378/2007. SURVEY NO-3067/98 -150/2007 Do No--2378 /2007 Survey No- 60/3 Acr q-67. Total Extent -9-Acer 67 Cent. Nakkalapatti village, Usilampatty Taluk, Madrai District, Sub Registration Office, Usilampatty, State Tamil Nadu.

NAME CHANGE

I, Nirmal Gupta D/O Suresh Kumar W/O Sanjeev Kumar Garg R/O House Number - 4, First Floor, Rajendra Park Extension, Nangloi, West Delhi 110041 Have changed my name to Payal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SWARNPREET KAUR JUNEJA W/O SARABJEET SINGH JUNEJA R/O H NO-143, NEW LAYALPUR, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051 have changed my name to SWARN PREET KAUR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Kamal S/O Lachhman Singh, R/O 114, J- 3, Near Alak Nanda Market, DDA Flats, Kalkaji, VTC: Aali, PO: Ali, Sub District: Kalkaji, District: South Delhi, State: Delhi, 110019, have change The name of my minor son Vaahen Chaudhary aged14 years and he shall hereafter be known as VAAHEN CHOUDHARY.

NAME CHANGE

I hitherto known as MO MUHID S/O MOHD FARID R/O House No. 496/2, Circular Road, Po: Shahdara, Dist: North East Delhi, Delhi-110032, have changed my name and shall hereafter be known as MOHD MOHID.

NAME CHANGE

I, Dharmendra Kumar S/o Shankar Chaudhary R/o House no-D-1/9, 3rd floor Gali no.1 Kh no.225 Goel Complex badarpur EXTN. tajpur road South Delhi 110044 have changed my name to Dharmendra Kumar Chaudhary

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, SANJAY KUMAR S/O RAM SWROOP R/O J-3/160, THIRD FLOOR DDA FLATS, KALKAJI, Alaknanda, South Delhi-110019, Declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as SANJAY and LUCKY in my minor son namely LUCKY KUMAR aged 15 years in his 10th class educational document. The actual name of mine and my minor son are SANJAY KUMAR and LUCKY KUMAR, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I SURENDER SINGH S/O UMED SINGH RAWAT R/O C-14 TOWER-14 TYPE 3 KIDWAI NAGAR EAST SAROJNI NAGAR SOUTH WEST DELHI 110023 HAVE CHANGED MY NAME TO SURENDER SINGH RAWAT

NAME CHANGE

I Tika Ram S/o Jageshwer Prasad R/o Palia Narosa, Kursi Road, Dist-Lucknow, Uttar Pradesh - 226022, have changed my name to Omkar Yadav.

NAME CHANGE

I, KAMAL MASIH S/O RATTAN R/O VILLAGE-NAWAN, PIND SARDARA, TIBBAR, POST OFFICE, TIBBER, DISTRICT GURDASPUR, PUNJAB-143529, HAVE CHANGED MY NAME KAMAL BHARTI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, RATTAN MASIH S/O NAND MASIH R/O VILLAGE-NAWAN, PIND SARDARA, TIBBAR, POST OFFICE, TIBBER, DISTRICT GURDASPUR, PUNJAB-143529, HAVE CHANGED MY NAME RATTAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, DIWAKAR S/O RAM CHANDER PRASAD R/O L-148A, GALI NO-3, PLOT NO-99, MAHIPAL PUR, SOUTH WEST DELHI,DELHI-11003, HAVE CHANGED MY NAME DEWAKAR PATEL FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, SOMNATH S/O EKNATH GAIKWAD R/O KRISHANA TEMPAL GALI, HOUSE NO-335/8, JACUBPURA, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO SOMNATH GAIKWAD FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, MS. ARCHANA GAUD W/O ARVIND GAUR R/o FLAT NO 401, 4TH FLOOR, BLOCK A, PREMIERE URBAN SOCIETY, SECTOR-15, PART 2, GURGAON, HARYANA-122001 I HAVE CHANGED MY NAME TO ARCHANA GAUR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, SARIKA AGRAWAL W/O SIDDARTH ANAND AGRAWAL R/o K-901, EMAAR PALM DRIVE BADSHAHPUR SECTOR-66 GURGAON, HARYANA-122101 I HAVE CHANGED MY NAME TO SARIKA SIDDHARTH AGRAWAL FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I hitherto known as Saroj W/o Shri Ram Parkash R/o Flat No.H-558, 5th Floor, Tower-H, 16th Park View, Gaur Yamuna City (Pocket 3), Sector-19, Yeida Greater Noida, Yamuna Express Way, Dankaur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203201 have changed my name and shall hereafter be known as Saroj Parkash.

NAME CHANGE

I, RAMESH RAGOAPPA LAHE, is legally father of No. 2812274L, Rank – Sep, Name – LAHE DHANANJAY RAMESH, R/o KANADI VETAL, Ward No.6 at.po. Shirpur Jain, ta.malegaon, Shirpur, PO-Shirpur, Dist:Washim, State-Maharashtra, Pin-444504, have changed my name from RAMESH RAGOAPPA LAHE to RAMESH RAGHOAPPA LAHE and date of birth from 08/03/1963 to 06/03/1963 for all future purposes. Vide affidavit dated 01/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SHARADA, is legally mother of No. 2812274L, Rank – Sep, Name – LAHE DHANANJAY RAMESH, R/o Ward No. 6, Mahatma Basweshwar Chouk, Shirpur Jain, Shirpur, PO:Shirpur, Teh- Malegaon, Dist-Washim, State-Maharashtra, Pin-444504, have changed my name from SHARADA to SHARDA RAMESH LAHE and date of birth from 02/06/1969 to 01/01/1973 for all future purposes. Vide affidavit dated 01/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I Junaid Malik s/ o Shaehnaz malik alias Hahnaz Bano w/o jalaluddin Malik R/o , 550 chhatta Lal Miyan behind Delite cinema ,Darya Ganj New Delhi 110002 have changed my name from junaid to Junaid Malik for all future purposes and Shaehnaz malik alias Hahnaz Bano is same and one person

NAME CHANGE

I ,Zainul Abidin s/ o Shehnaz Bano w/o jalaluddin R/o , 550 chhatta Lal Miyan behind Delite cinema ,Darya Ganj New Delhi 110002 inform that Shehnaz Bano alias hahnaz Bano is same and one person i.e my mother as mentioned in my documents

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD ARIF S/O MOHD MOBIN Residing at H NO-T-679 B MAIN ROAD GAUTAMPURI NEW SEELAMPUR DELHI 110053 have changed my name to MOHD ARIF for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MEGHA AGARWAL W/o VINEET AGARWAL R/o FLAT NO.1525 TOWER D, GAUR GREEN VISA APPARTMENT, NAYA KHAND-1, I.E. SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201010 have changed my name to MEGHA GUPTA.

NAME CHANGE

I ZEBA BEGUM W/O HAROON YASA RESIDING AT HOUSE NO 5296 KUCHA REHMAN BALLIMARAN CHANDNI CHOWK DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME FROM ZEBA BEGUM TO ZEBA PARVEEN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, ISTAQ & ISHTYAQ S/O SAJAUDDIN R/O H NO-A-174/1, GALI NO-5-B, GURU NANAK NAGAR, MUSTAFABAD, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME MOHD ISHTIYAQ FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I hitherto known as KAMLESH RANI W/O SUBHASH BAGGA R/O 15/36, Second Floor, Opposite Patel Park, Patel Nagar West, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as SWEETY BAGGA.

NAME CHANGE

I hitherto known as Manish S/O: Om Prakash, R/O A-163, J.J Camp Tigri, TIGRI, PO: Pushpa Bhawan, DIST: South Delhi, Delhi -110062, have change my name and shall hereafter be known as Ankit.

NAME CHANGE

I hitherto known as ASHU S/O: Anil, R/O H No-644/A, Ground Floor, Khasra No-569/70-1, Prajapati Mohalla, Maidan Garhi, South Delhi, Delhi-110068, have change my name and shall hereafter be known as Noni.

NAME CHANGE

I, SHRIDEVI is legally Mother of No. 15693545L Rank- HAV Name-KULDEEP KUMAR Presently resident of VPO-GOTKA, TEH-SARDHANA, DIST-MEERUT, (UTTAR PRADESH)-250344 have changed my name from SHRIDEVI to SHRI DEVI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 24/12/2025 Before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, SWAROOP SINGH is legally father of No. 15695228H Rank- HAV Name-NARENDRA KUMAR Presently resident of VILL-MANDHAUR MUST, PO-DHIKKA KALAN, SUB DISTRICT-NAKUR, DISTRICT: SAHARANPUR, (UTTAR PRADESH)-247232 have changed my name from SWAROOP SINGH to SVAROOP for all Future Purposes. Vide Affidavit Dated 01/01/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, KALASOO DEVI is legally Mother of No. 15695228H Rank- HAV Name-NARENDRA KUMAR Presently resident of VILL-MANDHAUR MUST, PO-DHIKKA KALAN, SUB DISTRICT-NAKUR, DISTRICT: SAHARANPUR, (UTTAR PRADESH)-247232 have changed my name from KALASOO DEVI to KAILASHO for all Future Purposes. Vide Affidavit Dated 01/01/2026 before Notary Public New Delhi.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

आईपीएस नरेंद्र बिजराणिया होंगे करनाल के एसपी

एजेंसी

चंडीगढ़। आईपीएस वाई पूरण कुमार मामले में रोहतक से हटाए गए आईपीएस नरेंद्र बिजराणिया को करनाल का एसपी बनाया गया है। गृह सचिव की तरफ से जारी आदेशों के अनुसार, नियुक्ति का इंतजार कर रहे नरेंद्र बिजरानिया को करनाल में एसपी लगाया गया है। करनाल में अब तक एसपी रहे 2013 बैच के आईपीएस गंगाराम पूनिया को एसपी एंटी करप्शन ब्यूरो लगाया गया है।एसपीएस अधिकारियों की सूची में सोनीपत के एसीपी जीत बेनीवाल को डीएसपी सीआईडी, सुशील कुमार को द्वितीय बटालियन एचएपी, फरीदाबाद की एसीपी मोनिका को डीएसपी सीआईडी, मुनीष सहगल को द्वितीय बटालियन आईआरबी भोंडसी, अनिल कुमार को डीएसपी सीआईडी तथा शाकिर हुसैन को फोर्थ बटालियन आईआरबी भोंडसी में लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि वाई पूरण कुमार आत्महत्या प्रकरण के दौरान बिजराणिया रोहतक में एसपी के पद पर तैनात थे। उस समय चौतरफा दबाव के चलते तत्कालीन पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर तथा रोहतक के तत्कालीन एसपी नरेंद्र बिजरानिया अवकाश पर चले गए थे। कपूर बीती 14 दिसंबर को ज्वाइन कर चुके हैं। बिजराणिया को अभी तक कोई तैनाती नहीं दी गई थी।

पानीपत जिले में मतलौडा को नगर पालिका का दर्जा, अधिसूचना जारी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पानीपत जिले के मतलौडा गांव को नगरपालिका बनाने की घोषणा की थी। इस संबंध में शहरी स्थानीय निकाय विभाग हरियाणा द्वारा अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। मतलौडा प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार का पैतृक गांव भी है। मतलौडा ग्राम पंचायत को नगरपालिका बनाए जाने पर क्षेत्रवासियों तथा विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया है। इस घोषणा पर कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि नववर्ष पर मुख्यमंत्री द्वारा यह मेरे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक घोषणा है। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि मतलौडा को नगरपालिका का दर्जा मिलने से क्षेत्र में सुनियोजित शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा तथा बुनियादी ढ़ांचे को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि मतलौडा नगरपालिका बनने पर क्षेत्र में सड़क निर्माण, पेयजल आपूर्ति, सीवरेज व्यवस्था, स्वच्छता अभियान, स्ट्रीट लाईट, पार्कों का विकास, बाजारों का सौन्दर्यीकरण होगा तथा अन्य नागरिक सुविधाओं के विस्तार में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

मानसून से पहले बाढ़ प्रबंधन पर फोकस, डीसी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

कैथल। आगामी मानसून सीजन को देखते हुए जिला प्रशासन ने बाढ़ बचाव प्रबंधन की तैयारियां अभी से तेज कर दी हैं। उपायुक्त अपराजिता ने सिंचाई विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर स्पष्ट किया कि बाढ़ से निपटने के लिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग अभी से जमीनी स्तर पर तैयारियां शुरू करें और हर कार्य समय पर पूरा किया जाए। बैठक में डीसी ने जिले में उपलब्ध सभी पंप सेटों की विस्तृत सूची तैयार करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि जो पंप खराब स्थिति में हैं, उनकी तुरंत मरम्मत करवाई जाए ताकि जलभराव या आपात स्थिति में तकनीकी दिक्कत न आए। साथ ही संवेदनशील और अति महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। उपायुक्त ने नहरों, ड्रेनों और जल निकासी व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि मानसून से पहले सभी नहरों और नालों की सफाई हर हाल में पूरी होनी चाहिए और इसका असर धरातल पर नजर आना चाहिए। संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां पहले से ही मिट्टी और बजरी के कट्टे भरकर रखने के निर्देश भी दिए गए, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत उपयोग किया जा सके।

यमुनानगर में बाढ़ की संभावना से प्रशासन सक्रिय, डीसी ने किया गांवों का निरीक्षण

यमुनानगर। पिछले वर्ष यमुनानगर जिले में आई बाढ़ से हुई भारी तबाही के बाद प्रशासन ने आगामी मानसून को लेकर अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। संभावित नुकसान को कम करने के उद्देश्य से उपायुक्त प्रीति ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ यमुना नदी से सटे टापू कमालपुर, पोबारी, घोड़ों पीपली, जौधपुर और लापरा गांवों का दौरा किया। उपायुक्त ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में प्रस्तावित हरियाणा राज्य सूखा एवं बाढ़ राहत नियंत्रण बोर्ड की 57वीं बैठक में रखे जाने वाले बाढ़ बचाव कार्यों का मौके पर निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि बैठक में स्वीकृति मिलते ही सभी आवश्यक बाढ़ सुरक्षा कार्य मानसून से पहले पूरे कराए जाएंगे। उत्तर प्रदेश सीमा से लगे गांवों के किसानों ने बताया कि बरसात के दौरान यमुना नदी का तेज बहाव खेतों की जमीन को काटकर नदी में समाहित कर देता है। इस वर्ष भी अधिक पानी आने की आशंका को देखते हुए ग्रामीणों ने तटों को मजबूत करने की मांग उठाई। इस पर उपायुक्त ने कटाव प्रभावित क्षेत्रों में तटबंध सुदृढ़ करने और जरूरत के अनुसार स्टड लगाने के निर्देश दिए।

मानसून से पहले सभी ड्रेनों की सफाई समय रहते सुनिश्चित की जाए : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मानसून से पूर्व प्रदेश में जलभराव व बाढ़ की संभावित स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि सभी ड्रेनों की समय रहते सफाई सुनिश्चित की जाए। यदि किसी परियोजना में देरी या लापरवाही पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें। मुख्यमंत्री आज हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की 57वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में 637.25 करोड़ रुपये की 388 बाढ़ नियंत्रण योजनाओं को मंजूरी दी गई, जिनमें जिला उपायुक्तों द्वारा प्रस्तावित की गई 102 करोड़ रुपये की 59 योजनाएं भी शामिल हैं। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित

रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 तथा उसके बाद वर्ष 2025 में प्रदेश में जलभराव व बाढ़ की गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। इनसे सबक लेते हुए अभी से बाढ़ राहत कार्यों की ठोस योजना तैयार कर ड्रेनों की सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए कि जहां भी किसी प्रकार की समस्या हो, वहां तत्काल आवश्यक कार्य करवाएं, क्योंकि अभी पर्याप्त समय उपलब्ध है। नदियों के तटबंध होंगे और मजबूत, भूमि कटाव रोकने के लिए यूपी की तर्ज पर बनेंगे स्टोन स्टड मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियों के किनारे तटबंधों को मजबूत करने तथा भूमि कटाव रोकने के लिए उत्तर प्रदेश की तर्ज पर मजबूत स्टोन स्टड बनाए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि इस वर्ष सभी स्टड नई तकनीक से लगाए जाएं ताकि बाढ़ राहत कार्यों को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। साथ ही, उन्होंने बजरी से भरे कट्टों को तैयार रखने के निर्देश दिए ताकि जिन स्थानों पर अत्यधिक जल प्रवाह से कटाव की आशंका हो, वहां तुरंत उनका उपयोग किया जा सके। मुख्यमंत्री ने गत 10 वर्षों में विभाग द्वारा किए गए स्टोन स्टड कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने यमुना नदी में सीवेज व नालों का प्रदूषित पानी गिरने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी ड्रेन से यमुना में पानी केवल ट्रीटमेंट के बाद ही छोड़ा जाए। इसके लिए सभी आउटफॉल प्वाइंट्स को चिन्हित कर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (स्त्रक्क) एवं सामान्य अपशिष्ट उपचार संयंत्र (ष्टश्वञ्जक्क) के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए, ताकि अनट्रीटेड पानी यमुना में न जा सके। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने भिवानी-घग्गर ड्रेन की क्षमता बढ़ाने के कार्य को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करके आगे बढ़े विद्यार्थी:महिपाल ढांडा

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित कर मजबूत संकल्प और अनुशासन के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि वही विद्यार्थी इतिहास रचते हैं जो ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं और गुरुजनों के बताए मार्ग पर चलते हैं। शिक्षा मंत्री राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय, नूरवाला में लगभग 2 करोड़ रुपये की लागत से बने नवनिर्मित भवन के उद्घाटन समारोह में विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय को अपग्रेड करने की भी घोषणा की। कार्यक्रम में पहुंचने पर अतिरिक्त उपायुक्त एवं नगर निगम आयुक्त डॉ. पंकज यादव ने बुके भेंट कर शिक्षा मंत्री का स्वागत किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह को यादगार बना दिया। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा, राज्य सरकार का लक्ष्य है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाला हर बच्चा आत्मविश्वास से भरा हो और किसी से पीछे न रहे। सुपर-100 और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाया गया है। आज सरकारी स्कूलों में आधुनिक सुविधाएं, बेहतर इंफ्रास्टक्चर और योग्य शिक्षक उपलब्ध हैं।

आने वाले समय में इनके परिणाम ऐतिहासिक होंगे। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए अतिरिक्त प्रयास करें और आवश्यकता अनुसार विद्यार्थियों को एक घंटा अतिरिक्त मार्गदर्शन दें। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश के लगभग 60 प्रतिशत सरकारी स्कूलों का नवनिर्माण या कायाकल्प किया जा चुका है। स्कूलों में पीने के स्वच्छ पानी, शौचालय, स्मार्ट क्लासरूम और अन्य मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

राहुल नरवाल बने हांसी के उपायुक्त, सरकार ने जारी किए आदेश

एजेंसी

हिसार। हाल ही में अस्तित्व में आए हरियाणा के 23वें जिले हांसी को नया उपायुक्त मिल गया है। प्रदेश सरकार ने राहुल नरवाल को हांसी का उपायुक्त लगाया है। राज्य सरकार ने जारी आदेशों में राहुल नरवाल को हांसी का उपायुक्त लगाया। राहुल नरवाल 2016 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वर्तमान में राहुल नरवाल ग्रामीण विकास विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग के निदेशक व विशेष सचिव और कॉन्फेड के प्रबंध निदेशक के पद पर कार्यरत थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 16 दिसंबर को हुई रैली में हांसी

को जिला बनाने की घोषणा की थी। लगभग एक सप्ताह बाद 22 दिसंबर को इसका नोटिफिकेशन जारी हुआ और इसके लगभग एक सप्ताह बाद हांसी को नया उपायुक्त मिल गया। आईएएस बनने से पहले राहुल नरवाल ने हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू), से पशु

चिकित्सा विज्ञान में बीवीएससी एंड एएच की पढ़ाई की है। हरियाणा के नए जिले के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में यह नियुक्ति महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी कीमत पर खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उच्च जोखिम सॉल्वेंट्स एवं एक्सीपिएंट्स के मामले में औद्योगिक-ग्रेडस को अपने प्रोडक्ट्स की बिक्री एवं ट्रांसपोर्ट के मामले में नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। अगर किसी भी निर्माता ने उलंघन किया तो उसका लाइसेंस निलंबित या रद्द किया जा सकता है और उसके खिलाफ क़ानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है। फ़ूड एंड ड्रगस एडमिनिस्ट्रेशन हरियाणा के स्टेट ड्रग्स कंट्रोलर ललित कुमार गोयल ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के दिशा निर्देशों के अनुसार जन-स्वास्थ्य को ध्यान में रख कर

एडवाइजरी जारी की गई है। उन्होंने बताया कि औद्योगिक-ग्रेडस उच्च जोखिम सॉल्वेंट्स एवं एक्सीपिएंट्स के दुरुपयोग को रोकने और जन स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। यह एडवाइजरी हरियाणा स्टेट फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के माध्यम से प्रदेश के सभी फार्मास्युटिकल निर्माता, व्यापारी, आयातक एवं वितरकों को सूचित की गई है। उन्होंने बताया कि यह निर्देश 22 दिसंबर 2025 को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO), प्रवर्तन प्रभाग, महानिदेशालय स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुपालन में जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि औद्योगिक-ग्रेड उच्च जोखिम सॉल्वेंट्स की बिना पर्याप्त सुरक्षा के बिक्री से जन स्वास्थ्य को गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है और इससे दवा आपूर्ति श्रृंखला की गुणवत्ता व सुरक्षा प्रभावित होती है। एडवाइजरी के अनुसार, सभी उच्च जोखिम औद्योगिक सॉल्वेंट्स के कंटेनरों पर स्पष्ट और पढ़ने योग्य रूप में 'NOT FOR PHARMACEUTICAL USE (फार्मास्युटिकल उपयोग के लिए नहीं)' अंकित करना अनिवार्य होगा। यह चेतावनी बिक्री बिल, डिलीवरी चालान एवं अन्य सभी लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों पर भी प्रमुखता से दर्शाई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उच्च जोखिम सॉल्वेंट्स एवं एक्सीपिएंट्स की खुली (लूज़) बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी।

हरियाणा के हर जिले में बनेगा स्पोटर्स एक्सीलेंस सेंटर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा का प्रत्येक जिला अब विशेष खेलों व खिलाड़ियों के रूप में पहचाना जाएगा। विद्यार्थियों के रूझान तथा क्षेत्र वासियों की मांग के आधार पर सरकार ने राज्य के प्रत्येक जिले में स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर खोलने का फैसला किया है। नए साल में इस पर काम शुरू हो जाएगा।

इसके लिए जिला स्तर पर पीएमश्री और मॉडल संस्कृति स्कूलों का चयन किया गया है, जिन्हें मॉडर्न खेल सुविधाओं से लैस किया जाएगा। शिक्षा विभाग ने इस संबंध में बुधवार को अधिसूचना जारी कर दी है। इसके लिए प्रत्येक जिले को एक-एक खेल अलॉट किया गया है। यह योजना खेल विभाग के माध्यम से लागू की जाएगी।

अधिसूचना के अनुसार, प्रदेश के पांच स्कूलों में कुश्ती व 5 में बॉक्सिंग व 4 स्कूलों में बैडमिंटन के एक्सीलेंस सेंटर होंगे। वहीं क्रिकेट के लिए केवल सिरसा जिले को चुना गया है। वहीं फतेहाबाद के बैजलपुर स्कूल में हॉकी का एक्सीलेंस सेंटर होगा। खिलाडियों को मौसम की बाधा के बिना अभ्यास करने की

सुविधा देने के लिए 15 जिलों में मल्टीपर्पज हॉल का निर्माण किया जाएगा। इन हॉल्स में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, रेसलिंग, बॉक्सिंग और कबड्डी जैसे खेलों की ट्रेनिंग दी जा सकेगी। झज्जर के दुजाना में फुटबॉल के लिए विशेष घास वाला मैदान तैयार किया जाएगा।

फरीदाबाद के समयपुर और पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित स्कूलों में आधुनिक स्विमिंग पूल बनाए जाएंगे। शिक्षा विभाग ने चयनित स्कूलों की सूची और विस्तृत प्रस्ताव वित्त विभाग को भेज दिया है। बजट की मंजूरी मिलते ही निर्माण कार्य के लिए फंड जारी कर दिए जाएंगे। विभाग का लक्ष्य है कि अगले शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से पहले स्कूलों में इन केंद्रों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाए, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों को अपने ही जिले में विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल सकें।

ऐतिहासिक स्थल टिकट

जिला का नाम स्पोटर्स एक्सीलेंस सेंटर

अंबाला बेडमिंटन,टेबल टेनिस
भिवानी वॉलीबॉल
चरखी दादरी हैंडबॉल
फरीदाबाद स्विमिंग पूल
फतेहाबाद एस्ट्रो ट्रफ हॉकी ग्राउंड
गुरुग्राम वॉलीबाल
हिसार बाक्सिंग व कबड्डी
झज्जर फुटबॉल
जींद रेसलिंग व कुश्ती
कैथल जूडो
करनाल रेसलिंग व बैडमिंटन
कुरुक्षेत्र रेसलिंग व बॉक्सिंग
महेंद्रगढ़ बॉक्सिंग
नूंह रेसलिंग व बॉक्सिंग
पलवल बॉक्सिंग
पंचकूला स्विमिंग पूल
पानीपत कबड्डी
रेवाड़ी बासकेटबॉल व कबड्डी
रोहतक वेटलिफ्टिंग व रेसलिंग
सिरसा बेडमिंटन व क्रिकेट
सोनीपत रेसलिंग
यमुनानगर वॉलीबॉल

बाढ़ नियंत्रण उपायों को झज्जर में 33 नए प्रोजेक्ट मंजूर

एजेंसी

झज्जर। राज्य के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिला में बाढ़ राहत से संबंधित 33 परियोजनाएं मंजूर कर दी हैं। यह जानकारी उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने दी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला प्रशासन के साथ आपदा प्रबंधन एवं बाढ़ राहत उपायों से जुड़े प्रोजेक्ट की समीक्षा की। उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने जिलाभर में बाढ़ राहत उपायों से संबंधित 33 प्रोजेक्ट बैठक में रखे गए। मुख्यमंत्री श्री सैनी ने सभी प्रोजेक्ट मंजूर कर दिए। उपायुक्त ने बताया कि इन प्रोजेक्ट पर लगभग 53 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च होगी।

डीसी ने वीसी उपरांत संबंधित अधिकारियों से कहा कि सरकार द्वारा मंजूर किए गए प्रोजेक्ट को धरातल पर तय समय सीमा में पूरा करने की रूपरेखा तैयार करें ताकि आगामी बरसात के सीजन से पहले सभी प्रोजेक्ट पूर हो जाएं और आगामी बरसाती सीजन में जलभराव की स्थिति पैदा न हो।

उपायुक्त ने बताया कि पिछले अनुभव के आधार और संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान करते हुए नये प्रोजेक्ट तैयार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में आमजन को त्वरित राहत उपलब्ध कराना सरकार और जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। डीसी ने बैठक में जन स्वास्थ्य विभाग को सभी एसटीपी की क्षमता की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसटीपी द्वारा शुद्ध किए जल के उपयोगिता की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में एसडीएम झज्जर अंकित कुमार चौकसे, एसडीएम बहादुरगढ़ अभिनव सिवाच, एसडीएम बेरी रेणुका नांदल, एसडीएम बादली डॉ. रमन गुप्ता, एसई सिंचाई विभाग सतीश कुमार जनावा, एसई पब्लिक हेल्थ अमित श्योकंद सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गहन जांच के बाद खुलेंगी श्रम विभाग में हुए घोटाले की परतें : अनिल विज

तीन जिलों में गड़बड़ी मिलने पर बढ़ाई जांच

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने श्रम विभाग में सामने आए 1500 करोड़ रुपए के वर्क स्लिप घोटाले पर कहा कि इसकी गहनता से जांच के बाद कई परतें खुलेंगी और कई बड़े दोषी सामने आएंगे। जारी जानकारी में विज ने कहा कि उन्होंने जब श्रम विभाग का चार्ज लिया था तब उनके सामने मामला आया था। एक आदमी ने हजारों लोगों की वेरिफिकेशन की थी। यह तकनीकी रूप से संभव नहीं है। जिसके बाद संदेह होने पर उन्होंने इस मामले की जांच के लिए विभागीय अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी। विज ने कहा कि निर्माण कार्य के जो मजदूर है उन्हें सरकार काफी लाभ देती है, उनके बच्चों का पीएचडी तक का सारा खर्चा, शादियों व बच्चे होने पर पैसे देती है, बीमारी होने पर इलाज के पैसे देती है। शर्त यह है कि लाभार्थी पंजीकरण होना चाहिए और इसके लिए वेरिफिकेशन होती है। जब उनके सामने आया कि एक-एक कर्मचारी ने कई-कई हजार लोगों को वेरीफाई किया है तो पहले उन्होंने तीन जिलों की समरी

इंस्पेक्शन कराई जिसमें यही आरोप सही पाए गए। फिर उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों में जांच कराई। मगर प्रदेश भर में जांच कराने के लिए श्रम विभाग के पास इतना स्टाफ नहीं था।

इसलिए जिला उपायुक्तों को पत्र लिखकर तीन सदस्यीय कमेटी बनाकर उन्हें अपने-अपने जिलों में रजिस्टर्ड कामगारों की सूचियां लेकर घर-घर जाकर जांच कराने को कहा गया था।मामले में जांच हुई है और 13 जिलों की रिपोर्ट आई है और 9 जिलों की रिपोर्ट आनी बाकी है। 13 जिलों की रिपोर्ट देखकर हम हैरान रह गए कि पांच लाख 99 हजार 758 वर्क स्लिप में से केवल 53 हजार 249 ही वैध है जबकि बाकि सभी अवैध है।

इसी प्रकार दो लाख 21 हजार 517 रजिस्टर्ड वर्कर में से केवल 14 हजार 240 वर्कर ही वैध है बाकी अवैध हैं। इसकी जांच अभी होना जरूरी है कि किसने पर्ची बनाई, कब से ले रहे हैं, किस-किस ने लिया, किसने इसे वैरीफाई किया, यह जांच में सामने आएगा और यह मामला और भी बड़ा हो सकता है।

राजस्व मामलों में देरी पर डीसी सख्त,शीघ्र निपटाने के निर्देश

एजेंसी

यमुनानगर। जिला उपायुक्त प्रीति ने जिला सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में राजस्व विभाग के अधिकारियों की अहम समीक्षा बैठक ली। बैठक में एसडीएम व्यासपुर जसपाल सिंह गिल, एसडीएम छछरौली रोहित कुमार, एसडीएम रादौर नरेंद्र कुमार, एसडीएम जगाधरी विश्वनाथ, नगराधीश पीयूष गुप्ता, जिला राजस्व अधिकारी तरुण सहोता सहित जिले के सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार मौजूद रहे। उपायुक्त ने जमाबंदी, इंतकाल, रिकवरी और न्यायालय से जुड़े मामलों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि लंबित मामलों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर तय समयसीमा में किया जाए। किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी को गंभीरता से लिया जाएगा। डीसी प्रीति ने कहा कि राजस्व विभाग आमजन से सीधे जुड़ा हुआ विभाग है, इसलिए सेवाओं में पारदर्शिता और संवेदनशीलता अनिवार्य है। कार्यालय में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हो।

सड़क मरम्मत की शिकायतों में कोताही पर अधिकारियों पर गिरी गाज

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने म्हारी सड़क ऐप पर आने वाली शिकायतों के निपटान में कोताही बरतने व गलत निस्तारण करने पर जिला एवं उपमण्डल स्तर के करीब 24 अधिकारियों के खिलाफ जांच कर उनके विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ में ऐप पर आ रही समस्याओं की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को उनके समाधान के लिए के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि ऐप को अपलोड करने के लिए सभी पंजीकृत ड्राइविंग लाइसेंस धारक एवं वाहन मालिकों को संदेश भेजे जाएं, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस ऐप का उपयोग कर प्रदेश की सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करने में सहयोग कर सकें। उन्होंने बताया कि अब तक म्हारी सड़क ऐप पर 24482 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 10501 शिकायतों का निस्तारण करने के लिए कार्रवाई की गई तथा 12930 शिकायतों पर कार्य प्रगति पर है और शेष शिकायतों का निवारण किया जा रहा है। ऐप के माध्यम से मिली शिकायतों का निवारण होने पर

1770 लोगों ने संतुष्टि प्रदान की है और एक लाख 18 हजार किलोमीटर लम्बी सड़कों को गड्ढा मुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि म्हारी सड़क ऐप की हर माह जिला स्तर पर उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठकें आयोजित कर समीक्षा की जाएगी। इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश में अब तक कितनी सड़कों की मुरम्मत हुई है और कितनी सड़कों पर कार्य चल रहा है तथा शेष सड़कों का कार्य कब तक पूरा कर लिया जाएगा, इसकी विस्तृत रिपोर्ट जल्द ही प्रस्तुत करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की लगभग 46531 किलोमीटर लम्बी सड़कों की मरम्मत के लिए धनराशि जारी कर दी गई है। इसके अलावा राज्य की लगभग 3000 किलोमीटर सड़कों पर सफेद पट्टी लगाने का कार्य किया गया है ताकि धुंध के मौसम में वाहनों को सड़क साफ दिखाई दे सके।

मानसून से पहले पंप सेट की सूची, मरम्मत व नालों की सफाई के दिए निर्देश

ज्योति दर्पण

गुरुग्राम। आगामी मानसून सीजन के दौरान जलभराव संभावित स्थिति से प्रभावी रूप से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से सजग एवं सतर्क रहे। इसी उद्देश्य से डीसी अजय कुमार ने सिंचाई विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित कर जलभराव से संबंधित व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। इससे पूर्व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के जिला उपायुक्त को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

बैठक में डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ बचाव से जुड़े सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर अभी से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन के मद्देनजर सभी संसाधन मौके पर पूरी तरह से तैयार होने चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। डीसी अजय कुमार ने जानकारी दी कि हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की 57वीं बैठक के मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों की अनुपालना प्रभावी रूप से की जाए।

बैठक में डीसी ने जिले में उपलब्ध सभी पंप सेट की विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो पंप सेट खराब या अनुपयोगी अवस्था में हैं, उनकी मरम्मत समय रहते पूरी कर ली जाए, ताकि भारी वर्षा की स्थिति में जलभराव से निपटने में कोई बाधा न आए। साथ ही आवश्यकता पडने पर अतिरिक्त पंप सेट की व्यवस्था भी पहले से सुनिश्चित की जाए। डीसी ने बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मानसून से पहले जिले के सभी नालों, ड्रेन और जल भराव वाले मार्गों की सफाई का कार्य अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए, ताकि बारिश के दौरान पानी की निकासी सुचारू बनी रहे और जनजीवन प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि बाढ़ नियंत्रण कार्यों में गुणवत्ता, समय-सीमा और सतर्कता तीनों का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में नवनीत कौर डीडीपीओ, आत्मा राम भांभू एसई इरिगेशन, मनीष छिकारा एसई, विनय ग्रोवर एसई, जीत राम एसडीओ पटौदी आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

महिंद्रा की दिसंबर में वाहन बिक्री 25 फीसदी बढ़ी

2024 दिसंबर की 41,424 इकाई से 23 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली

महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने दिसंबर 2025 में निर्यात समेत कुल 86,090 इकाई वाहन बेचे, जो सालाना आधार पर 25 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह वृद्धि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में मजबूत मांग को दर्शाती है। घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री दिसंबर 2025 में 50,946 इकाई रही, जो 2024 दिसंबर की 41,424 इकाई से 23 प्रतिशत अधिक है।वहीं, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 24,786 इकाई रही, जो पिछले साल की तुलना में 34 प्रतिशत बढ़ी।

एमएंडएम के मोटर वाहन विभाग के एक अे धिकारी ने कहा कि एसयूवी और हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) दोनों खंडों में यह अब तक की सबसे बड़ी बिक्री है, जो कंपनी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

कृषि उपकरणों के क्षेत्र में भी एमएंडपी ने मजबूत प्रदर्शन किया। दिसंबर 2025 में कुल ट्रैक्टर बिक्री 31,859 इकाई रही, जो 2024 की 22,943 इकाई से लगभग 39 प्रतिशत अधिक है। घरेलू बिक्री 30,210 इकाई रही, जो 37 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। निर्यात में भी भारी उछाल देखा गया, जो पिछले साल की तुलना में 78 प्रतिशत अधिक रहा। अे धिकारी का कहना है` कि खरीफ फसल की कटाई के बाद नकदी प्रवाह बेहतर हुआ है।

अनुकूल मौसम और जलाशयों में पर्याप्त पानी से रबी की बुवाई बढ़ी है, जिससे आने वाले महीनों में ट्रैक्टर की मांग बनी रहने की उम्मीद है।

जनवरी 2026 से आम आदमी की जिंदगी में छह बड़े बदलाव

रोजमर्रा के खर्च, यात्रा और वित्तीय फैसलों पर पड़ेगा प्रभाव

नई दिल्ली

जनवरी 2026 से आम आदमी की जिंदगी में कई अहम बदलाव देखने को मिलेंगे, जो सीधे रोजमर्रा के खर्च, यात्रा और वित्तीय फैसलों को प्रभावित करेंगे। सबसे पहले, 1 जनवरी से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़कर 111 रुपए हो गए हैं। इससे रेस्टोरेंट और होटलों की लागत बढ़ेगी और खाने के दामों पर असर पड़ सकता है। इसी महीने कई कार कंपनियों ने अपनी कीमतों में वृद्धि की है। मर्सिडीज-बेंज की कारों के दाम 2 प्रतिशत बढ़ गए हैं, निसान की मैग्नाइट कार 3 प्रतिशत महंगी हुई है, जबकि एमजी मोटर की हैकर, एस्टर और जीएस ईवी कारों के दाम 2 प्रतिशत बढ़ गए हैं। हुंडई इंडिया की क्रेटा, आई 20 और वेन्यू कारों के दाम 0.6 प्रतिशत बढ़ाए गए हैं। इससे कार खरीदने वालों की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। रेल यात्रा को भी नई शर्तों से प्रभावित किया गया है। 12 जनवरी से आईआरसीटीसी अकाउंट में आधार लिंक होना अनिवार्य हो जाएगा। जिन यात्रियों का अकाउंट आधार से लिंक नहीं होगा, वे सुबह 8 बजे से रात 12 बजे तक टिकट बुक नहीं कर पाएंगे। इसका मकसद फर्जी अकाउंट्स को रोकना और असली यात्रियों को सुविधा देना है। वहीं एविएशन फ्यूल के दाम घटने से हवाई यात्रा में राहत मिलने की संभावना है। दिल्ली में एविएशन फ्यूल के दाम घटकर 92,323 रुपए प्रति किलोलीटर हो गए हैं। इससे एयरलाइन कंपनियों की लागत कम होगी और हवाई टिकट सस्ते होने की उम्मीद है। मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में भी दाम घटाए गए हैं।

नए साल के पहले दिन सोना हुआ सस्ता, चांदी भी गिरी

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,35,030 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,38,900 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली

नए साल 2026 के पहले ही दिन सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। 1 जनवरी की सुबह घरेलू बाजार में सोने के भाव फिसल गए। राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत घटकर 1,35,030 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,23,790 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। मुंबई में 24 कैरेट सोने का भाव 1,34,880 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है, वहीं 22 कैरेट गोल्ड 1,23,640 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। चेन्नई और कोलकाता में भी यही भाव बने हुए हैं। पुणे और बेंगलुरु में भी 24 कैरेट सोना 1,34,880 रुपये और 22 कैरेट 1,23,640 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है। अन्य शहरों की बात करें तो अहमदाबाद और भोपाल में 24 कैरेट सोना 1,34,930 रुपये, जबकि जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ में यह 1,35,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है। सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई है।

1 जनवरी की सुबह चांदी का भाव घटकर 2,38,900 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 71.67 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का हाजिर भाव 4,308.30 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है। जानकारों के अनुसार घरेलू सोने की कीमतों पर ग्लोबल संकेतों के साथ-साथ डॉलर की चाल, ब्याज दरों और निवेशकों की मांग का सीधा असर पड़ता है। हालांकि साल 2025 के दौरान सोने की कीमतों में करीब 73.45 प्रतिशत की मजबूती देखने को मिली थी।

इंडिगो पर 458 करोड़ रुपए से ज्यादा का जीएसटी जुर्माना

वत्त वर्ष 2018-19 से 2022-23 की असेसमेंट से जुड़ा मामला

निई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो पर दिल्ली साउथ कमिश्नरेट के सीजीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त ने 458 करोड़ रुपए से ज्यादा का जीएसटी जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना वित्त वर्ष 2018-19 से 2022-23 तक के लिए है।

जीएसटी विभाग ने विदेशी सप्लायर से मिली कंपनसेशन पर टैक्स, ब्याज और जुर्माना लगाया, साथ ही इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) को भी खारिज किया। कंपनी का कहना है कि यह आदेश कानून के खिलाफ है और इसे कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। इंडिगो को हाल ही में इनकम टैक्स विभाग ने 944.20 करोड़ का जुर्माना भी लगाया। यह 2021-22 असेसमेंट ईयर के लिए इनकम टैक्स एक्ट 270ए के तहत आया।

कंपनी ने इसे भी निराधार बताया। चेन्नई के संयुक्त आयुक्त ने अतिरिक्त 2.84 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया।

केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा नवंबर तक 9.76 लाख करोड़ पहुंचा

पिछले साल नवंबर में राजकोषीय घाटा 52.5 प्रतिशत पर था

नई दिल्ली

केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 2025-26 के नवंबर अंत तक 9.76 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो वार्षिक बजट लक्ष्य का 62.3 प्रतिशत है। पिछले साल इसी समय यह 52.5 प्रतिशत था। सरकार ने इस वर्ष राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4 प्रतिशत यानी 15.69 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान रखा था। नवंबर तक केंद्र की कुल आय 19.49 लाख करोड़ रुपए रही, जो बजट अनुमान का 55.7 प्रतिशत है।

इसमें से 13.94 लाख करोड़ रुपए कर राजस्व के रूप में, 5.16 लाख करोड़ रुपए गैर-कर राजस्व से और 38,927 करोड़ रुपए गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियों के रूप में आए। विशेषज्ञों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में कर राजस्व अनुमान से लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपए कम रह सकता है।

नवंबर तक केंद्र सरकार ने राज्यों को करों में हिस्सेदारी के रूप में 9.36 लाख करोड़ रुपए हस्तांतरित किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.24 लाख करोड़ रुपए अधिक है। यह दर्शाता है कि राज्यों को वित्तीय समर्थन देने में सरकार की प्राथमिकता जारी है।

केंद्र सरकार का कुल खर्च नवंबर तक 29.26 लाख करोड़ रुपए रहा, जो वार्षिक बजट का 57.8 प्रतिशत है। इसमें से 22.67 लाख करोड़ रुपए राजस्व मद में और 6.58 लाख करोड़ रुपए पूंजीगत मद में खर्च किए गए। राजस्व खर्च में सबसे बड़ा हिस्सा ब्याज भुगतान (7.45 लाख करोड़) और सब्सिडी (2.88 लाख करोड़) पर गया

जेएसडब्ल्यू एमजी की बिक्री 19 प्रतिशत बढ़कर 70,554 इकाई हुई

नई दिल्ली।

एक जनवरी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की` वित्तीय वर्ष 2025 में बिक्री सालाना आधार पर 19 बढ़कर 70,554 इकाई रही। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने बयान में कहा कि दिसंबर 2025 में उसकी थोक बिक्री 6500 इकाई रही जो इसके आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खंड में निरंतर मांग को दर्शाता है। कंपनी के अनुसार एमजी सेलेक्ट की थोक बिक्री मासिक आधार पर 38 प्रतिशत बढ़ी। वहीं इलेक्ट्रिक वाहनों की कुल बिक्री एक लाख इकाइयों का आंकड़ा पार कर गई।

किआ इंडिया की बिक्री दिसंबर में बढ़कर 18,659 इकाई पहुंची

नई दिल्ली । वाहन विनिर्माता कंपनी किआ इंडिया की दिसंबर में बिक्री दो गुना से अधिक होकर 18,659 इकाई रही। दिसंबर 2024 में यह 8,957 इकाई रही थी। किआ इंडिया ने बयान में कहा कि कैलेंडर वर्ष 2025 के लिए कुल थोक बिक्री 2,80,286 इकाई रही। यह कैलेंडर वर्ष 2024 की 2,45,000 इकाई से 15 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) ने कहा` कि 2025 किआ इंडिया के लिए निरंतर और टिकाऊ वृद्धि का वर्ष उन्होंने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के उपभोक्ता-अनुकूल ढांचे सहित अनुकूल व्यापक आर्थिक परिस्थितियों और सरकारी नीतियों के समर्थन से इन पहलों ने सकारात्मक उपभोक्ता भावना को मजबूत किया है। उन्होंने 2026 के परिदृश्य पर कहा` कि किआ इंडिया गतिशील बाजार परिवेश में स्थिर एवं टिकाऊ वृद्धि को गति देने के लिए अपने उत्पाद खंड में मूल्य-आधारित पेशकशों को शामिल करने और ब्रांड स्वामित्व अनुभव को मजबूत करने पर ध्यान दे रही है।

डेनमार्क ने 400 साल पुरानी डाक सेवा बंद की, डिजिटल युग की ओर कदम

डाक कंपनी घर-घर जाकर पत्र नहीं पहुंचाएगी, पार्सल डिलीवरी तथा डिजिटल सेवाओं पर ध्यान देगी

डेनमार्क

डेनमार्क ने अपनी सरकारी डाक सेवा को पूरी तरह बंद करने का ऐतिहासिक फैसला किया है। यह सेवा साल 1624 से चल रही थी और अब लगभग 400 साल बाद औपचारिक रूप से समाप्त हो चुकी है। डाक कंपनी पोस्टनार्ड ने घोषणा की है कि अब वह घर-घर जाकर पत्र नहीं पहुंचाएगी और केवल पार्सल डिलीवरी तथा डिजिटल सेवाओं पर ध्यान देगी। पिछले 25 वर्षों में कागजी पत्रों की संख्या में 90 प्रतिशत से अधिक कमी आई है। नागरिक अब संवाद के लिए ईमेल, डिजिटल मेलबॉक्स और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। कम पत्र और बढ़ते खर्च के कारण डाक सेवा कंपनी के लिए यह आर्थिक रूप से बोझ बन गई थी। डेनमार्क की सड़कों की पहचान बने ऐतिहासिक लाल मेलबॉक्स भी हटाए जा रहे हैं। दिसंबर में इन्हें चैरिटी के लिए बेचा गया, शुरुआती कीमत लगभग 1500-2000 डेनिश क्रोनर (करीब 18,000-24,000 रुपये) थी। लोगों ने इन्हें यादों और भावनाओं के चलते ऊंची कीमत पर खरीदा। डेनमार्क अकेला नहीं है। दुनिया के कई विकसित देशों में भी डाक वितरण में बदलाव हो रहे हैं और डिजिटल माध्यम तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यह बदलाव दर्शाता है कि पारंपरिक पत्रों का स्थान अब ईमेल और ऑनलाइन सेवाओं ने ले लिया है। डिजिटल क्रांति ने संवाद के पुराने माध्यम पत्र को धीरे-धीरे इतिहास बना दिया है। डेनमार्क का यह कदम दर्शाता है कि भविष्य में संवाद और डाक सेवाएं पूरी तरह डिजिटल हो सकती हैं। हालांकि, इसके साथ ऐतिहासिक प्रतीकों और भावनात्मक जुड़ाव का एक युग भी समाप्त हो गया है।

जीएसटी कलेक्टशन ने भर दिया सरकार का खजाना, दिसंबर में 6.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी, 1.74 लाख करोड़ के पार

सरकार ने जारी किए जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े

नई दिल्ली,

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से केंद्र सरकार की आय में लगातार मजबूती देखने को मिल रही है। सरकार ने गुरुवार, 1 जनवरी 2026 को दिसंबर 2025 के जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े जारी किए, जो उत्साहजनक रहे। साल के आखिरी महीने में जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 6.1 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 1.74 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है। दिसंबर 2024 में यह आंकड़ा करीब 1.64 लाख करोड़ रुपये था।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, बड़े पैमाने पर जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद राजस्व संग्रह में यह बढ़ोतरी दर्ज की गई है। दिसंबर 2025 में घरेलू लेन-देन से प्राप्त ग्रॉस रेवेन्यू 1.2 फीसदी बढ़कर 1.22 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। वहीं, आयातित वस्तुओं से मिलने वाला राजस्व तेजी से बढ़ा और इसमें 19.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे यह 51,977 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

इस दौरान जीएसटी रिफंड में भी उल्लेखनीय उछाल देखने को मिला। दिसंबर महीने में रिफंड की राशि 31 फीसद बढ़कर 28,980 करोड़ रुपये हो गई। रिफंड समायोजित करने के बाद नेट जीएसटी रेवेन्यू 1.45 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहा, जो पिछले साल की तुलना में 2.2 फीसदी अधिक है।

हालांकि, सेस कलेक्शन में गिरावट दर्ज की गई है। दिसंबर 2025 में सेस कलेक्शन घटकर 4,238 करोड़ रुपये रह गया, जबकि दिसंबर 2024 में यह 12,003 करोड़ रुपये था। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसका मुख्य कारण कंपन्सेशन सेस के दायरे में बदलाव है।

जीएसटी रेट कट का दिखा असर

रिपोर्ट के अनुसार, 22 सितंबर 2025 से सरकार ने करीब 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती की थी।

इस फैसले से रोजमर्रा के लगभग 99 फीसदी सामान सस्ते हुए, जिससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिली। हालांकि, दरों में कमी का असर राजस्व वृद्धि की रफ्तार पर पड़ा है।

अब कंपन्सेशन सेस केवल तंबाकू और उससे जुड़े उत्पादों पर ही लगाया जा रहा है, जबकि पहले यह लग्जरी और अन्य सिन प्रोडक्ट्स पर भी लागू था।

हिमाचल में राशन डिपुओं पर सरसों तेल के दाम घटे

शिमला । हिमाचल प्रदेश सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत सरसों तेल के दाम कम करने का फैसला किया है। जनवरी 2026 से यह नई कीमतें लागू होंगी। बीपीएल और एपीएल परिवारों के लिए सरसों तेल की कीमत घटकर 153 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी, जो पहले 160 रुपये थी। एपीएल टैक्सपेयर उपभोक्ताओं के लिए तेल की कीमत अब 161 रुपये प्रति लीटर होगी, जो पहले 168 रुपये थी। सरकार का उद्देश्य यह कदम आम जनता को महंगाई से राहत देने और दैनिक आवश्यक वस्तुओं को किफायती बनाने के लिए उठाया गया है। हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा सप्लाई ऑर्डर जारी होते ही सभी उचित मूल्य की दुकानों पर नई दरें लागू कर दी जाएंगी।

शेयर बाजार साल के पहले दिन सपाट बंद हुआ

सेंसेक्स 32 अंक गिरा, निफ्टी 16 अंक बढ़ा

मुम्बई

शेयर बाजार में गुरुवार को साल के पहले ही कारोबारी दिन मिला-जुला कारोबार हुआ । दुनिया भर से मिले कमतोर संकेतों के साथ ही आज दिन भर बाजार में उतार-चढ़ाव रहा और बाजार एक दायरे में ही सीमित रहा। सुबह हालांकि बाजार की तेज शुरुआत हुई थी पर कुछ समय बाद ही गायब हो गयी। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 32 अंकों की हल्की गिरावट के साथ ही 85,188.60 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 16.95 अंकों की बढ़त रही और यह 26146.55 के लेवल पर बंद हुआ है। आज अधिकतर शेयर बढ़त पर बंद हुए। सबसे ज्यादा खरीदारी महिंद्रा एंड महिंद्रा , एलएंडटी इंटरग्लोब एविएशन जैसे शेयरों में रही। वहीं दूसरी ओर आईटीसी, बजाज फाइनेंस , एशियन पेंट्स , बीएचईएल के शेयर नुकसान में रहे।

आज एनएसई पर मिड और स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन मिश्रित रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में आज 0.48 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.02 फीसदी तक गिरा। विदेशी निवेशकों गत दिवस करी 3,597 करोड़ के शेयर बेच दिए। इसके साथ ही उनकी बिकवाली का सिलसिला लगातार सातवें दिन भी जारी रहा। जिससे भी बाजार पर दबाव आया। इस साल की आज पहली वीकली डेरिवेटिव्स एक्सपायरी थी। इस कारण बाजार पर दबाव था। इससे पहले आज सुबह नए साल 2026 के पहले कारोबारी दिन बाजार की सकारात्मक शुरुआत रही। सुबह सेंसेक्स मामूली बढ़त के साथ 85,255 अंक पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी हल्की तेजी के साथ 26,173 अंक पर खुला और सुबह 26,174.45 के स्तर पर पहुंच गया। एशिया के अधिकांश प्रमुख शेयर बाजार नए साल के अवसर पर गुरुवार को बंद रहे। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट पर पिछले कारोबारी सत्र में दबाव देखने को मिला।

एसएंडपी 500 और नैस्डैक क्रमशः 0.74 फीसदी और 0.76 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि, गिरावट के बावजूद इन दोनों इंडेक्स ने लगातार तीसरे साल दोहरे अंकों की वार्षिक बढ़त दर्ज की, जो 2021 के बाद उनकी सबसे लंबी तेजी की श्रृंखला है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को साल के पहले ही दिन रुपया एक पैसे की गिरावट के साथ ही 89.99 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया नए साल 2026 की शुरुआत में दबाव में नजर आया। सुबह रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे टूटकर 89.99 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 89.94 पर खुला पर जल्द ही कमजोरी बढ़ते हुए 89.99 तक फिसल गया। बुधवार को 2025 के अंतिम कारोबारी सत्र में रुपया 89.88 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी रुपये पर दबाव बना रही है, जिससे नए साल की शुरुआत नकारात्मक रही। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी की बढ़त के साथ 98.32 पर कारोबार करता दिखा, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं पर अतिरिक्त दबाव का संकेत देता है।

स्कोडा ऑटो इंडिया की 2025 में बिक्री बढ़कर 72,665 इकाई पहुंची

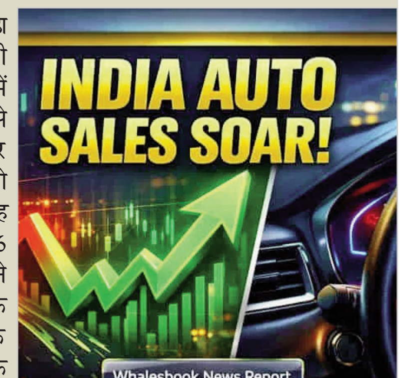

नई दिल्ली । स्कोडा ऑटो इंडिया की कैलेंडर वर्ष 2025 में कुल बिक्री दोगुना से अधिक होकर 72,665 इकाई हो गई। 2024 में यह आंकड़ा 35,166 इकाई था। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि यह भारत में उसके 25 वर्ष के सफर के दौरान अब तक का सबसे मजबूत बिक्री प्रदर्शन है। स्कोडा ऑटो इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस उपलब्धि पर कहा कि 2025 में भारत में ब्रांड का 25 वर्ष पूरे हो गए। कंपनी के पास अब तक का सबसे उन्नत एवं विविध उत्पाद खंड है, साथ ही नेटवर्क और बाजार मौजूदगी के लिहाज से भी यह अपने सबसे व्यापक स्तर पर है। उन्होंने कहा` कि 2026 में प्रवेश करने के साथ हम इस गति को आगे बढ़ाने के लिए नए वाहन पेश करेंगे, अधिक सशक्त बिक्री, ग्राहकों के और करीब पहुंचने आदि पर ध्यान देंगे।

विकास के नाम पर जंगलों की सुनियोजित हत्या!

सोनम लववंशी

भारत जैसे देश में यह अपराध और अधिक गंभीर है, जहाँ जंगल केवल पर्यावरणीय इकाई नहीं, सांस्कृतिक स्मृति, जीवन पद्धति और सामाजिक संतुलन का आधार रहे हैं। इसके बाद भी बीते चार वर्षों में देशभर में 78,000 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि को गैर-वनीय उपयोग के लिए स्वीकृति दी गई। यह आँकड़ा अपने आप में एक आरोप-पत्र है।

अखबारों की सुर्ख़ियाँ जब किसी शहर पर बंदरों के 'आतंक' की बात करती हैं या किसी गाँव को हाथियों और भालुओं की दहशत में दिखाती हैं, तब समाज सहज रूप से एक निष्कर्ष पर पहुँच जाता है, कि वन्यजीव समस्या हैं। यह निष्कर्ष सुविधाजनक है, भावनात्मक भी और सत्ता-तंत्र के लिए उपयोगी भी। इसी सुविधा के बीच कहीं अधिक भयावह सच अदृश्य बना रहता है और वह है जंगलों पर संगठित, सुनियोजित और वैध ठहराया गया वह आतंक, जो उद्योग, परियोजना और निवेश के नाम पर फैलाया जा रहा है। यह आतंक शोर नहीं करता, खून नहीं दिखाता, फिर भी इसका प्रभाव पीढ़ियों तक महसूस किया जाएगा। दरअसल ग्लोबल वॉर्मिंग आज केवल वैज्ञानिक शब्द नहीं रह गया है। यह हर सूखते जलस्रोत, हर बढ़ती लू, हर अनियमित बारिश और हर जहरीली हवा में दर्ज हो चुका है। पृथ्वी का तापमान लगातार ऊपर जा रहा है और इस बढ़ोतरी के पीछे सबसे बड़ा कारण वही है, जिसे हम विकास का उत्सव कहकर नजरअंदाज करते आए हैं। जंगलों का विनाश इस पूरी प्रक्रिया की धुरी है। जब वृक्ष कटते हैं, तब केवल लकड़ी नहीं हटती, बल्कि कार्बन को रोकने वाली प्राकृतिक ढाल भी खत्म होती है। धरती की त्वचा नंगी होती जाती है और सूरज की तपिश सीधे उसके भीतर उतरने लगती है।

भारत जैसे देश में यह अपराध और अधिक गंभीर है, जहाँ जंगल केवल पर्यावरणीय इकाई नहीं, सांस्कृतिक स्मृति, जीवन पद्धति और सामाजिक संतुलन का आधार रहे हैं। इसके बाद भी बीते चार वर्षों में देशभर में 78,000 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि को गैर-वनीय उपयोग के लिए स्वीकृति दी गई। यह आँकड़ा अपने आप में एक आरोप-पत्र है। मध्य प्रदेश में 17,393 हेक्टेयर, ओडिशा में 11,033 हेक्टेयर, अरुणाचल प्रदेश में 6,561 हेक्टेयर, उत्तर प्रदेश में 5,480 हेक्टेयर और छत्तीसगढ़ में 4,092 हेक्टेयर वन क्षेत्र विकास परियोजनाओं के हवाले किया गया। इन संख्याओं के पीछे उजड़े जंगल, विस्थापित आदिवासी, सूखती नदियाँ और टूटता जैव-विविधता का ताना-बाना छिपा है और इसी बीच अरावली पहाड़ी को लेकर गढ़ी गई नई परिभाषा इस पूरे श्रृंखला के अधिकतर हिस्से के विनाश का प्रतीक बन सकती है। गौर करने वाली बात है कि यह पहाड़ियाँ उत्तर भारत के लिए प्राकृतिक सुरक्षा कवच रही हैं। रेगिस्तान के फैलाव को रोकना, भूजल को संजोना, प्रदूषण को थामना, ये सभी जिम्मेदारियाँ अरावली सदियों से निभाती आई हैं। खनन, रियल एस्टेट और तथाकथित विकास के नाम पर इन्हें खोखला किया जा रहा है। अरावली को नुकसान पहुँचाने का अर्थ दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के भविष्य को दाँव पर लगाना है। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि नीति-निर्माण की संवेदनहीनता का प्रमाण है। इसके अलावा वनों को अक्सर पेड़ों की गिनती में समेट दिया जाता है। यह दृष्टि खतरनाक है। जंगल एक जीवित व्यवस्था हैं, जहाँ मिट्टी, पानी, हवा, कीट, पक्षी, जानवर और मनुष्य एक-दूसरे पर निर्भर रहते हैं।

एक पेड़ कटता है तो उसके साथ सैकड़ों जीवन-श्रृंखलाएँ टूटती हैं। पक्षियों के घोंसले उजड़ते हैं, मिट्टी की पकड़ कमजोर होती है, वर्षा का चक्र असंतुलित होता है। यही असंतुलन धीरे-धीरे बाढ़, सूखा और हीटवेव का रूप ले लेता है। वृक्षारोपण के अभियानों को समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। कैमरों के सामने पौधे लगाए जाते हैं, आँकड़े जारी होते हैं, तस्वीरें वायरल होती हैं। एक पेड़ माँ के नाम जैसे अभियान भावनाओं को छूते हैं, लेकिन वास्तविकता कहीं अधिक कठोर है। जब एक ओर प्रतीकात्मक पौधारोपण होता है, दूसरी ओर लाखों पेड़ परियोजनाओं की भेंट चढ़ते हैं। यह संतुलन नहीं, एक छल है। पौधा लगाना तब सार्थक होता है, जब वह जीवित रहकर जंगल बने। संरक्षण के बिना रोपण केवल आत्मसंतोष की कवायद बनकर रह जाता है। विकास की मौजूदा परिभाषा सबसे बड़ा संकट है। सड़क, फैक्ट्री और मॉल को प्रगति का पैमाना मान लिया गया है। हवा, पानी और हरियाली को विकास की राह में बाधा समझा जाने लगा है। दिल्ली इसका सबसे भयावह उदाहरण है, जहाँ सांस लेना स्वास्थ्य जोखिम बन चुका है। तापमान हर साल नए रिकॉर्ड तोड़ता है, जल संकट स्थायी सच्चाई बन चुका है। यह स्थिति किसी प्राकृतिक दुर्घटना का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों की नीतिगत लापरवाही का नतीजा है।

ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि जंगलों का विनाश केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, यह सामाजिक और नैतिक प्रश्न भी है। जंगल कटते हैं तो सबसे पहले हाशिए पर खड़े समुदाय उजड़ते हैं। आदिवासी अपनी जमीन, संस्कृति और पहचान से वंचित होते हैं। विकास का लाभ कुछ गिने-चुने हाथों में सिमटता है और उसकी कीमत समाज का बड़ा हिस्सा चुकाता है। यह असमानता भविष्य के सामाजिक संघर्षों की जमीन तैयार करती है। समाधान की दिशा स्पष्ट है। विकास परियोजनाओं की स्वीकृति में वास्तविक पर्यावरणीय मूल्यांकन होना चाहिए। स्थानीय समुदायों की सहमति केवल कागजी औपचारिकता न बने। हर कटे पेड़ के बदले केवल पौधा नहीं, पूरा पारिस्थितिक तंत्र पुनर्स्थापित किया जाए। उद्योगों की जवाबदेही तय हो और पर्यावरण कानूनों को कमजोर करने की प्रवृत्ति पर रोक लगे। विकास और प्रकृति के बीच टकराव का विचार ही गलत है। दीर्घकालिक सोच के साथ दोनों का सहअस्तित्व संभव है। आज आवश्यकता है सजग नागरिक चेतना की। उस समाज की, जो अखबार की सुर्ख़ियों से आगे देखकर असली खतरे को पहचान सके। बंदरों, हाथियों और भालुओं से डरना आसान है। उस आतंक का सामना करना कठिन है, जो फाइलों में छिपा रहता है और विकास का मुखौटा पहनकर जंगलों को निगलता है। जंगलों की खामोशी दरअसल एक चेतावनी है। यह खामोशी चीख बनकर उभरने से पहले सुनी जानी चाहिए। यदि आज दिशा नहीं बदली गई, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें उस समय के रूप में याद रखेंगी, जब मनुष्य ने अपने ही घर की नींव काट दी। ऐसे में उपर्युक्त तथ्य और बातें केवल सूचना नहीं, एक आग्रह है सजग होने का, सचेत होने का और उस विकास को रोकने का, जो जीवन के विरुद्ध खड़ा दिखाई देता है। (स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

गिग वर्कर्स की हड़ताल

नए साल की पूर्व संध्या पर देश में एक ऐसा वाकया हुआ, जिसकी कल्पना सुविधाभोगी संपन्न तबके ने नहीं की थी। 31 दिसंबर को देश भर के डिलीवरी करने वाले गिग वर्कर्स हड़ताल पर उतर आए। इसका मतलब यह हुआ कि स्विगी, जोमैटो, जेप्टो, ब्लिंकिट, अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों से जुड़े हजारों डिलीवरी पार्टनर्स ने बुधवार को ऐप बंद करके काम रोका, जबकि यह दिन उनके लिए काम के लिहाज से सबसे व्यस्ततम दिनों में से एक होता है। कुछ साल पहले तक पड़ोस के परचून की दुकान वाला घर पहुंच सेवा दिया करता था। हालांकि उसमें कोई समयसीमा नहीं होती थी, फिर भी बुजुर्गों, अकेले रहने वालों या अन्य तरह से जरूरतमंदों के लिए यह बड़ी सुविधा होती थी। इसी चलन को मोबाइल ऐप्स पर आधारित कर एक नए किस्म का व्यवसाय खड़ा कर दिया गया। घर बैठे 10 मिनट में सारी चीजें मिलने लगीं, मानो कोई चिराग का जिन्न हो, जो आदेश देते ही उसे पूरा कर दे। पलक झपकते ही इच्छा पूरी होने वाली बात मुहावरे तक सीमित नहीं रही, उसे गिग वर्कर्स ने सच कर दिखाया। हालांकि इसमें उनके लिए जो खतरे बढ़े, उसे पहचानते हुए भी दूर करने की पहल नहीं की गई। इसलिए अब उन्हें हड़ताल पर उतरना पड़ा है।

यह हड़ताल तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन यानी टीजीपीडब्ल्यूयू और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यानी आईएफएटी के बैनर तले की गई। आईएफएटी ने केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को लिखे एक खत में 10 मिनट की असुरक्षित डिलीवरी व्यवस्था पर रोक लगाने, सही मजदूरी देने, हाल ही में लागू नए श्रम कानूनों के तहत कंपनियों को नियमों में लाने और यूनियन बनाने तथा मोल-भाव करने के अधिकार को मान्यता देने की मांग की है। टीजीपीडब्ल्यूयू के नेता शेख सलाउद्दीन का कहना है कि प्लेटफॉर्म कंपनियां '10 मिनट डिलीवरी' का विकल्प पूरी तरह हटा दें, क्योंकि इससे कर्मचारियों पर बहुत दबाव पड़ता है और दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। इसके साथ ही, पुरानी भुगतान व्यवस्था बहाल की जाए, जिसमें त्योहारों जैसे दशहरा, दीवाली और बकरीद पर अच्छा वेतन और भत्ता मिलता था।

गौरतलब है कि इस साल की शुरूआत में सरकार ने सोशल सिक्योरिटी कोड को लागू किया, जिससे गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को पहली बार एक औपचारिक सुरक्षा व्यवस्था के दायरे में लाया गया। इससे इन कर्मचारियों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस पर रजिस्ट्रेशन हो सकेगा और वे स्वास्थ्य, विकलांगता, दुर्घटना बीमा और बुढ़ापे की सहायता जैसी योजनाओं का फायदा उठा सकेंगे। इसका मकसद लाखों कर्मचारियों को उनकी गैर-परंपरागत नौकरी के बावजूद बुनियादी सुरक्षा देना है। सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 के तहत, पहली बार 'गिग वर्कर्स', 'प्लेटफॉर्म वर्कर्स' और 'एग्रीगेटर्स' कंपनियों की परिभाषा दी गई है। इस कोड में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए एक सोशल सिक्योरिटी फंड बनाने की योजना है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारें, कंपनियों की सामाजिक जिम्मेदारी की राशि, जुमार्ने आदि से पैसा आएगा।

चिंतन-मनन

मृत्यु की चिंता और चिंतन का महत्व

एक महात्मा अपने शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे और उन्हें योगाभ्यास सिखाते थे। वह सत्संग भी करते थे। एक शिष्य चंचल बुद्धि का था। बार-बार गुरु से कहता, आप कहां जंगल में पड़े हैं, चलिए एक बार नगर की सैर करके आते हैं। महात्मा ने कहा, मुझे तो अपनी साधना से अवकाश नहीं है। तुम चले जाओ। शिष्य अकेला ही नगर चला गया। नगर में बाजार की शोभा देखी। मन अति प्रसन्न हुआ। इतने में एक भवन की छत पर निगाह पड़ी। देखा कि एक परम सुंदरी छत पर कपड़े सुखा रही है। बस वह कामदेव के बाण से आहत हो गया। जब शिष्य आश्रम लौटा तो चेले का चेहरा देखकर महात्मा जान गए कि यह बच्चा काम वासना शिकार हो गया है। पूछने पर चेले ने उत्तर दिया - गुरुदेव! हृदय में असहनीय पीड़ा हो रही है। महात्मा बोले, क्या नजर का कांटा हृदय में गड़ गया? चेले ने सारा वृत्तांत कह सुनाया। चेले से गुरुजी ने उस स्त्री का पता पूछा तो पता चला कि वह नगर के एक सेठ की पत्नी है। महात्मा ने एक पत्र के जरिए सेठ को अपनी पत्नी को लेकर आश्रम में एक रात के लिए आने के लिए कहा। सेठ आया तो उसे अलग बैठाकर महात्मा स्त्री को लेकर शिष्य के पास गए और कहा, यह स्त्री रात भर तेरे पास रहेगी, पर ध्यान रखना कि सूर्य निकलते ही तेरा देहांत हो जाएगा। उस स्त्री को सारी बात बता कर आश्वासन दिया कि तुम्हारे धर्म पर कोई आंच नहीं आएगी। इधर चेला रात भर कांपता रहा। सारी वासना काफूर हो गई। सुबह गुरुजी ने पूछा, तेरी इच्छा पूरी हुई? शिष्य ने आपबीती सुना दी। स्त्री को सम्मानपूर्वक सेठ के साथ रवाना कर महाराजजी ने शिष्य से कहा, मृत्यु की चिंता और चिंतन सदा करते रहना चाहिए। यही तुझे बचाएगी।

इजराइल और अमेरिका की दादागिरी को दुनिया के देशों की चुनौती

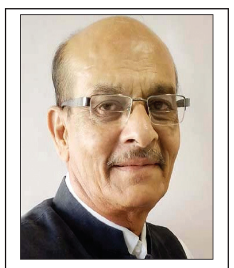

सनत जैन

वैश्विक व्यापार में स्वदेशी करंसी का महत्व बढ़ा...

वर्ष 2026 वैश्विक व्यापार को लेकर एक नई आधार शिला रखने की ओर आगे बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक राजनीति एवं अर्थव्यवस्था में बड़े बदलाव दिखाई दे रहे हैं। दुनिया के सैकड़ों मुल्क वैश्विक लेन-देन में डॉलर की एक ध्रुवीय व्यवस्था से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका और इजराइल लंबे समय से सैन्य ताकत, आर्थिक प्रतिबंधों और राजनीतिक दबाव के जरिए अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अपने हितों के अनुसार संचालित कर एक अलग तरीके का दबाव बनाकर आतंक पैदा कर रहे थे। अमेरिका के साथ नाटो के देश भी इसमें शामिल हो जाते थे। अब यही रणनीति उनके लिए चुनौती बनती जा रही है। कई देश इस ह्लदादागिरीह्व के खिलाफ खुलकर खड़े होकर वैकल्पिक लेन-देन की व्यवस्था करने लगे हैं। जिसका असर अमेरिका के ऊपर स्पष्ट रूप से पड़ता हुआ दिख रहा है। डॉलर एवं यूरो मुद्रा का लेन-देन दिन-प्रतिदिन कम होता चला जा रहा है। मुद्रा का उपयोग अमेरिका और यूरोपीय समुदाय ने प्रतिबंध के लिए करना शुरू कर दिया था। यूक्रेन युद्ध और गाजा संघर्ष ने अमेरिका और इजराइल की दोहरी नीति को दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है। एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की बातें की जाती हैं। वहीं दूसरी ओर अपनी सुविधा के अनुसार प्रतिबंध, एसेट फ्रीज और सैन्य हस्तक्षेप कर कई देशों के ऊपर दबाव बनाने की कोशिश की गई है। रूस के सेंट्रल बैंक के अरबों डॉलर के एसेट्स को फ्रीज करना इसी नीति का सबसे बड़ा उदाहरण है। अमेरिका और यूरोप के देशों की इस कार्रवाई से न सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर सवाल खड़े हुए, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह भी दिखा दिया गया, कि पश्चिमी वित्तीय व्यवस्था पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता किसी भी देश के लिए खतरे में डाल सकती है। इसी दादागिरी के कारण वैश्विक व्यापार में लोकल करंसी के उपयोग का महत्व तेजी से बढ़ा है। ब्रिक्स देशों के बीच आपसी व्यापार अब डॉलर के बजाय स्थानीय मुद्राओं में बढ़ता चला जा रहा है। रूस-चीन के व्यापार का बड़ा हिस्सा रूबल और युआन में हो रहा है। वहीं पश्चिम एशिया में ऊर्जा व्यापार के लिए भी डॉलर के विकल्प की तलाश हो रही हैं। यह बदलाव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। इससे अमेरिकी और यूरोपीय देशों के प्रतिबंध के असर और जोखिम को सीमित करने की कोशिश लगभग 40 देशों में शुरू हो गई है। विभिन्न देश अपनी करंसी में व्यापार को महत्व देने लगे हैं। इसका एक बड़ा लाभ यह है, विकासशील देशों पर डॉलर का दबाव कम होता जा रहा है। मुद्रा की अस्थिरता का जोखिम भी कम हो रहा है। इस नई व्यवस्था से विभिन्न देशों को अपने विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाने और सोने जैसी सुरक्षित संपत्तियों पर भरोसा बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वैकल्पिक भुगतान प्रणालियो में चीन का सीआईपीएस रूस का, एसपीएफएस और भारत का यूपीआई का प्रभाव तेजी के साथ वैश्विक व्यापार में बढ़ रहा है। जो अर्थव्यवस्था के बड़े बदलाव का संकेत है।

इजराइल-हमास युद्ध के दौरान अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र में बार-बार वीटो का इस्तेमाल करने से वैश्विक असंतोष और विभिन्न देशों के बीच में असुरक्षा की भावना को बढ़ा दिया है। जिसके कारण डॉलर के स्थान पर मिश्रित मुद्राओं में वैश्विक व्यापार की नई शुरूआत हो गई है। ग्लोबल साउथ के देशों में यह धारणा बन चुकी है, कि अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं निष्पक्ष तरीके से अपना काम नहीं कर रहीं हैं। यही कारण है कि अब कई देश पश्चिमी दबदबे को चुनौती देने के लिए आर्थिक सहयोग और वैश्विक लेन-देन में मिश्रित मुद्राओं के जरिए लेन-देन करने की ओर बढ़ रहे हैं। कुल मिलाकर अमेरिका, यूरोपीय देश और इजराइल की आक्रामक नीतियों ने अनजाने में ही सही एक नई वैश्विक सोच को जन्म दे दिया है। लोकल करंसी में व्यापार का बढ़ता चलन यह दशार्ता है। दुनिया धीरे-धीरे एक अधिक संतुलित और बहुध्रुवीय आर्थिक व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। यह बदलाव कितना प्रभावी होगा, यह आने वाला समय तय करेगा। इस परिवर्तन का स्पष्ट संकेत है। वैश्विक व्यापार में डॉलर की पुरानी व्यवस्था अब पहले जैसी मजबूत नहीं रही। दिन प्रतिदिन डॉलर को विभिन्न देशों से चुनौती मिल रही है। अमेरिका की साहूकारी में यह सबसे बड़ा झटका है। डॉलर मुद्रा के रूप में वैश्विक व्यापार होने से अमेरिका को बड़ी कमाई होती थी। अमेरिका की दादागिरी दुनिया के सभी देशों में देखने को मिलती थी, लेकिन जब से रूस और चीन जैसे देशो से चुनौती मिलना शुरू हुई है। विशेष रूप से जब रूस जैसी महाशक्ति की मुद्रा को अमेरिका और यूरोपीय देशों ने अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बता रूस की संपत्ति और मुद्रा को सीज कर प्रतिबंध लगाया, तो उसका भय सारी दुनिया के देशों में फैला। रही सही कसर इजराइल और फिलिस्तीन में गाजा युद्ध के दौरान जो दादागिरी अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सामने अमेरिका और इजराइल की रही उसने एक नई सोच को जन्म दे दिया है। आज विभिन्न देश आपस में यह तय करने में लगे हैं कि भुगतान किस-किस मुद्रा में कितने प्रतिशत में किया जाएगा। यूपीआई आ जाने के कारण अब वैश्विक व्यापार में लेन-देन यूपीआई के जरिए तुरंत होने लगा है जिसके कारण डॉलर मुद्रा को सारे विश्व से चुनौती मिलना शुरू हो गई है। सभी दुनिया के देशों ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर का भंडारण कम करके उसके स्थान पर सोने का भंडारण करना शुरू कर दिया है। जिन देशों के साथ उनके कारोबारी रिश्ते हैं। वह अपनी जरूरत के अनुसार विभिन्न मुद्राओं में भुगतान करके डॉलर से बच रहे हैं। इससे अमेरिका को दोहरा नुकसान हो रहा है। डॉलर में भुगतान होने के कारण अमेरिका की अर्थव्यवस्था को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जो लाभ हो रहा था। वह धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। विभिन्न देशों के सेंट्रल बैंक में विदेशी मुद्रा में डॉलर को प्राथमिकता मिलने से डॉलर मजबूत होता था। अब डॉलर के स्थान पर सभी देशों के सेंट्रल बैंक सोने को मुद्रा के विकल्प के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, जिसके कारण अमेरिका को सारी दुनिया के देशों से एक अलग आर्थिक चुनौती मिलना शुरू हो गई है। अमेरिका का प्रभाव कम हो रहा है। यदि यही स्थिति आगे भी देखने को मिलती रही, तो अमेरिका की दादागिरी जल्द ही खत्म होने वाली है। जिस तरह से सोवियत रूस के हाल हुए थे, वही स्थितियां अब अमेरिका में बनने लगी हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उत्तेजना में जिस तरह के निर्णय कर रहे हैं, उसके कारण वैश्विक स्तर पर अमेरिका की साख दिन प्रतिदिन कम होती चली जा रही है। वहीं अमेरिका के लिए आर्थिक चुनौतियां भी बढ़ती चली जा रही हैं।

देश को कहाँ ले जायेंगे ये नफरती संस्कार?

निर्मल रानी

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में गत 9 दिसंबर को कुछ स्थानीय युवकों द्वारा अगरतला (त्रिपुरा) के निवासी 24 वर्षीय अंजेल चकमा नामक एक छात्र पर जानलेवा हमला किया गया। हमले के बाद 17 दिनों तक अस्पताल में इलाजरत रहने के बाद गत 26 दिसंबर को आखिरकार उसकी मृत्यु हो गई। चकमा, देहरादून स्थित एक निजी विश्वविद्यालय में एमबीए अंतिम वर्ष के छात्र थे। खबरों के अनुसार देहरादून में अंजेल चकमा की मौत एक कथित नस्लीय हमले के कारण हुई। बताया जाता है कि 9 दिसंबर को जब अंजेल और उनके 21 वर्षीय छोटे भाई माइकल चकमा पास के सेलाकुई इलाके में किराने का सामान खरीदने गए थे उसी समय उनके चेहरों को देखकर हमलावरों ने उन्हें नस्ली गालियां दीं। बताया जाता है कि घटनास्थल पर करीब छह लोगों का एक समूह, जो पास में ही पहले से किसी के जन्मदिन का जश्न मना रहा था, ने उन्हें रोक लिया। हमलावरों ने उनपर नस्ली टिप्पणियां करते हुये उनपर चिंकी, चीनी और मोमो जैसी टिप्पणी की। जबकि एक आरोपी ने कहा कि ओये चीनी, क्या सूअर का मांस खरीदने आए हो? माइकल ने इसका विरोध किया, तो एक आरोपी ने उन्हें ब्रेसलेट से सिर पर मारा। अंजेल ने अपने भाई की रक्षा करने की कोशिश की और शांतिपूर्वक कहा, हम चीनी नहीं हैं... हम भारतीय हैं। क्या प्रमाण-पत्र दिखाएं कि हम भारतीय हैं? लेकिन नफरती संस्कारों में डूबे गुंडों के इस समूह ने हिंसक रूप से उनपर हमला कर दिया। यज्ञ अवस्थी नामक मुख्य आरोपी ने अंजेल की गर्दन और पीठ पर तेज हथियार से वार किया, जिससे वे गिर पड़े। माइकल भी घायल हुए, लेकिन उन्होंने अंजेल को पास के अस्पताल पहुंचाया। अंजेल की हालत गंभीर थी–उनकी गर्दन और स्पाइन में गहरी चोटें थीं–आखिरकार वे कभी पूर्ण चेतना में वापस नहीं आए और नफरत के सौदागरों ने एक होनहार भारतीय छात्र की हत्या कर उसके परिवार को अंधकार में धकेल दिया। निश्चित रूप से इस घटना ने उत्तर-पूर्वी राज्यों के छात्रों के खिलाफ उपजी नस्लवाद की समस्या को फिर से उजागर कर दिया है। इस घटना को लेकर त्रिपुरा सहित देश के विभिन्न राज्यों व शहरों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं।

हालाँकि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य के विकास को लेकर तरह तरह की बातें करते रहते हैं, परन्तु हक ीकत यही है कि गत कुछ वर्षों में इसी दे० भूमि में सत्ता संरक्षित धर्म जाति आधारित नफरती घटनाओं में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। उदाहरण के तौर पर अक्टूबर 2023 में उत्तराखंड के पुरोला कस्बे में एक 14 वर्षीय लड़की के अपहरण के बाद लव जिहाद का आरोप लगाकर हिंदू-मुस्लिम दंगे भड़काये गये। मुस्लिम मकानों व दुकानों पर लक्षित हमले किये गये, कई परिवार शहर छोड़कर भागने को मजबूर हुये। इसी तरह हल्द्वानी में 2024 की बनभूलपुरा में अवैध मदरसे और मस्जिद के विध्वंस पर पथराव, आगजनी और पेट्रोल बम फेंके जाने की घटना सबसे प्रमुख रही, जहां 6 लोगों की मौतें हुईं। 2025 में भी कश्मीरपुर और हल्द्वानी में साम्प्रदायिक तनाव देखा गया। राज्य में दलितों के विरुद्ध भी अनेक घटनायें होती रहती हैं। परन्तु समाज में धर्म जाति व क्षेत्र के नाम पर बढ़ती नफरतों के बीच इस राज्य को दे० भूमि के रूप में भी प्रचारित किया जाता है।

सवाल यह है कि उत्तराखंड जैसे शांतिप्रिय राज्य सहित देश के अन्य विभिन्न राज्यों में इस तरह के नफरत व हिंसा पैदा करने वाले हालात क्या अचानक पैदा हुए हैं या सत्ता के संरक्षण में इन नफरती संस्कारों को पोषित किया जा रहा है? उत्तराखंड की घटना के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा दिये गये बयान से यह काफी कुछ स्पष्ट हो जाता है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुये कहा कि पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ ऐसी घटनाएं अलग-थलग नहीं हैं और समाज को भेदभाव रोकने के लिए एकजुट होना चाहिए। हम लोगों को इसके खिलाफ आवाज उठानी होगी। हमें मिलकर भेदभाव को रोकना होगा। भारत के किसी भी हिस्से के लोगों को हर जगह सुरक्षित महसूस करना चाहिए। उनकी मृत्यु बेहद दुखद है। किरेन रिजिजू ने यह भी कहा कि देहरादून में एंजेल चकमा और उनके भाई माइकल के साथ जो हुआ, वह एक भयावह घृणा अपराध है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि ऐसी नफरत रातों रात पैदा नहीं होती। वर्षों से इसे रोजाना, खासकर हमारे युवाओं को, जहरीली सामग्री और गैर - जिम्मेदाराना खबरों के माध्यम से बढ़ावा दिया जा रहा है। किसी का भी मजाक नहीं उड़ाया जाना चाहिए। कोई भी घटना देश के लिए दुखद घटना होती है। अगर देश में ऐसी कोई भी घटना होती है तो पूरे समाज को मिलकर उसके खिलाफ लड़ना चाहिए। वहीं, राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे पर अपनी टिप्पणी में कहा कि हम प्रेम और विविधता का देश हैं। हमें ऐसा समाज नहीं बनना चाहिए जो साथी भारतीयों को निशाना बनाए जाने पर अनदेखी करे। हमें यह सोचने और सामना करने की जरूरत है कि हम अपने देश को क्या बनने दे रहे हैं?

अफसोस की बात तो यह कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा उत्तराखंड की घटना के बाद व्यक्त किये गये विचार उस समय सामने आये जब उनके अपने पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की नस्लवादी नफरती लोगों द्वारा हत्या कर दी गयी ? जबकि लगभग एक दशक से देश में जगह जगह अल्पसंख्यकों,दलितों व पिछड़े वर्ग के लोगों को निशाना बनाया जाता रहा है। लिंचिंग की घटनायें घटित हो रही हैं। जगह जगह उन्मादी भीड़ पुलिस की शह पर वर्ग विशेष के लोगों को निशाना बनाती रही है। जगह जगह उकसाऊ भाषण हो रहे हैं। कहीं हथियार बांटे जा रहे हैं। तो कहीं संवैधानिक पदों पर बैठे लोग स्वयं अपने जहरीले बोलों से समाज में हिंसा व नफरत बढ़ा रहे हैं। निःसंदेह गोदी मीडिया भी इस नफरती वातावरण को और भी जहरीला बना रहा है। ऐसे में रिजिजू की चिंताओं के अनुसार भारत के किसी भी हिस्से के लोगों का स्वयं को हर जगह सुरक्षित महसूस करना कहां संभव हो पा रहा है? इस समय देश के समक्ष सबसे बड़ी चिंता इस बात की है कि आखिर देश को कहाँ ले जायेंगे ये नफरती संस्कार?

संक्षिप्त समाचार

संयुक्त राष्ट्र ने हिंदी-उर्दू में भी दिया नव वर्ष संदेश

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरस ने पहली बार 2026 के लिए अपना नववर्ष संदेश हिंदी सहित अन्य भाषाओं में जारी किया है। उन्होंने अपने संदेश में विश्व नेताओं से विनाश (युद्ध) के बजाय आज विकास में निवेश करने का आह्वान किया। गुटेरस का नववर्ष संदेश 11 भाषाओं में जारी किया गया है। इनमें यूएन की छह आधिकारिक भाषाएं अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी व स्पेनिश के साथ-साथ हिंदी और उर्दू भी शामिल हैं। इस मौके पर उनके वीडियो संदेश में हिंदी सबटाइटल भी दिए हैं। गुटेरस ने संदेश में 2026 के लिए कहा, दुनिया में मानवीय संकट को रोकना जरूरी है। बिना इसे रोके नव वर्ष में प्रवेश करना मनुष्य जाति के लिए खतरनाक होगा। युद्ध रोकने होंगे।

पुतिन ने राष्ट्रपति मुर्मू व पीएम मोदी को दी नव वर्ष की बधाई

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी को नव वर्ष की बधाई और शुभकामनाएं दीं। क्रेमलिन ने मंगलवार को बताया कि पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई वैश्विक नेताओं को क्रिसमस और आगामी नव वर्ष 2026 के लिए बधाई दीं। पुतिन ने चीन और स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रमंडल (सीआईएस) देशों के नेताओं को भी शुभकामनाएं दीं, लेकिन यूक्रेन में मोर्चा खोले यूरोपीय देशों को नजरअंदाज किया।

गिनी में सैन्य नेता ममादी डूम्बूया चुनाव जीते, अस्थायी नतीजे घोषित

कॉनाक्री, एजेंसी। गिनी में हुए राष्ट्रपति चुनाव के अस्थायी नतीजों में सैन्य शासन के प्रमुख जनरल ममादी डूम्बूया को विजेता घोषित किया गया है। चुनाव आयोग के अनुसार, डूम्बूया को अब तक गिने गए वोटों में से 86.72 फीसदी समर्थन मिला है। यह चुनाव 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद देश का पहला आम चुनाव था। विश्लेषकों का कहना है कि कमजोर विपक्ष और सख्त सरकारी नियंत्रण के कारण डूम्बूया की जीत पहले से तय मानी जा रही थी। आलोचकों का आरोप है कि सत्ता में आने के बाद उन्होंने विपक्ष और असहमति की आवाजों को दबाया।

पूर्व अमेरिकी सीनेटर बेन नाइटहॉर्स कैंपबेल का 92 वर्ष की उम्र में निधन

डेनवर, एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो राज्य से पूर्व सीनेटर और सांसद बेन नाइटहॉर्स कैंपबेल का मंगलवार को 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके परिवार ने बताया कि उनका निधन प्राकृतिक कारणों से हुआ। कैंपबेल मूल रूप से नॉर्दर्न शायेन जनजाति से थे और अमेरिकी संसद में मूल अमेरिकी समुदायों के अधिकारों के लिए मुखर आवाज माने जाते थे। वे अपने अलग अंदाज काउबॉय बूट, बोलो टाई और लंबी चोटी के लिए भी जाने जाते थे। उन्होंने प्रतिनिधि सभा में तीन और सीनेट में दो कार्यकाल पूरे किए।

नेपाल में पीली नंबर प्लेट वाली भारतीय टैक्सियों पर प्रतिबंध

काठमांडू, एजेंसी। कैलाली जिला प्रशासन ने भारतीय नंबर की पीली नंबर प्लेट वाली टैक्सियों के नेपाल में प्रवेश और सवारी ढोने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके बाद गौरीफंटा में भारत-नेपाल सीमा पर अफरा-तफरी रही। दिल्ली व अन्य महानगरों से सवारियां लेकर पहुंचे दर्जनों चालक बॉर्डर पर ही रोक दिए गए जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। शिकायत थी कि भारतीय नंबर की टैक्सियां अवैध रूप से नेपाली सवारियां बैठाकर ले जा रही हैं।

अमेरिकी सेना का ड्रग्स तस्करी में शामिल नाव पर 30वां हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में ड्रग्स तस्करी में शामिल एक नाव पर 30वां हमला किए जाने की पुष्टि की। इसमें दो लोगों की मौत हुई है। यूएस साउदर्न कमांड के अनुसार, सितंबर की शुरुआत से इन हमलों में अब तक कम से कम 107 लोग मारे जा चुके हैं। सेना का दावा है कि नाव नशीले पदार्थों की तस्करी में लिप्त थी। हालांकि, इसके सबूत सार्वजनिक नहीं किए गए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन कार्रवाइयों को अमेरिका में ड्रग्स की तस्करी रोकने के लिए जरूरी बताया है।

दक्षिण अफ्रीका में पारंपरिक दीक्षा समारोहों खतना से 41 मौतें

केप टाउन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका में पारंपरिक दीक्षा समारोहों के दौरान कराए गए खतना के कारण नवंबर और दिसंबर महीने में कम से कम 41 युवकों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दीक्षा समारोह अफ्रीकी समुदायों में युवकों के वयस्क होने की एक पारंपरिक रस्म है। दक्षिण अफ्रीका में खासतौर पर खोसा, नडेबेले, सोथो और वेंडा समुदायों में यह परंपरा हर साल निभाई जाती है। इस दौरान युवकों को कुछ समय के लिए दीक्षा स्कूलों में रखा जाता है, जहां उन्हें संस्कृति, जिम्मेदारियों और जीवन मूल्यों की शिक्षा दी जाती है।

ब्रिटिश-भारतीय कलाकार मीरा स्याल को डेमहुड सम्मान

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश-भारतीय कलाकार मीरा स्याल को किंग चार्ल्स तृतीय की न्यू ईयर ऑनर्स सूची में डेमहुड से सम्मानित किया गया है। उन्हें साहित्य, नाटक और चैरिटी में योगदान के लिए डेम मीरा की उपाधि दी गई। डाउनिंग स्ट्रीट के अनुसार, इस वर्ष यूके से 1,157 लोगों को सम्मान मिला है। पीएम कीर स्टारमर ने इसे समुदायों के लिए समर्पित लोगों का सम्मान बताया। वूल्वरहैम्प्टन में जन्मीं मीरा गुडनेस ग्रेशियस मी और द कुमर्स एट नं. 42 जैसी रचनाओं के लिए जानी जाती हैं।

रेगिस्तान में मिला अकूत खजाने से लदा 500 साल पुराना जहाज

भरे पड़े हैं सोने-चांदी के सिक्के

विंडहॉक, एजेंसी। समुद्र में अगर कोई सैकड़ों साल पुराना पानी का जहाज मिल जाए तो शायद आश्चर्य ना हो लेकिन अगर ऐसा ही जहाज रेगिस्तान में रेत के नीचे दबा मिले तो यह जरूर हैरान करने वाली घटना है। अफ्रीका के नामीबिया रेगिस्तान में एक बेहद पुराना जहाज पाया गया है जिसमें अकूत खजाना भरा हुआ था। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह 500 साल पुराना पुर्तगाली जहाज है जो कि अटलांटिक महासागर के रास्ते व्यापार के लिए निकला था। हालांकि किसी अनहोनी की वजह से जहाज डूब गया। पुरातत्विदों ने बताया कि आज यहां से समंदर काफी दूर है लेकिन पहले यहां तक समंदर की लहरें टकराती रहती थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2008 मे खनन के लिए यहां से समुद्री पानी को हटाया जा रहा था। उस समय यहां बड़ा लकड़ी का ढांचा पाया गया। जब खुदाई आगे बढ़ी तो यह जहाज के शक्ल में आ गया। इस जहाज को लेकर रिसर्च होने लगी। अब जाकर बताया गया है कि यह जहाज 1500 दशक में समंदर में डूब गया था।

इस जहाज में सोने, चांदी और तांबे के अलावा कीमती हाथी दांत भी पाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक जहाज में करीब 2 हजार सोने के सिक्के, चांदी और तांबे के सिक्के और हाथी के दांत रखे हुए थे। जानकारी के मुताबिक यह पुनर्जागरण काल का व्यापारिक जहाज है। इसे ओरैंजेमुंद रेक कहा जाता है। समुद्री डाकुओं के सपने का जहाज जानकारी के मुताबिक कभी यह जहाज समुद्री डकैतों के सपने का जहाज हुआ करता था। यह किंग जॉन थर्ड के जमाने का जहाज है। इस जहाज में सैकड़ों किलो तांबा और मिंग साम्राज्य की निशानियां मौजूद हैं। खास बात यह है कि ना तो कोई चीज खराब हुई है और ना किसी में जंग लगी है। 1533 के आसपास पुर्तगाली मसाला मार्ग के जरिए भारत से भी व्यापार करते थे। अंदाजा लगाया गया है कि यह पोत लिसबन से भारत के लिए चला होगा और फिर हादसे का शिकार हो गया। यह धीरे-धीरे समंदर के किनारे आ गया और फिर रेत में दफन होगया इतिहासकारों का अनुमान है कि इस जहाज में 200 से ज्यादा लोग सवार रहे होंगे। हालांकि कभी कोई कंकाल नहीं पाया गया है। ऐसे में यह रहस्य बना हुआ है कि इसमें सवार लोग कहां चले गए।

गहरा है रहस्य : जहाज को लेकर सबसे गहरा रहस्य यही है कि इस जहाज पर सवार लोग कहां चले गए। उनके अवशेष तक रेत में नहीं पाए गए हैं। यह बोम जीसस जहाज केवल एक जहाज नहीं बल्कि 16वीं शताब्दी की व्यापारिक गतिविधियों को जानने का एक जरिया साबित हो सकता है।

अब चीन का दावा- हमने भारत-पाक संघर्ष रुकवाया

कई लड़ाइयां सुलझाने में मदद की; भारत बोला- सीजफायर में तीसरे पक्ष का रोल नहीं

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बाद अब चीन ने भी यह दावा किया है कि उसने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य तनाव को कम कराने में भूमिका निभाई थी। चीन का कहना है कि जब इस साल दोनों देशों के बीच हालात बिगड़ गए थे, तब उसने बीच में आकर तनाव कम करने की कोशिश की। मंगलवार को बीजिंग में आयोजित एक कार्यक्रम में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि चीन दुनिया के कई संघर्षों को सुलझाने में मदद करता रहा है। उन्होंने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुए तनाव के दौरान भी चीन ने मध्यस्थता की थी।

चीन के विदेश मंत्रालय ने उनके इस बयान को सोशल मीडिया पर शेयर किया। भारत ने चीन के इस दावे को खारिज किया है। भारत ने कहा है कि संघर्ष को रुकवाने में किसी तीसरे पक्ष की भूमिका नहीं है। चीन का यह बयान उस समय को लेकर है, जब इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव हुआ था। इस दौरान भारत ने पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था, जिससे कुल मिलाकर 11 एयरबेस को नुकसान पहुंचा था। भारत ने यह हमला 22 अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में किया था, जिसमें 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी।

भारत पहले भी तीसरे पक्ष की भूमिका नकार चुका है : चीन और ट्रम्प के दावों के उलट भारत सरकार पहले भी साफ तौर पर कह चुकी है कि इस पूरे मामले में किसी भी तीसरे देश की कोई भूमिका नहीं थी। भारत का कहना है कि यह तनाव सीधे भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच बातचीत से ही खत्म हुआ। भारत के मुताबिक, भारी नुकसान होने के बाद पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी ने भारतीय सैन्य अधिकारी से संपर्क किया था। भारत का कहना है कि पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस ने भारतीय डीजीएमओ से बात की और इसके बाद दोनों देशों ने 10 मई से जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी।

चीन के इस नए दावे के बाद उसकी भूमिका को लेकर फिर से चर्चा शुरू हो गई है, क्योंकि चीन और पाकिस्तान के रिश्ते बहुत करीबी माने जाते हैं। चीन, पाकिस्तान को सबसे ज्यादा हथियार देने वाला देश है, इसलिए उस पर सवाल उठते रहे हैं कि वह इस मामले में कितना निष्पक्ष रह सकता है।

चीन ने फर्जी जानकारी फैलाने की कोशिश की थी

नवंबर में आई एक अमेरिकी रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन ने गलत जानकारी फैलाने की कोशिश की थी। रिपोर्ट में कहा गया कि सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट्स के जरिए एआई से बनाई गई झूठी तस्वीरें फैलाई गईं, जिनका मकसद भारत द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे फ्रांस के राफेल लड़ाकू विमानों की छवि को नुकसान पहुंचाना और चीन के अपने जे-35 विमान को बढ़ावा देना था। कूटनीतिक स्तर पर देखें तो जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, उसी दिन चीन ने संयम बरतने की अपील की थी। हालांकि, चीन ने भारत की सैन्य कार्रवाई पर चिंता भी जताई थी और कहा था कि वह हालात पर नजर बनाए हुए है।

पेरू में दो पर्यटक ट्रेनों की टक्कर, 1 की मौत; 30 लोग घायल

माचू पिचू , एजेंसी। पेरू के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल माचू पिचू की ओर जा रही दो पर्यटक ट्रेनों की मंगलवार को टक्कर हो गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि करीब 30 यात्री घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, मृतक रेलवे का एक कर्मचारी था।

हादसे के बाद माचू पिचू और नजदीकी शहर कुज्को को जोड़ने वाली रेल सेवा अस्थायी रूप से रोक दी गई है। रेलवे संचालन करने वाली कंपनी के अनुसार, दोपहर के समय माचू पिचू से आ रही एक ट्रेन की टक्कर वहां जा रही दूसरी ट्रेन से हुई। हादसा कोरीवायराचिना इलाके के पास हुआ। टक्कर के कारणों की जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। स्थानीय मीडिया में सामने आए तस्वीरों और वीडियो में दोनों ट्रेनें जंगल और बड़ी चट्टानों के बीच बनी रेल लाइन पर फंसी नजर आईं। ट्रेनों के ईंजन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ईंजन की खिड़कियां टूटी और क्षतिग्रस्त दिखीं। माचू पिचू में हर साल करीब 15 लाख पर्यटक आते हैं। ज्यादातर लोग ट्रेन से आगुआस कालेन्टेस शहर पहुंचते हैं। यह 15वीं सदी में इंका सभ्यता द्वारा बनाया गया स्थल अपने सटीक पत्थर निर्माण के लिए जाना जाता है। पिछले एक दशक में माचू पिचू आने वाले पर्यटकों की संख्या में करीब 25% की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, राजनीतिक अस्थिरता और स्थल प्रबंधन को लेकर विवादों के चलते पर्यटन प्रभावित भी हुआ है। कई बार प्रदर्शनकारियों ने माचू पिचू जाने वाली रेल लाइन को भी रोका है। माचू पिचू तक पैदल भी पहुंचा जा सकता है। पर्यटक ओल्यान्टायटैम्बो से ट्रेकिंग कर चार दिन में वहां पहुंचते हैं।

माली, बुर्किना फासो का यूएस को कड़ा जवाब

दोनों देशों ने भी अमेरिकी नागरिकों की एंट्री पर लगाया प्रतिबंध

बमाको, एजेंसी। अफ्रीकी देशों माली और बुर्किना फासो ने मंगलवार को अमेरिकी नागरिकों को उनके देश में एंट्री पर प्रतिबंध लगा दिया। गौरतलब है कि यह कदम अमेरिका के जवाब में उठाया गया है क्योंकि बीते दिनों अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने इन दोनों देशों को नागरिकों के अमेरिका आने पर प्रतिबंध लगा दिया था। दोनों पश्चिमी अफ्रीकी देशों के विदेश मंत्रियों ने बयान जारी कर इसकी घोषणा की।

अमेरिका ने लगाया था यात्रा प्रतिबंध : बीती 16 दिसंबर को ही अमेरिका की ट्रंप सरकार ने पहले से लागू यात्रा प्रतिबंधों को 20 और देशों तक बढ़ा दिया था, जिसमें माली, बुर्किना फासो और नाइजर जैसे देशों को भी शामिल किया गया। इन तीनों ही देशों में सैन्य शासन है। माली के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'पारस्परिकता के सिद्धांत के अनुसार, विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सूचित करता है कि तत्काल प्रभाव से माली गणराज्य की सरकार अमेरिकी नागरिकों पर वही शर्तें और आवश्यकताएं लागू करेगी जो माली के नागरिकों पर लगाई गई हैं।' बुर्किना फासो के विदेश मंत्री करमोको जीन-मैरी ट्राओरे द्वारा हस्ताक्षरित एक अन्य बयान में बुर्किना फासो में प्रवेश करने वाले अमेरिकी नागरिकों पर प्रतिबंध के लिए भी इसी तरह के कारण बताए गए हैं।

व्हाइट हाउस ने यात्रा प्रतिबंध के कारणों में से एक के रूप में सशस्त्र समूहों द्वारा लगातार हमलों का उल्लेख किया। माली और बुर्किना फासो दोनों देश, तेजी से फैल रहे सशस्त्र समूहों को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सेना ने इस क्षेत्र में फैली असुरक्षा के कारण नागरिक सरकारों को हटाने के बाद सशस्त्र समूहों से लड़ने का वादा किया था।

इन देशों पर ट्रंप सरकार ने लगाया था आर्थिक प्रतिबंध : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों यात्रा प्रतिबंधों को और सख्त करते हुए 20 और देशों के साथ-साथ फिलिस्तीनी अथॉरिटी को भी प्रतिबंध सूची में जोड़ दिया है। इससे पहले जून में अमेरिका ने 12 देशों पर पूर्ण और सात देशों पर आंशिक यात्रा प्रतिबंध लगाए थे। जून में जिन देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए गए, उनमें अफगानिस्तान, म्यांमार, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल हैं। वहीं बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला पर आंशिक प्रतिबंध लगाए थे। वहीं बीते दिनों बुर्किना फासो, माली, नाइजर, दक्षिण सूडान और सीरिया को पूर्ण प्रतिबंध सूची से जोड़ दिया था। आंशिक प्रतिबंध की सूची में भी 15 नए देश जोड़े गए। जिनमें अंगोला, एंटीगुआ और बारबुडा, बेनिन, आइवरी कोस्ट, डोमिनिका, गैबॉन, गाम्बिया, मलावी, मॉरिटानिया, नाइजीरिया, सेनेगल, तंजानिया, टोंगा, जाम्बिया और जिम्बाब्वे शामिल हैं।

जर्मनी में फिल्मी स्टाइल बैंक डकैती : तोड़े 3,000 सेफ बॉक्स

30 मिलियन यूरो का भारी नुकसान; अलर्ट पर पुलिस

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां पश्चिमी शहर में स्पार्कासे बचत बैंक की शाखा पर हॉलीवुड स्टाइल की डकैती ने सबको हक्का-बक्का कर दिया है। चोरों ने बैंक की अंडरग्राउंड वॉल्ट में घुसने के लिए बड़ा ड्रिल इस्तेमाल किया और 3,000 सेफ डिपॉजिट बॉक्स तोड़कर भारी चोरी की। पुलिस के अनुसार चोरों ने पार्किंग गेराज से वॉल्ट तक रास्ता ड्रिल करके बनाया। गवाहों ने बताया कि शनिवार और रविवार की रातों में कई लोग बड़े बैग ले जाते दिखे। सुरक्षा कैमरे में देखा गया कि सोमवार सुबह एक ब्लैक ऑडी ऋऱ 6 पार्किंग गेराज से निकली, जिसमें मास्क पहने लोग थे।

मीडिया रिपोर्टस की माने तो चोरों ने क्रिसमस और बैंक बंद होने का फायदा उठाया। पुलिस का अनुमान है कि गिरोह ने छुट्टियों और सप्ताहांत में कई घंटों तक ड्रिलिंग की। चोरी की जानकारी तब मिली जब 29 दिसंबर की सुबह फायर अलार्म बजा और आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं। इस घटना के बाद बैंक ने ग्राहकों के लिए हॉटलाइन शुरू की और प्रभावित लोगों को सूचना दी। बैंक के प्रवक्ता फ्रैंक क्रालमैन ने कहा कि हम इस घटना से सदमे में हैं।

बैंक के बाहर जमा हुए सैकड़ों लोग : घटना के बाद, बैंक के बाहर सैकड़ों ग्राहक जमा हो गए और अपने नुकसान की जानकारी मांगने लगे। कई ग्राहकों ने कहा कि उनका नुकसान उनके बीमित मूल्य से भी ज्यादा है। पुलिस ने कहा कि यह डकैती बहुत ही पेशेवर तरीके से की गई थी और इसे फिल्म 'ओशन इलेवन' जैसा बताया। पुलिस अब भी मामले पर नजर बनाए हुए है। पुलिस ने आगे बताया कि चोरी में शामिल हजारों सेफ बॉक्स का औसत बीमा मूल्य 10,000 यूरो से ज्यादा है, इसलिए अनुमानित नुकसान लगभग 30 मिलियन यूरो का है।

चोरी का खुलासा और फिर... गौरतलब है कि यह पूरी चोरी तब सामने आई जब सोमवार, 29 दिसंबर की सुबह फायर अलार्म बजा। आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं।

बैंक के बाहर सैकड़ों ग्राहक जमा हो गए, जिन्होंने बताया कि उनकी सुरक्षित डिपॉजिट में रखा सामान बीमा राशि से कहीं ज्यादा था। बैंक ने सुरक्षा कारणों से शाखा बंद कर दी। जर्मनी में क्रिसमस के दौरान ज्यादातर दुकानें और बैंक 24 दिसंबर की शाम से बंद रहते हैं। चोरों ने इसी मौके का फायदा उठाया और पुलिस का अनुमान है कि उन्होंने छुट्टियों और सप्ताहांत का इस्तेमाल वॉल्ट तक पहुंचने के लिए किया।

झूठा निकला बांग्लादेश का दावा, दुबई में दिखा उस्मान हादी का 'हत्यारा'

दुबई, एजेंसी। बांग्लादेश के चर्चित छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के मामले में एक ऐसा सनसनीखेज मोड़ सामने आया है, जिसने बांग्लादेशी सुरक्षा एजेंसियों के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले का मुख्य आरोपी और बांग्लादेश का मोस्ट वांटेड अपराधी फैसल करीम मसूद के ठिकाने का पता चल गया है। बांग्लादेश के द्वारा पहले दावा किया गया है वह भारत में छिपा है, लेकिन अब जो बात सामने आई है उसके मुताबिक वह दुबई में है। पिछले दिनों ढाका महानगर पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त एस.एन. नजमुल इस्लाम ने दावा किया था कि फैसल मसूद और उसका साथी आलमगीर शेख मेघालय के रास्ते भारत भाग गए हैं। हालांकि सीएनएन-न्यूज18 ने अपनी एक रिपोर्ट में कुछ दस्तावेजों और एक वीडियो के हवाले से इस दावे को पूरी तरह पलट दिया है। मसूद के पास संयुक्त अरब अमीरात का पांच साल का मल्टीपल-एंट्री वीजा है, जो दिसंबर 2022 में जारी किया गया था। वर्तमान में वह दुबई में एक लॉन्ग-टर्म टूरिज्म वीजा पर रह रहा है।

जमात-ए-इस्लामी पर फोड़ा हत्या का ठीकरा

दुबई से जारी एक वीडियो संदेश में फैसल मसूद ने खुद को बेगुनाह बताते हुए इस पूरी कार्रवाई को राजनीतिक साजिश करार दिया। मसूद ने दावा किया कि हादी की हत्या के पीछे खुद जमात-ए-इस्लामी का हाथ हो सकता है। उसने कहा, 'हादी खुद जमात की ही उपज था और मुमकिन है कि जमात के ही तत्वों ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया हो। मुझे और मेरे परिवार को बलि का बकरा बनाया जा रहा है। मसूद ने स्वीकार किया कि उसके हादी के साथ पेशेवर और राजनीतिक संबंध थे क्योंकि वह एक आईटी फर्म का मालिक है। उसने बताया कि उसने हादी को राजनीतिक चंदा भी दिया था, जिसके बदले हादी ने उसे सरकारी ठेके दिलाने का वादा किया था।

सुरक्षा एजेंसियों के दावों पर उठे सवाल : इस खुलासे के बाद बांग्लादेशी मीडिया और पुलिस की थ्योरी पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने दावा किया था कि मसूद मयमनसिंह की सीमा से भारत में घुसा, जबकि वह दुबई में सुरक्षित है। मसूद द्वारा जमात-ए-इस्लामी का नाम लेने से बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में भूचाल आने की संभावना है, जहां हादी की मौत के बाद पहले से ही भारी हिंसा और विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

कौन था उस्मान हादी?

उस्मान हादी 'इंकलाब मंच' के प्रवक्ता और एक प्रभावशाली युवा नेता था, जिसकी 12 दिसंबर को ढाका में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसकी मौत के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं भड़काने की कोशिश की गई थी और कट्टरपंथी संगठनों ने आरोप लगाया था कि हत्यारे भारत के संरक्षण में हैं। अब मसूद के दुबई में मिलने से ये तमाम आरोप निराधार साबित होते दिख रहे हैं।

स्वस्थ बालों के लिए उपाय

बाल किसी के भी व्यक्तित्व का अहम हिस्सा होते हैं। बालों को लेकर आए दिन कोई न कोई समस्या और उलझन भी होती ही रहती है। शायद आप भी बालों की किसी समस्या से परेशान हों। तो क्यों न आजमाएं हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब के उपयोगी टिप्स।

दोमुंहे बालों के लिए

दोमुंहे बालों को ठीक करने के लिए विभिन्न कंडीशनिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। लेकिन दोमुंहे बालों से निजात पाने का सबसे बेहतर उपाय है ट्रिमिंग कराना। अगर आप कुछ देर के लिए अपने दोमुंहे बालों को छिपाना चाहती हैं तो स्टाइलिंग क्रीम या थोडी सी पेट्रोलियम जेली हाथों में लेकर बालों के सिरों पर लगाएं।

बालों की चमक बढाएं

गलत तरीकेसे की गई मसाज, कठोर शैंपू का इस्तेमाल और गलत आहार इन सभी के कारण बाल बेजान हो जाते हैं। बालों को मुलायम और चमकदार बनाने के लिए ग्लॉसी सीरम लगाएं फिर बडे, फैले हुए और साफ-सुथरे मेकअप ब्रश को बालों पर फिराएं। घुंघराले बालों के लिए उन्हें संवारने से पहले लीव इन कंडीशनर लगाएं, ताकि वे चमकदार और हलके नजर आएं।

बालों को मजबूत बनाएं

हफ्ते में एक बार क्लेरिफाइंग शैंपू का इस्तेमाल करें। इसे पहले सूखे बालों पर लगाएं, फिर पानी से धोएं।

दूर करें बालों की अतिरिक्त तैलीयता ज्यादा मेडिसन, तनाव, गलत आहार और हार्मोनल असंतुलन से तैलीय ग्रंथियों का संतुलन बिगड जाता है। इसलिए बालों की अतिरिक्त तैलीयता को दूर करने के लिए किसी मृदु शैंपू से रोजाना बालों को साफ करें। फिर बालों के सिरों पर कोई लाइट कंडीशनर लगाएं। अगर आपके पास रोजाना बाल धोने का समय न हो तो सिर की त्वचा पर बेबी पाउडर लगाएं। यह सिर की त्वचा का अतिरिक्त तेल सोखने में मदद करेगा।

जानिए खूबसूरती पाने के छिपे रहस्यों को

खूबसूरती पाने के लिए आप काफी मेहनत करती हैं। कभी ये तो कभी वो परंतु फिर भी आपको वह खूबसूरती नहीं मिल पाती जिसकी आप हकदार हैं। तो आइए हम बताते हैं प्रकृति के कुछ ऐसे रहस्यों को जिन्हें जान कर आप भी मनचाही खूबसूरती पा सकती हैं।

- ग्लिसरीन, नींबू और गुलाब जल प्रत्येक चौथाई चम्मच, एक घिसा हुआ बादाम और दूध की मलाई एक चम्मच। सबको मिलाकर रात को सोते समय हाथों पर मलें इससे हाथ मुलायम होंगे और रंग निखरजाएगा।
- नींबू, शहद, बेसन और तिल के तेल का उबटन करने से त्वचा में प्राकृतिक निखार आकर सौंदर्य बढ़ता है।
- संतरे के छिलकों का रस गुलाब जल में मिलाकर चेहरे पर मलने से चेहरे का रंग निखरता है।
- गाजर, टमाटर, संतरा और चुकंदर का रस 25 ग्राम नित्य दो माह तक पीने से चेहरे की छाया, दाग, मुंहासे दूर होकर चेहरा सुंदर और साफ हो जाता है।
- लम्बे समय तक नित्य पपीता खाने से कमर का सौंदर्य बढ़ता है। नाखूनों पर अनार के दानों का रस मलने से उनका सौंदर्य खिल उठता है।
- आधा कप दही में एक नींबू निचोड़ कर मिला लें। इसे बालों पर 20 मिनट रहने दें। फिर सिर धोएं। इससे बाल मुलायम एवं काले होंगे।
- यदि पेट, तोंद बढ़ गई हो तो नित्य सरसों के तेल की मालिश करें और 'उठ-बैठ' वाली कसरत करें।
- कच्चे दूध में पिसी हुई हल्दी मिलाकर मलने से त्वचा मुलायम हो जाती है।
- टमाटर और नींबू का रस तथा दूध समान मात्रा में मिलाकर त्वचा पर लगाएं। लगाने के 15 मिनट बाद स्नान करें। त्वचा का सौंदर्य बढ़ेगा।
- एक कप दही में एक पूरे नींबू का रस मिलाकर अच्छी तरह फेटें। इसे सिर के बाल, चेहरे, हाथ आदि पर मलें। तकरीबन 15 मिनट उपरांत स्नान करें। इससे सौंदर्य बढ़ेगा।
- कोहनी की त्वचा प्रायः सख्त एवं काली पड़ जाती है। इस पर नींबू का रस मलें। 15 मिनट उपरांत धो लें। कोहनियां सुंदर हो जाएंगी।
- उबले आलू का गूदा अंगुलियों पर तथा हाथों पर मलें। दस मिनट उपरांत स्वच्छ पानी से धो लें। अंगुलियों और हाथों का रंग निखर उठेगा।

पंजाबी कढ़ी

सामग्रीः मसाले के लिएः 1 टीस्पून राई, आधा टीस्पून मेथी, डेढ़ टीस्पून कलौंजी , 1 टीस्पून साबुत धनिया, आधा टीस्पून जीरा। सभी मसालों को सेंक कर पीस लें।

पकौड़े के लिएः 250 ग्राम बेसन, 1-1 कटा प्याज और आलू, कटी हुई मेथी और पालक, 1 टीस्पून मसाला, नमक स्वादानुसार और तलने के लिए तेल।

कढ़ी के लिएः 1 किलो खट्टा दही, 1 कप बेसन, 1 लीटर पानी, दो कटे प्याज, 6 लहसुन की कली, 1 इंच अदरक का टुकड़ा, 2 टीस्पून नमक और 3 टेबलस्पून तेल।

विधिः बेसन, पानी और नमक को अच्छी तरह फेंटें। दही को फेंटकर उसमें मिला लें. अदरक और लहसुन का पेस्ट बनाएं। कढ़ाई में तेल गर्म करें और पेस्ट को भूनें। अब कटे प्याज डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें. फिर पाउडर किया हुआ मसाला डालें। अब दही-बेसन का मिश्रण डाल दें। नमक डालें। उबाल आने तक चलाते रहें। धीमी आंच पर 10-15 मिनट तक पकाएं। पकौड़ों की सभी सामग्रियां मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। तेल गर्म करें और पकौड़े तल लें। अब इन पकौड़ों को उबलती हुई कढ़ी में मिलाएं और थोड़ी देर पकाएं। कटी हरी धनिया से सजाकर परोसें।

छोटी-छोटी बातें

- दूध अगर जल जाए तो दो-तीन हरे पान के पत्ते डाल कर आंच पर रखें। गंध चली जाएगी।
- कड़ाही व बर्तन के नीचे की कालिख साफ करने के लिए इमली को भिगोकर प्रयोग में लाएं।
- घी में पान का पत्ता डालकर गर्म करें। ऊपर का मैल छंट जाएगा और घी ज्यादा दिनों तक शुद्ध रहेगा।
- मटर की सब्जी बनाते समय उसमें थोड़ी सी चीनी मिला दें, तो मटर अधिक हरी रहेगी और उसमें हल्की सी मिठास बनी रहेगी।
- मसाला भूनते समय उसमें थोड़ा-सा दही मिलाने से सब्जी का रंग और स्वाद बेहतर हो जाएगा।
- अनार के छिलके को मुंह में रख कर चूसने से खांसी का वेग कम हो जाता है।
- खांसी में अदरक या मुलहठी का टुकड़ा मुंह में रखकर चूसें।

सौंदर्य का अहम हिस्सा हैं नाखून

सुंदर, तराशे, खूबसूरत चमकते नाखून हाथों तथा पैरों की सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं। अकसर बहुत सी स्त्रियों को यह समस्या होती है कि आकर्षक रंग-रूप के बावजूद उनके नाखून भद्दे और बेजान से दिखते हैं, जिसके कारण उन्हें अपने हाथों-पैरों को छिपाना पडता है। नाखूनों में पाई जाने वाली मुख्य समस्याएं है :

1. सूखापन 2. चिटकना 3. धारियां पडना

यदि आप व्यस्त जीवन में से थोडा सा समय निकालकर, नाखूनों की देखभाल में लगाएं तो अवश्य ही नाखून, आपके आकर्षक व्यक्तित्व का अभिन्न अंग बन जाएंगे।

महत्वपूर्ण टिप्स

- जब भी आप घरेलू काम करें, नाखूनों की सफाई के लिए पांच मिनट का समय अवश्य निकालें। कल पर टालने से पता भी नहीं चलेगा कि समस्या कितनी बढ गई। नाखूनों में फंसी हुई गंदगी हटाने के लिए टूथपिक में रुई का फाहा लपेट लें। उसे नीबू के रस से गीला करें व आहिस्ता-आहिस्ता नाखूनों के आसपास व नीचे की त्वचा साफ करें। यदि त्वचा कटी हो तो नीबू की जगह दूध का इस्तेमाल करें।
- यदि गार्डनिंग कर रही हैं तो नाखूनों को नहाने वाले साबुन की टिकिया पर पहले खरोंच लें। नाखून साबुन से भर जाएंगे। ऐसा करने से गार्डन की मिट्टी, नाखूनों में नहीं भरेगी।
- जब भी खाली बैठी टीवी देख रही हों या किताब पढ रही हों, नाखूनों को नीबू के छिलकों से रगडती रहें। इसके अलावा क्रीम, मलाई, पेट्रोलियम जेली, बादाम तेल या अन्य किसी तेल से नाखूनों की मालिश करें। इससे नाखून जल्दी बढते हैं व स्वस्थ रहते हैं।
- जो लोग नाखून कुतरते हैं, उनके नाखून कमजोर हो जाते हैं। उनमें संक्रमण होने का भी डर रहता है। ऐसे व्यक्तियों को अपना ध्यान किसी न किसी काम में अवश्य लगा कर रखना चाहिए।
- बर्तन व कपडे धोने के पाउडर से हाथों को बचाएं। धुलाई करते समय रबर के दास्ताने अवश्य पहनें।
- नाखूनों पर यदि सफेद धब्बे दिखाई दें तो फौरन डॉक्टर से संपर्क करें, क्योंकि यह एनीमिया का लक्षण भी हो सकता है।
- यदि नाखून चिटक रहे हैं तो प्रतिदिन एक ग्लास दूध में प्रोटीन पाउडर घोल कर पिएं।
- रात में सोने से पहले नाखूनों पर क्रीम व नीबू लगाएं। कुछ न होने पर मलाई भी लगा सकती हैं।
- एक कटोरी पानी में तीन चौथाई बेबी ऑयल लेकर उसे हलका गर्म करें, उबालें नहीं। अब उसे एक प्याली में उडेल कर उसमें पांच मिनट तक उंगलियां भिगोएं। फिर गुनगुने पानी से धो लें। समय-समय पर ऑलिव बादाम के तेल से मालिश करने से नाखूनों की रंगत बनी रहती है।

जरूरी है सफाई

- गुंजन के मुताबिक हाथों व पैरों की देखभाल, पंद्रह दिन में एक बार अवश्य करें। इसके लिए सबसे पहले नेलपॉलिश रिमूवर से पुरानी नेलपॉलिश साफ कर लें। नेलकटर या छोटी कैंची से बढे हुए या टेढे-मेढे नाखून काट दें। पैरों के नाखूनों को हमेशा सीधा ही काटें।
- नेल फाइलर से नाखूनों को आकार दें।

- नेलपॉलिश लगाने के लिए ब्रश नाखूनों के बीचो-बीच क्यूटिकल से नोंक की दिशा में चलाएं। जब पहला कोट एकदम सूख जाए, तभी दूसरा कोट लगाएं।

यदि नाखूनों या पैरों या हाथ में कोई संक्रमण हो तो इलाज करवाएं। इस बीच पेडिक्योर न कराएं।

सावधानियां

स्वस्थ आहार का असर हमारे स्वास्थ्य पर भी पडता है। क्लीनिकल न्यूट्रिशनिस्ट एवं डाइट कंसल्टेंट प्रियंका निगम के अनुसार मात्र मेनिक्योर या पेडिक्योर से ही नाखूनों की देखभाल नहीं हो सकती। इसके लिए संतुलित आहार भी जरूरी है। इसलिए अपने आहार में दूध, दही, खनिज लवणों, पालक, मेथी साग को भी सम्मिलित करें। सूखे मेवे बादाम और अखरोट आदि के सेवन से नाखूनों की रंगत व चमक बनी रहती है। साथ ही कैल्शियम का भी सेवन नियमित रूप से करें। इससे नाखून स्वस्थ रहेंगे।

ध्यान दें

- हमारी उंगलियों के नाखून एक हफ्ते में.05 सेंटीमीटर बढते हैं, जो पैरों के नाखूनों से चार गुना ज्यादा है।
- नाखूनों में अकसर फंगस इनफेक्शन हो जाता है, जो शरीर के किसी अन्य भाग के संक्रमण की तुलना में काफी देर से दूर होता है।
- तापमान और उमस के दुष्प्रभाव से नाखूनों को बचाने के लिए पानी खूब पीजिए।
- तेज केमिकल युक्त उत्पादों के इस्तेमाल से बचें जैसे सप्ताह में एक बार से ज्यादा नेल वार्निश/रिमूवर का प्रयोग न करें। इससे नाखून और उसके आसपास की त्वचा पर दुष्प्रभाव पडता है।
- एसीटोन फ्री रिमूवर का ही इस्तेमाल करें।
- पेच खोलने, कसने या अन्य ऐसे कामों में नाखून का इस्तेमाल न करें, जिसे करने केलिए औजारों की जरूरत होती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अत:आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 1944

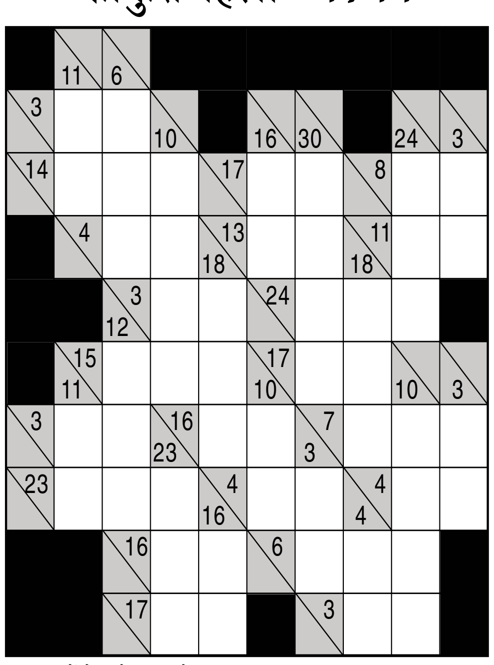

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

11 \ 7 → 1 2 3 5 ; ↑ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1943 का हल

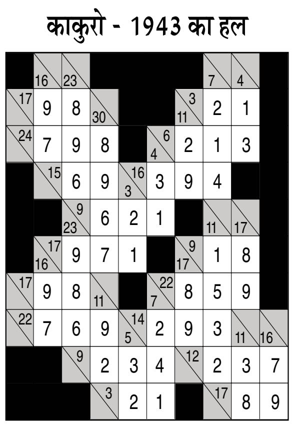

लॉफिंग ज़ोन

रमन अपने दोस्त नरेश से बोला- क्या बात है, आजकल तुम्हारी प्रेमिका अक्सर चुप-चुप ही रहती है? तुमने उसे डाँटा क्या?

नरेश- नहीं यार! मेरी क्या मजाल है जो मैं उस डाँट सकूँ। दरअसल हुआ यूँ कि एक दिन हम दोनों फोटो खिंचवा रहे थे, तो फोटोग्राफर ने मेरी प्रेमिका से कहा 'जब आप चुप रहती हैं, तो एकदम कैटरीना की तरह दिखती है।'

एक भीड़ भरी खचाखच बस में एक युवती को जोर से धक्का लगा। युवती झल्लाई और पीछे खड़े युवक को चिल्ला कर बोली, जान वर हो क्या?

युवक ने रोमांटिक अंदाज में जवाब दिया- जान तो आप हैं, मैं तो बस आपका ही वर हूँ।

एक बार स्वीमिंग पुल के किनारे कपड़े रखे थे और वहाँ एक कागज का पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मेरे कपड़े मत चुराना- बॉक्सिंग चैंपियन रमन।

जब वह तैर कर बाहर निकला, तो देखा वहाँ से उसके कपड़े गायब थे और एक पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मुझे पकड़ने की कोशिश मत करना- मैराथन चैंपियन चमन।

फिल्म वर्ग पहेली-1944

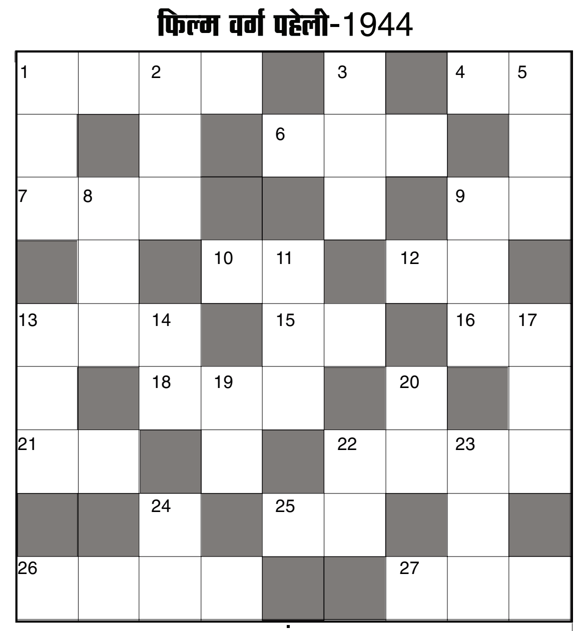

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'याराना' की नायिका कौन थी-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'बन्नो तेरी आँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1943

ऐ	त	बा	र		जु	र्म		जी	
त		द		क	र्मा		घा	त	क
रा	हु	ल		री	ना	रा	य		र्म
ज			हि	ना		जा	ल		यो
	फ	की	रा		शी	बा		बा	गी
क	र्ज		स	नी		बू	म		
र		शी	त	ल			हा	सि	ल
म	हा	न		क	न्या	दा	न		व
	द		ना	म		दा	ता		स्टो
सं	सा	र		ल	की			नू	री

सूडोकु -1944

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1943 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली - 1944

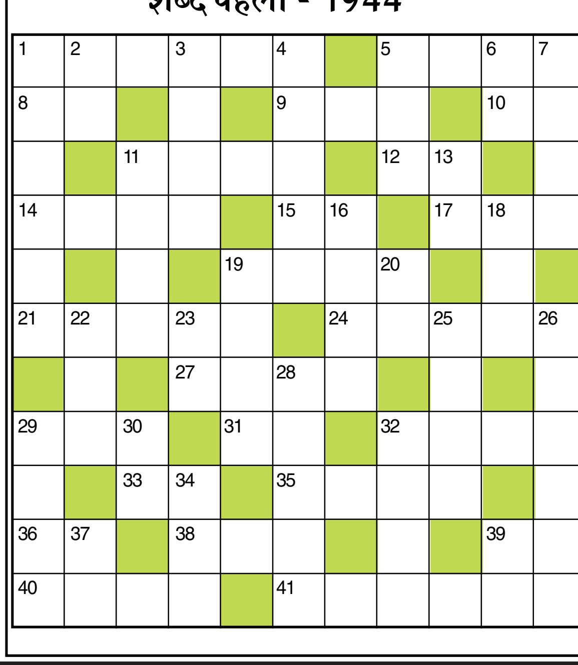

बाएँ से दाएँ

1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.रूखा, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पथ प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवणेंद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे

1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.राजी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली - 1943 का हल

	ब	ल	शा	ली		रु	ख	सा	र	
अ	न		ली		प	त	न		जा	न
न		ज	मा	दा	र		न	म		फा
म	ग	रु	र			आ		द	र	स
ना		र		अ	ज	ग	र		वा	त
	मि	त	वा		ही		स	प	ना	
म	ल		दा	वा	न	ल		रा		फि
त	न	य		ल			ह	ज	र	त
ल		म	त		का	र्या	ल	य		र
बी	ज		म	का	न		च		सा	त
	य	ल	गा	र		ब	ल	शा	ली	

यूपी पुलिस में होगी 32,679 पदों पर भर्ती

एजेंसी
लखनऊ। साल का आखिरी दिन 31 दिसम्बर उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग की नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी लेकर आया है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि, आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के तहत 32 हजार 679 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञप्ति जारी की गई है। अभ्यर्थी 31 दिसम्बर 2025 से 30 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। बोर्ड ने आवेदन करने से पहले अभ्यर्थियों का वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) प्रणाली में पंजीकरण कराना जरूरी बताया है। इसके बिना आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ओटीआर पंजीकरण और ऑनलाइन आवेदन के लिए अभ्यर्थी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट uppbpb.gov.in पर जा सकते हैं।

रिश्वत लेने के आरोप में आईआरएस अधिकारी समेत पांच गिरफ्तार, सीबीआई की कार्रवाई में 1.60 करोड़ रुपये बरामद

लखनऊ। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) झांसी कार्यालय में रिश्वतखोरी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में सीबीआई ने एक आईआरएस अधिकारी और केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) के दो अधीक्षकों, एक वकील और एक निजी कंपनी के मालिक को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने बयान जारी कर बताया कि पकड़े गए और अन्य लोगों के खिलाफ जीएसटी चोरी के मामलों में निजी फर्मों को अनुचित लाभ पहुंचाने के बदले डेढ़ करोड़ रुपये की मांग करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में झांसी सीजीएसटी में तैनात डिप्टी कमिश्नर आईआरएस प्रभा भंडारी ने निजी फर्मों को अनुचित लाभ पहुंचाने के बदले 1.5 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रिश्वत की मांग की थी। शिकायत दर्ज होने के बाद सीबीआई ने जाल बिछाया और बुधवार को डिप्टी कमिश्नर प्रभा के कहने पर 70 लाख रुपये की पहली किस्त लेते हुए अधीक्षक अनिल तिवारी और अजय कुमार शर्मा को रंगे हाथों धर दबोचा लिया। इनके पास से रिश्वत के नाम पर लिए गए 70 लाख रुपये भी जब्त कर लिये। इसके तुरंत बाद सीबीआई ने झांसी सीजीएसटी में तैनात डिप्टी कमिश्नर आईआरएस प्रभा भंडारी, एक फर्म के मालिक राजू मंगतानी और बिचौलिये की भूमिका निभाने वाले अधिवक्धा नरेश कुमार गुप्ता को भी गिरफ्तार कर लिया।

चुनाव आयोग से मिला तृणमूल प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल मतदाता सूची को अपडेट करने से जुड़े मसले पर राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में यहां मुख्य चुनाव आयुक्त से मिला। इसमें पार्टी ने आठ से 10 मुद्दे उठाए। मुलाकात के बाद पार्टी महासचिव बनर्जी ने कहा कि दो से तीन विषयों को छोड़कर हमें किसी भी मुद्दे पर ठोस जवाब नहीं मिला और आयोग की ओर से हर मुद्दे को नागरिकता तक ले जाया गया। दूसरी ओर चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस को चुनाव प्रतिनिधियों को धमकाने का विषय रखा और उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। बैठक दोपहर 12 बजे शुरू हुई और करीब ढाई घंटे तक चली। पिछले महीने 28 नवंबर को भी पार्टी का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिला था। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार प्रतिनिधिमंडल से कहा गया है कि पार्टी सुनिश्चित करे कि उनके ज़मीनी स्तर के राजनीतिक प्रतिनिधि चुनाव ड्यूटी पर तैनात किसी भी कर्मचारी को धमकाने में शामिल न हों। कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करने वाले किसी भी शरारती तत्व के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। राजनीतिक प्रतिनिधियों या कार्यकर्ताओं का बीएलओ, ईआरओ, एईआरओ, ऑब्ज़र्वर आदि सहित किसी भी चुनावी कर्मचारी को धमकाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राहुल गांधी ने दी नव वर्ष की शुभकामनाएं, खड़गे बोले- 2026 बने अधिकारों की रक्षा का साल

नई दिल्ली। नववर्ष 2026 के अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने नए साल को खुशहाली, स्वास्थ्य, समृद्धि और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का अवसर बताया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नववर्ष की बधाई देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि नया साल सभी के जीवन में ढेर सारी खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और सफलताएं लेकर आए। हैप्पी न्यू ईयर 2026! कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'इस खुशी भरे नए साल पर, मैं आप सभी को दिल से बधाई देता हूं। आइए, इस साल को कमजोर लोगों के अधिकारों (काम करने का अधिकार, वोट देने का अधिकार और सम्मान के साथ जीने के अधिकार) की रक्षा के लिए एक बड़ा आंदोलन बनाएं। आइए, हम सब मिलकर अपने संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करें, नागरिकों को मजबूत बनाएं और समाज में मेलजोल को मजबूत करें। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में आगे लिखा, 'हमारे युवाओं के लिए रोजगार, महिलाओं की सुरक्षा, किसानों की खुशहाली, हाशिये पर रहने वालों के लिए सम्मान और सभी के लिए बेहतर जिंदगी, ये हमारा साझा संकल्प होना चाहिए। आने वाला साल आप सभी के लिए खुशियां, खुशहाली और तरक्की लाए। हैप्पी न्यू ईयर, जय हिंद। '

मुंबईः बारिश के साथ नए साल की शुरुआत, न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज

एजेंसी
मुंबई । मुंबई में बारिश के साथ नए साल की शुरुआत हुई। देश की आर्थिक राजधानी के कई हिस्सों में गुरुवार सुबह बारिश हुई। नए साल की शुरुआत तेज धूप के बजाय, मुंबई के कुछ हिस्सों में बारिश के साथ हुई। सुबह 6 बजे से कुछ देर पहले बारिश शुरू हुई। कुछ इलाकों में हल्की बारिश हुई, तो वहीं कुछ जगहों पर हल्की बूंदाबांदी हुई। सुबह करीब 6.15 बजे के बाद बारिश की तेजी धीरे-धीरे कम हो गई। कोलाबा, बायकुला और लोअर परेल के निवासियों ने मॉनसून जैसे हालात बताए, बारिश की वजह से कोस्टल रोड और ईस्टर्न फ्रीवे जैसे मुख्य रास्तों पर विजिबिलिटी काफी कम हो गई थी। सुबह होते-होते बारिश धीमी हो गई और हल्की बूंदाबांदी में बदल गई। इसके विपरीत, बांद्रा से दहिसर और कुर्ला से मुलुंड तक के

उपनगरीय इलाकों में सिर्फ हल्की और रुक-रुक कर बारिश हुई, साथ ही लगातार बूंदाबांदी होती रही। हालांकि, आसमान में बादल छाए रहे, लेकिन इन इलाकों में बारिश कम हुई। वहीं, ठंडी हवाओं ने न्यूनतम तापमान को कम करके 16 डिग्री सेल्सियस कर दिया।आईएमडी के अनुसार, मुंबई और उसके उपनगरों में पूरे दिन आसमान में हल्के बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने की उम्मीद है। आईएणडी ने सुबह 8 बजे जारी अपने लेटेस्ट पूर्वानुमान में अगले 48 घंटों में हल्की बारिश होने की संभावना जताई है, जिसमें अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29 डिग्री सेल्सियस और 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। बारिश से शहर में वायु प्रदूषण के स्तर में भी कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के डेटा के अनुसार, मुंबई का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 122 था, जो 'मध्यम' कैटेगरी में आता है। नए साल की सुबह शहर भर में जल्दी उठने वालों का स्वागत हल्की बारिश से हुआ, और दिन शुरू होने पर कई निवासियों ने सोशल मीडिया पर कुछ इलाकों में तेज बारिश के बारे में अपडेट शेयर किए।

प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह में नगरी हो अयोध्या की भजन के धुन पर झूम उठे श्रोता

एजेंसी
अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दूसरे वर्ष प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह में रात्रि संस्कृतिक आयोजन सम्पन्न हुएद्ध साहित्य व भारतीय संस्कृति की धनी महादेव शिव की नगरी और सर्व विद्या की राजधानी काशी में तीन वर्ष की बालिका ने जब पहली बार गुनगुनाया तो किसी को अनुमान भी नहीं होगा कि यह नन्ही-सी बच्ची अपनी मीठी आवाज़ से बड़े-बड़े गायकों को दांतो तले उंगली दबाने को मजबूर करेगी। वहीं बच्ची बढ़ती उम्र के साथ आज भजन गायिका अंशिका सिंह के रूप में मंच से लोगों को प्रभु प्रेम के रस से सराबोर कर रही है। रामजन्मभूमि परिसर के अंगद टीला के मंच से अंशिका ने मंच से जैसे ही नगरी हो अयोध्या सी.... गीत की पंक्तियां गुनगुनाई पूरा परिसर जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। अंशिका सिंह भी ऐसी ही एक कलाकार हैं, जिनकी यात्रा सुरों के साथ महज शौक़ से नहीं, बल्कि आत्मा से जुड़ी हुई है। अंशिका का यह सफर छोटा नहीं था। उनकी आवाज़ में कुछ ऐसा जादू था कि धीरे-धीरे उन्हें बड़े मंचों पर बुलाया जाने लगा। प्रतिष्ठित मंचों पर उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन किया और संगीत प्रेमियों का दिल जीत लिया। अंशिका अब तक 500 से अधिक स्टेज शो कर चुकी थीं। उनकी गायकी में शास्त्रीय संगीत की गहराई, बॉलीवुड की रवानगी, सूफी संगीत की रूहानियत और लोक संगीत की मिठास है। अंशिका का सफर यहीं नहीं रुका। उनकी आवाज़ इतनी प्रभावशाली थी कि उन्हें पद्मश्री अनुप जलोटा, पद्मश्री मालिनी अवस्थी, नरेंद्र चंचल, कुमार विशु और रवि किशन जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ मंच साझा करने का अवसर मिला।

70 लाख से अधिक आबादी वाला देश का पहला स्लम-फ्री शहर बनने की ओर अग्रसर सूरत

एजेंसी
सूरत। गुजरात की आर्थिक राजधानी सूरत देश का पहला ऐसा महानगर बनने की दिशा में अग्रसर है, जिसकी आबादी 70 लाख से अधिक होने के बावजूद वह स्लम-फ्री (झुग्गी-मुक्त) शहर बनेगा। यह जानकारी गांधीनगर में भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के बाद प्रवक्ता मंत्री जीतुभाई वाघाणी ने मीडिया को दी है। गुजरात सरकार के प्रवक्ता मंत्री जीतु वाघाणी ने बताया कि नरेन्द्र मोदी ने अपने गुजरात के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान शहरी क्षेत्रों को स्लम-फ्री बनाने की जो दूरदर्शी और महत्वाकांक्षी पहल की थी, उसके आज सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

20 वर्ष में बड़ा बदलाव

वर्ष 2006 में सूरत की लगभग 38 प्रतिशत आबादी झुग्गी-बस्तियों में रहती थी। झुग्गीवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उन्हें पक्के आवास उपलब्ध कराने के लिए पिछले दो दशकों में निरंतर योजनाबद्ध प्रयास किए गए। इन प्रयासों का परिणाम यह रहा कि आज सूरत में झुग्गी-बस्तियों में रहने वाली

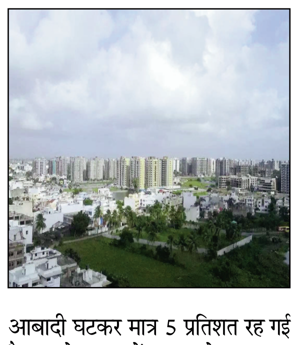

आबादी घटकर मात्र 5 प्रतिशत रह गई है। इससे सूरत में स्लम क्षेत्र लगभग समाप्ति की कगार पर पहुंच गए हैं।

कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश

प्रवक्ता मंत्री वाघाणी ने बताया कि कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए सूरत को गुजरात का पहला स्लम-फ्री महानगर बनाने के लिए ठोस और परिणामोन्मुख कार्ययोजना पर काम करने के निर्देश मुख्य सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारियों को दिए हैं।

देश में बनेगा उदाहरण

यदि सूरत यह उपलब्धि हासिल करता है तो वह देश का पहला इतना बड़ा स्लम-फ्री शहर बनेगा। हालांकि देश में पहले स्लम-फ्री शहर का दर्जा चंडीगढ़ को प्राप्त है, लेकिन वहां की आबादी करीब 10 लाख है। इसके मुकाबले सूरत की आबादी 70 से 80 लाख के बीच है, जिससे यह उपलब्धि आकार और जटिलता की दृष्टि से कहीं अधिक महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

अन्य शहरों के लिए भी निर्देश

कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि सूरत की तर्ज पर राज्य के अन्य नगरों और महानगरों को भी चरणबद्ध तरीके से स्लम-फ्री बनाने की दिशा में अभी से प्रभावी कार्रवाई शुरू की जाए, ताकि पूरे गुजरात में शहरी जीवन स्तर को और बेहतर बनाया जा सके। सरकार के इस प्रयास को शहरी विकास, सामाजिक समानता और समावेशी विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरगामी कदम माना जा रहा है।

जेपी नड्डा का कांग्रेस पर तीखा हमला, खड़गे के आरोपों को बताया 'झूठ की खेती'

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर पलटवार करते हुए उन्हें 'झूठ परोसने' का आरोपी ठहराया है। नड्डा ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक लंबी पोस्ट में कांग्रेस की हारों का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी के पास झूठ बोलने के अलावा कोई काम नहीं बचा है। उन्होंने 2025 के चुनावों में कांग्रेस की हार (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार) का हवाला देकर खड़गे पर निशाना साधा और 10 बिंदुओं में उनके आरोपों को खारिज किया। नड्डा ने पहले बिंदु में 'मनरेगा' पर खड़गे के आरोप को झूठा बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दावा किया कि 'मनरेगा' खत्म कर दिया गया और गरीबों का 'काम का अधिकार' छीना गया, लेकिन सच्चाई यह है कि मोदी सरकार ने इसे 'जी राम जी' के रूप में विस्तार दिया, काम के दिनों को 125 तक बढ़ाया, 15 दिनों में भुगतान सुनिश्चित किया और ग्रामीण सशक्तीकरण से जोड़ा। नड्डा ने तंज कसा कि संसद में चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता भारत विरोधी जॉर्ज

सोरोस फंडेड बैठक में व्यस्त थे। दूसरे बिंदु में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) और बीएलओ पर नड्डा ने कहा कि खड़गे ने 'वोटिंग अधिकार' छीनने और भाजपा की 'वोट चोरी' का झूठ बोला, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया। उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए पूछा कि कांग्रेस के कितने बीएलए जमीन पर उतरे और कितनी शिकायतें चुनाव आयोग से की गईं। जनता ने कांग्रेस की 'बूथ चोरी' को बंद कर दिया।

अर्थव्यवस्था पर सवाल उठाने वाले खड़गे को नड्डा ने याद दिलाया कि कांग्रेस राज में भारत 'फ्रेजाइल फाइव' में था, अब 'टॉप फाइव' में है। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था है, विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर है। उन्होंने कांग्रेस की मंशा को देश को बदनाम करने वाली बताया। चौथे बिंदु में सेना पर आरोपों पर नड्डा भड़के। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को दुनिया की सराहना मिलने का जिक्र किया, लेकिन कांग्रेस नेताओं को पाकिस्तान की भाषा बोलने वाला करार दिया। सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर भी कांग्रेस ने झूठ बोला। पांचवें बिंदु में महंगाई और जीएसटी पर नड्डा ने कहा कि भारत की महंगाई दर विकसित देशों से कम है। जीएसटी से रिकॉर्ड कलेक्शन, छोटे दुकानदारों को फायदा और अर्थव्यवस्था को बूस्ट मिला।

घबराने की जरुरत नहीं है राज्य शासन आपके साथ : मुख्यमंत्री

एजेंसरी
भोपाल। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी हैं, जबकि 150 से ज्यादा लोग विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर पहुंचे। उन्होंने दूषित जल पीने से पीड़ित और प्रभावितों से मिलकर भरोसा दिलाते हुए कहा कि चिंता न करें, सब कुछ अब ठीक होगा। आप सभी पूर्णतः स्वस्थ होकर अपने घर सकुशल पहुँचेंगे। यहाँ आपको बेहतर से बेहतर उपचार निःशुल्क दिया जाएगा। उन्होंने प्रभावितों और उनके परिजनों से कहा कि राज्य शासन आपके साथ है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा को निर्देशित किया कि सभी प्रभावितों का निःशुल्क उपचार सुनिश्चित किया जाये साथ ही इसकी निगरानी भी हो। यह सुनिश्चित किया जाये कि प्रभावितों को किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने

प्रभावितों तथा परिजनों के जीवन निर्वाह, कामकाज आदि के बारे में भी जाना। मुख्यमंत्री ने अस्पतालों में उपलब्ध चिकित्सा विशेषज्ञ और अस्पताल स्टॉफ से भी चर्चा की। उन्होंने अधिकरियों और चिकित्सकों को निर्देश दिये कि वे अस्पताल में भर्ती प्रभावितों के उपचार में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं रखें। प्रभावितों को बेहतर से बेहतर सुविधाएँ, निःशुल्क दवायें, इंजेक्शन, जाँच और पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाये। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कहा कि यह सुनिश्चित करें कि नागरिकों को शुद्ध पेयजल मिले। मुख्यमंत्री डॉ यादव इंदौर में भागीरथपुरा में हुई घटना के प्रभावितों से मिलने के लिए शाम परदेशीपुरा स्थित वर्मा अस्पताल, नंदानगर स्थित बीमा अस्पताल,एमआईजी चौराहा स्थित डीएनएस अस्पताल, रेसकोर्स रोड़ स्थित शैल्बी अस्पताल, एम.वाय.अस्पताल सहित विभिन्न अस्पतालों में पहुँचे। उन्होंने प्रभावितों से अस्पताल में उपलब्ध कराए जा रहे उपचार तथा अस्पताल में भर्ती होने के पूर्व निर्मित हुई स्थितियों के बारे में और उनके कामकाज आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों और प्रशासनिक अधिकारियों से चिकित्सा व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की। इस मौके पर नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्पमित्र भार्गव, विधायकगण मालिनी गौड़, गोलू शुक्ला, अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय दुबे व नीरज मण्डलोई, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव,एमआईसी सदस्य बबलू शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जम्मू की अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिक को बीएसएफ ने जम्मू-कश्मीर पुलिस को सौंपा

एजेंसी
जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जम्मू जिले के गजनसू इलाके में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से पकड़े गए एक बांग्लादेशी नागरिक को जम्मू- कश्मीर पुलिस को सौंप दिया है। बीएसएफ के जवानों ने सीमा पर नियमित निगरानी के दौरान उस व्यक्ति को हिरासत में लिया और बाद में उसे कनाचक पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले गजनसू सीमा पुलिस चौकी के समक्ष पेश किया। पुलिस ने पकड़े गए व्यक्ति की पहचान 19 वर्षीय शरीफुल इस्लाम भुइयां पुत्र मोजिबुल हक भुइयां निवासी बांग्लादेश के कोमिला जिले के आद्रा इलाके के रूप में की है। प्रारंभिक औपचारिकता पूरी करने के बाद बीएसएफ ने उसे

आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंपा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने की परिस्थितियों का पता लगाने और अन्य संबंधित विवरणों की पुष्टि करने के लिए उससे पूछताछ जारी है।

वर्ष 2026 में शिक्षा के क्षेत्र में पीजीआई रैंकिंग और जीईआर सुधार पर रहेगा विशेष फोकस

एजेंसरी
देहरादून। उत्तराखंड में शिक्षा व्यवस्था के लिए बदलाव के वर्ष 2026 बेहतर साबित होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत प्रदेश में शिक्षा के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए नई कार्ययोजना लागू करने की तैयारी और नववर्ष में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा विभागों में छह हजार से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। नई कार्ययोजना का लक्ष्य सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) और प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक (पीजीआई) में उल्लेखनीय सुधार कर उत्तराखंड को राष्ट्रीय स्तर पर दो अंकों से नीचे की रैंकिंग में पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके लिए विद्या समीक्षा केंद्र को तकनीकी रूप से उन्नत करते हुए प्रदेश के शत-प्रतिशत विद्यालयों को इससे जोड़ा जाएगा, जिससे सभी विद्यालयों का समग्र डाटा एक क्लिक पर उपलब्ध हो सकेगा और शैक्षणिक निगरानी अधिक प्रभावी होगी। एनईपी-2020 के प्रावधानों के अनुरूप एससीईआरटी की ओर से विकसित राज्य पाठ्यचर्या को लागू किया जाएगा। इस पाठ्यचर्या में विद्यालयी शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 240 दिवस का शैक्षणिक सत्र निर्धारित किया गया है, जिसमें 200 दिवस शिक्षण,20 दिवस परीक्षा एवं मूल्यांकन और 10-10 दिवस बस्ता रहित एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित होंगे। कक्षा 11 से विद्यार्थियों को रुचि के अनुसार विषय चयन की स्वतंत्रता दी जाएगी, जिससे वे अपनी अभिरुचि और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप अध्ययन कर सकें। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डायट) के ढांचे का पुनर्गठन किया जाएगा। इसके लिए यूजीसी मानकों के अनुरूप सेवा नियमावली तैयार की जाएगी और पृथक शिक्षक संवर्ग का गठन किया जाएगा, जिससे शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार हो सके। पीजीआई रैंकिंग में सुधार के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी। निर्धारित सूचकांकों के अनुरूप विभागीय प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन की व्यवस्था की जाएगी। वहीं, जीईआर बढ़ाने के लिए विद्यालयों में भौतिक एवं मानव संसाधनों का चरणबद्ध विकास किया जाएगा तथा बालिका शिक्षा को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। नववर्ष में प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग में 6000 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत सहायक अध्यापक (बेसिक) के 1670 पद, माध्यमिक शिक्षा में प्रवक्ता के 808 पद तथा सहायक अध्यापक एलटी के एक हजार से अधिक पद शामिल हैं।इसके अतिरिक्त समग्र शिक्षा के तहत 324 लेखाकार-सह-सपोर्टिंग स्टाफ, 161 विशेष शिक्षक, 95 करियर काउंसलर एवं विद्या समीक्षा केंद्र के 18 पद भरे जाएंगे। शिक्षा विभाग के कार्यालयों एवं विद्यालयों में चतुर्थ श्रेणी के 2364 पद आउटसोर्स के माध्यम से भरे जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र, ओडिशा को लेकर कैबिनेट के फैसलों को बताया प्रगति का बड़ा कदम

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में केंद्रीय मंत्रिमंडल के दो अहम फैसलों को प्रगति की दिशा में बड़ा कदम बताया। मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ओडिशा और महाराष्ट्र से जुड़ी इन परियोजनाओं की जानकारी साझा की प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा कि ओडिशा की प्रगति को नई गति मिलेगी। केंद्रीय कैबिनेट ने ओडिशा में राष्ट्रीय राजमार्ग-326 के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण को मंजूरी दी है। इस परियोजना से गजपति, रायगढ़ा और कोरापुट जिलों में यात्रा तेज होगी और कनेक्टिविटी बेहतर बनेगी। इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे, पर्यटन और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा तथा आदिवासी क्षेत्रों में समावेशी विकास को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के लिए स्वीकृत 6-लेन नासिक-सोलापुर-अक्कलकोट ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को 'नेक्स्ट-जेनरेशन इंफ्रास्ट्रक्चर' का उदाहरण बताया।

पश्चिम बंगाल को मिली पहली महिला मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती, मनोज पंत होंगे मुख्यमंत्री के प्रिंसिपल सेक्रेटरी

एजेंसरी
कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पहली बार किसी महिला अधिकारी को मुख्य सचिव बनाया गया है। राज्य सरकार ने नंदिनी चक्रवर्ती को नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। बुधवार रात नवान्न से जारी अधिसूचना में इस फैसले की जानकारी दी गई। निवर्तमान मुख्य सचिव मनोज पंत को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का प्रिंसिपल सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है।

नंदिनी चक्रवर्ती इससे पहले गृह, पहाड़ और पर्यटन विभाग की सचिव के पद पर कार्यरत थीं। उनके स्थान पर जगदीश प्रसाद मीणा को राज्य का नया गृह सचिव बनाया गया है। नंदिनी चक्रवर्ती 1994 बैच की आईएएस अधिकारी हैं और उनकी सेवानिवृत्त जून 2029 के अंत में है। इसका मतलब है कि 2029 के लोकसभा चुनाव तक वही राज्य की मुख्य सचिव होंगी। आज एक जनवरी से मीणा औपचारिक रूप से गृह सचिव का कार्यभार संभालेंगे। मनोज पंत का कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो चुका है । राज्य सरकार के अनुरोध पर केंद्र सरकार ने उनके कार्यकाल को छह महीने के लिए

बढ़ाया था, जो 31 दिसंबर को समाप्त हो गया। ऐसे में नए साल से पहले नए मुख्य सचिव की नियुक्ति जरूरी हो गई थी। इसी क्रम में बुधवार रात प्रशासनिक एवं कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर नंदिनी चक्रवर्ती की नियुक्ति की घोषणा कर दी। नवान्न में निवर्तमान मुख्य सचिव मनोज पंत ने पुष्पगुच्छ देकर अपनी उत्तराधिकारी नंदिनी चक्रवर्ती को शुभकामनाएं दीं।

नंदिनी चक्रवर्ती को 31 दिसंबर, 2023 को राज्य का गृह सचिव बनाया गया था। वह पश्चिम बंगाल की दूसरी महिला गृह सचिव थीं। राज्य की पहली महिला गृह सचिव लीना चक्रवर्ती रही हैं, जो वाम शासन के दौरान इस पद पर थीं। नंदिनी की गृह सचिव के रूप में नियुक्ति को लेकर उस समय राजनीतिक विवाद भी हुआ था। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने इस नियुक्ति को पूरी तरह अवैध बताते हुए दावा किया था कि कई वरिष्ठ अधिकारियों को नजरअंदाज कर नंदिनी को यह जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि सरकारी नियमों में ऐसी नियुक्ति पर कोई कानूनी रोक नहीं है और यह परंपरा और प्रथा से जुड़ा मामला माना जाता है। संयोग से उसी परंपरा के तहत अब उन्हें मुख्य सचिव भी बनाया गया है, जिसमें कई वरिष्ठ अधिकारियों को सुपरसीड किया गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस प्रशासनिक फैसले को कई लोग व्यवस्था में स्थिरता बनाए रखने के तौर पर देख रहे हैं। मनोज पंत को मुख्यमंत्री का प्रिंसिपल सेक्रेटरी बनाकर एक अहम जिम्मेदारी में बरकरार रखा गया है। प्रशासन के एक वर्ग का मानना है कि यह मनोज पंत का पदोन्नयन जैसा कदम है। वे पहले की तरह मुख्यमंत्री से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यों को देखते रहेंगे। इसके साथ ही मौजूदा प्रिंसिपल सेक्रेटरी गौतम सान्याल की तबीयत खराब चल रही है, ऐसे में उनके काम का बोझ भी कम किया गया है। साथ ही उनके सेवानिवृत्त होने की स्थिति में भविष्य की व्यवस्था भी कर दी गई है।

हिन्दी केवल भाषा नहीं, राष्ट्रीय एकता की अभिव्यक्ति हैः जितेंद्र सिंह

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि हिन्दी मात्र संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय एकता, समावेशी सोच और बहुभाषी संस्कृति की सशक्त अभिव्यक्ति है। डॉ. सिंह ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। बैठक में हिन्दी के माध्यम से वैज्ञानिक ज्ञान के व्यापक प्रसार, जनभागीदारी को सुदृढ़ करने और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

डॉ. सिंह ने कहा कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में हिन्दी सलाहकार समिति की बैठक भारत की बहुभाषी परंपरा और राष्ट्रीय एकीकरण की भावना को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने मंत्रालय के सचिव और संयुक्त सचिव की सराहना करते हुए कहा कि तमिलनाडु से जुड़े अधिकारियों के नेतृत्व में मंत्रालय में हिन्दी कार्यान्वयन को नई गति मिली है। लगभग दो दशकों के बाद ऐसा सकारात्मक संयोग बना है, जिसमें तमिलनाडु से जुड़े अधिकारियों ने मंत्रालय में हिन्दी से संबंधित कार्यों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा और सशक्त हुई है। विज्ञान को आमजन तक पहुंचाने पर जोर देते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. सिंह ने कहा कि संवाद की भाषा सरल, सुलभ और सटीक होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिन्दी को बढ़ावा देते समय वैज्ञानिक शब्दावली की मौलिकता और शुद्धता बनाए रखी जाएगी, ताकि विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को किसी प्रकार की प्रतिस्पर्धात्मक कठिनाई न हो। इसके लिए अनुवाद कार्य में विषय विशेषज्ञों को भाषाविदों के साथ जोड़ा जा रहा है। उन्होंने 21वीं सदी के भारतीय वैज्ञानिकों को उचित पहचान देने की आवश्यकता पर बल देते हुए बताया कि मंत्रालय आधुनिक भारतीय वैज्ञानिकों पर एक डिजिटल रिपॉजिटरी विकसित करने पर विचार कर रहा है, जो शोध, नीति निर्माण और जनसंपर्क में सहायक होगी। सदस्यों के सुझावों पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा कि डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर राष्ट्रीय स्तर की क्विज प्रतियोगिताएं और चुनौती-आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। डीप ओशन मिशन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महत्व की योजनाओं पर आधारित छात्र-केंद्रित गतिविधियां युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक होंगी। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में हिन्दी का विस्तार स्वाभाविक और मांग-आधारित रहा है।

भारतीय खेलों के लिए व्यस्त रहेगा 2026, टी20 विश्व कप सहित इन खेलों पर रहेगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय खेलों के लिए वर्ष 2026 रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहने वाला है जिसमे विभिन्न खेलों में विश्व खिताब दाव पर होंगे और ओलंपिक क्वालीफिकेशन का नया सत्र शुरू होगा जिससे लॉस एंजिलिस खेल 2028 के टिकट कटाने का मौका मिलेगा। भारत के नए और पुराने खिलाड़ी अगले साल की चुनौतियों के लिए तैयार हो रहे हैं, ऐसे में नए साल के खेल कैलेंडर पर नजर डाली है।

अंडर-19 विश्व कप, टी20 विश्व कप

साल की पहली तिमाही क्रिकेट को समर्पित होगी क्योंकि देश के पसंदीदा खेल में इस साल तीन विश्व कप हैं। यह 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में 50 ओवर के अंडर-19 विश्व कप से शुरू होगा, जहां वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे उभरते हुए युवा सितारों पर करीब से नजर रखी जाएगी।

अंडर-19 विश्व कप फाइनल के एक दिन बाद सीनियर पुरुष टीम भारत और श्रीलंका की मेजबानी में 7 फरवरी से 8 मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब के बचाव के लिए उतरेगी।

आस्ट्रेलियाई ओपन 12 जनवरी से एक फरवरी के बीच आयोजित होगा लेकिन भारत की चुनौती असरदार नहीं है। बैडमिंटन आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप तीन मार्च से शुरू होगी जिसमें पी वी सिंधू और बाकी भारतीय खिलाड़ी 2025 की नाकामी से उबरना चाहेंगे।

भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है कि एक मार्च से ऑस्ट्रेलिया में शुरू हो रहे एएफसी महिला एशियाई कप में लंबे समय बाद भारतीय टीम खेलते नजर आएगी।

एशियाई मुक्केबाजी और भारोत्तोलन चैम्पियनशिप, महिला टी20 विश्व कप

मार्च के आखिर से अप्रैल तक साइप्रस में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट खेला जाएगा जिससे विश्व चैम्पियनशिप खिताब के चैलेंजर का पता चलेगा। अभी भारत के डी गुकेश विश्व चैम्पियन हैं।

मंगोलिया में एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप खेली जाएगी। दोनों टूर्नामेंट 28 मार्च से शुरू होंगे जिसमें ओपन वर्ग में भारत के आर प्रज्ञानानंदा और महिला वर्ग में आर वैशाली, कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख भाग लेंगे। शतरंज टूर्नामेंट 16 अप्रैल तक चलेगा और मुक्केबाजी टूर्नामेंट 11 अप्रैल को खत्म होगा।

एशियाई भारोत्तोलन चैम्पियनशिप एक से 10 अप्रैल तक अहमदाबाद में खेली जाएगी।

इसके बाद 24 अप्रैल से तीन मई तक थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन खेला जाएगा।

इसके कुछ दिन बाद आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैम्पियनशिप फाइनल्स लंदन में 28 अप्रैल से दस मई तक चलेगा जिसके लिए भारतीय महिला और पुरूष टीमों ने क्वालीफाई कर लिया है।

जून में महिला टी20 विश्व कप होगा जिसमें हरमनप्रीत कौर की टीम 2025 में वनडे विश्व कप की सफलता को दोहराना चाहेगी।

एथलेटिक्स सत्र की शुरूआत मई में डायमंड लीग से होगी जिसमें भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा पर नजरें होंगी।

मई में फ्रेंच ओपन और जून में विम्बलडन खेला जायेगा।

इसके बाद अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से फीफा विश्व कप फुटबॉल का आयोजन होगा।

राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और डायमंड लीग

राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से दो अगस्त तक ग्लास्गो में आयोजित होंगे जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन में देखने को मिलेगा। निशानेबाजी, कुश्ती और हॉकी जैसे खेलों को बजट में कटौती के लिए रोस्टर से हटा दिया गया है।

इन खेलों के बाद दिल्ली में 17 अगस्त से विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप होनी है। नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 अगस्त से हॉकी विश्व कप शुरू होगा। भारतीय पुरूष टीम एशिया कप जीतकर विश्व कप का टिकट कटा चुकी है जबकि महिला टीम मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलेगी।

इसी दौरान भुवनेश्वर में 22 अगस्त से विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर रजत स्तर का टूर्नामेंट होगा। जापान के नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक एशियाई खेलों का आयोजन होगा। इसमें हॉकी में स्वर्ण जीतने वाली टीम लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का टिकट कटायेगी जबकि निशानेबाजी में भी कोटा स्थान होंगे।

एथलेटिक्स में डायमंड लीग फाइनल चार से पांच सितंबर तक ब्रसेल्स में होगा।

शतरंज ओलंपियाड का 46वां सत्र सितंबर में ताशकंद में खेला जाएगा।

कुश्ती, भारोत्तोलन और आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप

बहरीन में 24 अक्टूबर से विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप होगी।

इसके बाद भारोत्तोलन विश्व चैम्पियनशिप 27 अक्टूबर से आठ नवंबर तक खेली जाएगी।

एक नवंबर से दोहा में ढ्रुस्स्न विश्व चैम्पियनशिप होगी।

दिसंबर में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप होगी जिसकी तारीख और स्थान अभी तय नहीं है।

राशिद की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी अफगानिस्तान की टीम

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने अगले माह भारत और श्रीलंका मे होने वाले टी-20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी स्टार स्पिनर राशिद खान को दी गयी जबकि इब्राहिम जादरान को उपकप्तान बनाया गया है। अफगान टीम को विश्वकप से पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलनी है।

विश्वकप के लिए फजलहक फारूकी और गुलबदीन नईब को टीम में शामिल किया गया है। इन दोनो को ही इससे पहले हुए बांग्लादेश दौरे के लिए भी शामिल नहीं किया गया था। वहीं मुजीब उर रहमान और नवीन-उल-हक को भी टीम में शामिल किया गया है।

नवीन इससे पहले एशिया कप के दौरान फिटनेस कारणों से टीम से बाहर थे।

वहीं युवा मिस्ट्री स्पिनर गजनफर को रिजर्व खिलाड़ियों में रखा गया है। उनके साथ इजाज अहमदजई और जिया उर रहमान शरीफी को भी रिजर्व सूची में शामिल किया है।।

अफगान टीम पिछली बार टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंची थी। उसने तब न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को पराजित किया था।

वहीं विश्वकप से पहले अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच 19 से 22 जनवरी तक टी-20 सीरीज खेली जाएगी। टी-20 विश्व कप 2026 में अफगानिस्तान को ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, यूएई और कनाडा के साथ रखा गया है।

टी-20 विश्वकप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित , मिचेल मार्श होंगे कप्तान

मेलबन (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अगले माह भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप के लिए अपनी संभावित 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम का कप्तान मिचेल मार्श को बनाया गया है। इसमें पहली बार तीन स्पिनरों को भी शामिल किय गया है। गेंदबाजी पर ज्यादा भरोसा जताया है। टीम में हालांकि आक्रामक बल्लेबाज मिचेल ओवेन को शामिल नहीं किये जाने पर सभी हैरान हैं। टीम में बाएं हाथ के किसी भी तेज गेंदबाज को शामिल नहीं किया गया है।

टीम में स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमन , ऑलराउंडर कूपर कोनोली और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को पहली बार शामिल किया गया है। कोनोली को शामिल किये जाने से सभी हैरान हैं क्योंकि वह पिछले 12 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में शामिल नहीं थे। तेज गेंदबाज पैट कमिंस के अलाव टीम में ऑलराउंडर के तौर पर ग्लेन मैक्सवेल और कैमरन ग्रीन शामिल हैं। गेंदबाजी के लिए कमिंस के साथ तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के अलावा स्पिनर एडम जम्पा और मार्कस स्टोइनिस रहेंगे।

मार्श-हार्डी ने हरिकेंस की घरेलू जीत का सिलसिला रोका, नए साल पर खेली रिकॉर्ड तोड़ पारी

होबार्ट (एजेंसी)। एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग नए साल के दिन के मुकाबले में पर्थ स्कॉर्चर्स ने बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए होबार्ट हरिकेंस को 40 रनों से हरा दिया और घर पर उनकी लगातार 9 मैचों की जीत का सिलसिला खत्म कर दिया। मिशेल मार्श और आरोन हार्डी ने मिलकर 164 रनों की ऐतिहासिक साझेदारी की, जिससे स्कॉर्चर्स ने 229/3 का विशाल स्कोर बनाया - इस सीजन में यह उनका तीसरा 200 से ज़्यादा का स्कोर था - जिसके बाद गेंदबाजों ने मिलकर हरिकेंस को 189/9 पर रोक दिया।

हरिकेंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, यह फैसला शुरू में सही लग रहा था जब नाथन एलिस ने फिन एलन को 16 रन पर आउट किया और मिशेल ओवेन ने कूपर कॉनोली को सिर्फ 4 रन पर आउट कर दिया। छठे ओवर की शुरुआत में जब स्कॉर्चर्स 2 विकेट पर 53 रन बनाकर लड़खड़ा रहे थे, तो हरिकेंस का पलड़ा भारी लग रहा था। हालांकि, जब मैथ्यू वेड ने 18 रन पर मिशेल मार्श का कैच छोड़ दिया, तो मैच का रुख पूरी तरह से बदल गया। यह हरिकेंस के लिए एक महंगा मौका था, क्योंकि मार्श एक आक्रामक बल्लेबाज बन गए।

मार्श ने 58 गेंदों में शानदार 102 रन बनाए, इस पारी में उन्होंने जिस पहली गेंद का सामना किया, उस पर क्रिस जॉर्डन को एक बड़ा छक्का लगाया। उनके साथ हार्डी ने एक शानदार सहायक भूमिका निभाई और सिर्फ 43 गेंदों में 94 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने मिलकर सिर्फ 84 गेंदों में तीसरे विकेट के लिए BBL में एक नया साझेदारी रिकॉर्ड बनाया। उनकी शानदार हिटिंग के सामने हरिकेंस के गेंदबाजों के पास कोई जवाब नहीं था; जॉडर्न और रिले मेरेडिथ जैसे अनुभवी गेंदबाज भी दबाव में आ गए। मार्श आखिरकार आखिरी ओवर में बाउंड्री पर कैच आउट हो गए, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था क्योंकि पर्थ ने मेजबान टीम के सामने एक बड़ा लक्ष्य रखा था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में विराट बना सकते हैं रिकार्ड

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग का रिकार्ड तोड़ने का अवसर है। सहवाग और पोंटिंग ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय में सबसे अधिक छह-छह शतक लगाये हैं। वहीं विराट के नाम भी अभी छह शतक ही हैं। ऐसे में आने वाली तीन मैचों की सीरीज में एक और शतक लगाते ही वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा एकदिवसीय शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। ऐसा करके वह सहवाग और रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ देंगे, भारत और न्यूजीलैंड के बीच एकदिवसीय सीरीज 11 जनवरी से शुरू होगी। विराट का कीवी टीम के खिलाफ रिकार्ड अच्छा रहा है। उन्होंने कीवी टीम के खिलाफ एकदिवसीय में 1600 से ज्यादा रन बनाये हैं।

शमी की न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से भारतीय टीम में हो सकती है वापसी

मुम्बई (ईएमएस)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अब नये साल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से अवसर मिल सकता है। शमी की साल 2025 में लगातार उपेक्षा हुई, इसके अलावा वह फिटनेस को लेकर भी परेशान रहे जिससे भी उनके भविष्य को लेकर सवाल उठे हैं। वहीं शमी ने इसके बाद घरेलू क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से फार्म और फिटने को साबित किया। वहीं माना जा रहा है कि इस गेंदबाज को इस साल चयनकर्ता अवसर दे सकते हैं। इससे 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए उनकी वापसी होने की उम्मीद है। शमी के घरेलू प्रदर्शन पर चयनकर्तों की नजरें बनी हुई हैं। ऐसे में उनकी टीम में वापसी कठिन नहीं मानी जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसान शमी पर लगातार चर्चा हो रही है ।वह चयन की दौड़ से बाहर नहीं हैं। स चिंता उनकी फिटनेस को लेकर है। ह न्यूजीलैंड एकदिवसीय सीरीज लिए अच्छे दिख रहे हैं। ऐसे में उन्हें इस सीरीज में भी अवसर मिल सकता है। उनके पास लंबा अनुभव है जिसका लाभ लिया जा सकता है। शमी ने अंतिम बार मार्च 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था उसके बाद से ही वह टीम में वापसी नहीं कर पाये। वह वह टूर्नामेंट में मोहम्मद शमी भारत के संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। उन्होंनइ इसी टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम मैच था, जबकि टेस्ट में जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद से ही टीम से बाहर हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपने पिछले छह मैचों (तीन विजय हजारे ट्रॉफी और तीन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी) में 17 विकेट लिए हैं।

रांची रॉयल्स और तमिलनाडु ड्रैगन्स का उत्कृष्ट प्रदर्शन और मजबूत रक्षापंक्ति पर फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2026 सीजन के लिए रांची रॉयल्स और अकॉड 'तमिलनाडु ड्रैगन्स गति, उत्कृष्ट प्रदर्शन, आक्रामक शैली और मजबूत रक्षापंक्ति पर फोकस कर रही है। जहां रॉयल्स गति, उत्कृष्ट प्रदर्शन और आक्रामक शैली पर फोकस किये हुए है, वहीं ड्रैगन्स ने शीर्ष स्तर की गोलकीपिंग और भरोसेमंद पेनल्टी-कॉर्नर विकल्प के साथ एक मजबूत रक्षापंक्ति बनाने पर जोर है।

गोनासिका की जगह लीग में इस बार रांची रॉयल्स नई फ्रेंचाइजी के तौर पर प्रवेश कर रही है। उसने एक ऐसी टीम बनाई है जो मिडफील्ड में लचीलेपन और मैदान में तेज गतिविधि पर जोर देती है। 400 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी मनप्रीत सिंह पर टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी है। मुख्य कोच हरेंद्र सिंह के अंडर, रॉयल्स ने मनप्रीत को 2025 एफआईएच प्लेयर ऑफद ईयर बेल्जियम के टॉम बून के साथ जोड़ा है। यह एक ऐसी मिडफील्ड जोड़ी है जो मैचों की लय को नियंत्रित कर सकती है।

वहीं रक्षापंक्ति की बात की जाए तो रॉयल्स ने अनुभवी भारतीय डिफेंडर नीलम संजीव जेस के साथ बेल्जियम के डिफेंडर मैक्सिम वैन ऊट्स और ऑस्ट्रेलिया के टिम हॉवड 'को शामिल करके अपनी बैकलाइन को मजबूत किया है। आक्रामक प्रदर्शन के मामले में रॉयल्स मंदीप सिंह की फिनिशिंग काबिलियत और युवा फॉरवर्ड 'अराजित सिंह हुंडल की गति और शक्ति पर भरोसा करेंगे। रांची रॉयल्स अपना अभियान चार जनवरी को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में वेदांता कलिंगा लांसर्स के खिलाफशुरू करेंगे।

इस बीच एकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स 2025 में अपने सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए रक्षापंक्ति और कॉर्नर, फ्री-किक, या थ्रो-इन जैसी रुकी हुई गेंदों से गोल करने या बचाव करने की टीम की क्षमता (सेट-पीस एफिशिएंसी) पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। दुनिया के सबसे भरोसेमंद रक्षकों में से एक, कप्तान अमित रोहिदास की अगुवाई में ड्रैगन्स लीग के सबसे मजबूत गोलकीपिंग ग्रुप में से एक हैं। जो दो बार एफआईएच गोलकीपर ऑफ द ईयर रहे आयरलैंड के डेविड हार्ट टीम के गोलकीपर हैं, उनके साथ प्रिंस दीप सिंह भी हैं, जिन्होंने 2025 जूनियर वल्ड 'कप में शूटआउट में शानदार प्रदर्शन किया था।

आक्रमण के लिए ड्रैगन्स ऑस्ट्रेलिया के ब्लेक गोवर्स पर भरोसा है। मिडफील्ड में मोहम्मद राहील मौसीन और जर्मनी के पॉल कॉफमैन उनका साथ देते हैं, जो टीम को स्ट्रक्चर और अनुशासन देते हैं। अकॉड 'तमिलनाडु ड्रैगन्स तीन जनवरी को हैदराबाद तूफान्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर सीजन की शुरुआत करेगी। घरेलू समर्थन के साथ वह जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगे।

दोनों टीमें :

रांची रॉयल्स टीम : सूरज करकेरा, पंकज कुमार रजक, आमिर अली, जोशुआ बेल्ट्ज़ (ऑस्ट्रेलिया), नीलम संजीव ज़ेस, अनमोल एक्का, मनप्रीत सिंह, टॉम बून (बेल्जियम), विष्णुकांत सिंह, यशदीप सिवाच, मुस्तफा कैसिएम (दक्षिण अफ्रीका), अरजीत सिंह हुंदल, मनदीप सिंह, टिम हॉवर्ड (ऑस्ट्रेलिया), मैक्सिम वैन ऊट्स (बेल्जियम), रवनीत सिंह, मनमीत सिंह राय, जैक वालर (इंग्लैंड), सैम लेन (न्यूजीलैंड), आशीष पूर्ति।

अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स टीम : डेविड हार्टे (आयरलैंड), प्रिंसदीप सिंह, अमित रोहिदास, पॉल कॉफमैन (जर्मनी), सैंडर डी विजन (नीदरलैंड), आनंद लाकड़ा, पृथ्वी जीएम, टॉम सोर्स्बी (ग्रेट ब्रिटेन), टॉम क्रेग (ऑस्ट्रेलिया), मोहम्मद राहील मौसीन, शेषे गौड़ा, चंदन यादव, अरुण जे, एड्रोहित एक्का, सुशील धनवार, ब्लेक गोवर्स (ऑस्ट्रेलिया), सेल्वम कार्थी, नाथन एफ्राम्स (ऑस्ट्रेलिया), उत्तम सिंह, के सेल्वराज।

रियल मैड्रिड को लगा बड़ा झटका, ला लीगा मैच से पहले एमबाप्पे के घुटने में लगी चोट

मैड्रिड । रियल मैड्रिड ने पुष्टि की है कि टॉप स्कोरर किलियन एमबाप्पे को ट्रेनिंग के दौरान घुटने में चोट लग गई है। इस वजह से वह रविवार को बेटिस के खिलाफ घर पर होने वाले ला लीगा मैच से बाहर रहेंगे और सऊदी अरब में होने वाले स्पेनिश सुपरकप में भी उनके खेलने पर संदेह है। क्लब ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर बताया, 'हमारे खिलाड़ी किलियन एमबाप्पे पर रियल मैड्रिड मेडिकल सर्विसेज द्वारा आज किए गए टेस्ट के बाद, उनके बाएं घुटने में मोच का पता चला है।' जैसा कि रियल मैड्रिड के साथ आम तौर पर होता है, मेडिकल रिपोट 'में यह नहीं बताया गया कि फ्रांसीसी स्ट्राइकर कब वापसी करेंगे, बस इतना कहा गया कि 'उनकी प्रगति पर नजर रखी जाएगी।' यह तथ्य कि रियल मैड्रिड 8 जनवरी को जेद्दा में सुपरकप के दूसरे सेमीफाइनल में एटलेटिको के खिलाफ खेलेगा, इसका मतलब है कि उनके पास ठीक होने के लिए बहुत कम समय है और उन्हें इस प्रतियोगिता के लिए एक बड़ा संदिग्ध माना जाना चाहिए, जिसका फाइनल 11 जनवरी को है। ज्यादातर का मानना है कि सऊदी अरब में रियल मैड्रिड के कोच जाबी अलोंसो की नौकरी दांव पर लगी है और टीम अपने स्टार खिलाड़ी के बिना अलोंसो के भविष्य के लिए खेल सकती है। एमबाप्पे ने इस सीजन में रियल मैड्रिड के 25 मैचों में से 24 में खेला है, जिस एकमात्र मैच में वह नहीं खेले थे, उसमें चैंपियंस लीग में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ घर पर 2-1 से हार मिली थी। उन्होंने 18 ला लीगा मैचों में 18 गोल (रियल मैड्रिड के कुल 36 गोल का आधा) और पांच चैंपियंस लीग खेलों में नौ और गोल किए हैं।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में नए साल पर धमाल मचाने के लिए तैयार है टेनिस

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। नया साल शुरू होते ही टेनिस हमेशा की तरह ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में धमाल मचाने के लिए तैयार है जिसका मुख्य आकर्षण 18 जनवरी से शुरू होने वाला ऑस्ट्रेलियाई ओपन होगा। ATP और WTA के 2025 फाइनल्स के छह सप्ताह से कुछ अधिक समय बाद पुरुष और महिला टूर के खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड पहुंच रहे हैं, जहां वे मेलबर्न में वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट से पहले दो सप्ताह तक विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।

इनमें सबसे महत्वपूर्ण यूनाइटेड कप है जो मिश्रित टीम टूर्नामेंट है और शुक्रवार से शुरू होकर 11 जनवरी को समाप्त होगा। यह टूर्नामेंट पर्थ और सिडनी में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया के शीर्ष 10 पुरुष और महिला खिलाड़ियों में से चार-चार खिलाड़ी भाग लेंगे। इनमें कोको गॉफ, टेलर फ्रिट्ज, एलेक्स डी मिनौर, इगा स्वियातेक, अलेक्जेंडर ज़्वेरेव, जैस्मीन पाओलिनी और फेलिक्स ऑगर एलियासिमे शामिल हैं।

इसके अलावा 2026 के पहले सप्ताह के दौरान ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में मौजूदा चैंपियन एरिना सबलेंका मुख्य आकर्षण होंगी, जो दुबई में निक किर्गियोस के खिलाफ 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' प्रदर्शनी मैच खेलकर आ रही हैं। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले होने वाले टूर्नामेंटों में पुरुष टेनिस के दो सबसे बड़े नाम विश्व रैंकिंग में पहले नंबर पर काबिज कार्लोस अल्काराज़ और दूसरे नंबर के यानिक सिनर नहीं खेलेंगे।

अल्काराज और सिनर ने पिछले 10 ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों में से 9 जीते हैं। उन्होंने 10 जनवरी को दक्षिण कोरिया के इंचियोन में एक प्रदर्शनी मैच खेलने का फैसला किया है। इसके बाद उम्मीद है कि वे मेलबर्न पार्क में अपनी तैयारियां शुरू करने के लिए ऑस्ट्रेलिया आएंगे। अल्काराज 7 साल बाद अपना पहला ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट लंबे समय तक अपने कोच रहे जुआन कार्लोस फेरेरो के बिना खेलेंगे। स्पेन के खिलाड़ी ने हाल ही में अपने कोच से अलग होने की घोषणा की थी। अल्काराज ने अभी तक अपने नए कोच के नाम की घोषणा नहीं की है।

यूनाइटेड कप में भाग लेने वाले अन्य खिलाड़ियों में एम्मा राडुकानु, नाओमी ओसाका, स्टेफानोस सिटसिपास और स्टेन वावरिंका शामिल हैं। वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि साल 2026 उनका टूर पर आखिरी साल होगा। यूनाइटेड कप की शुरुआत शुक्रवार को पर्थ में यूनान और जापान के बीच होने वाले मैच से होगी।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में सबालेंका के अलावा अमांडा अनिसिमोवा, डब्ल्यूटीए फाइनल चैंपियन एलेना रायबाकिना, मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन मैडिसन कीज़, जेसिका पेगुला और मीरा एंड्रीवा भी भाग लेंगी। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अभ्यास के तौर पर होने वाला एक अन्य टूर्नामेंट ATP-WTA एडिलेड इंटरनेशनल 12 से 17 जनवरी तक खेला जाएगा जिसका मुख्य आकर्षण 24 बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नोवाक जोकोविच होंगे। ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट में भी एक WTA 250 टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा।

न्यूजीलैंड के ऑकलैंड शहर में पांच से 11 जनवरी तक महिला टेनिस टूर्नामेंट (WTA) आयोजित किया जाएगा। इसके बाद 12 से 17 जनवरी तक उसी स्थान पर एटीपी टूर्नामेंट खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई ओपन शुरू होने से कुछ दिन पहले किर्गियोस और फ्रांसिस टियाफो मेलबर्न के कूयोंग में एक प्रदर्शनी मैच भी खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से इतर हांगकांग में पांच से 11 जनवरी तक एक एटीपी टूर्नामेंट खेला जाएगा।

सिडनी टेस्ट के बाद खेल को अलविदा कह देंगे ख्वाजा : क्लार्क

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि अंतिम एशेज टेस्ट के साथ ही अनुभवी सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा संन्यास की घोषणा कर देंगे। क्लार्क ने कहा कि ख्वाजा पिछले काफी समय से अपनी फार्म और फिटनेस से जूझ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की एशेज सीरीज का अंतिम टेस्ट मैच चार जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। इस सीरीज में ख्वाजा ने अब तक तीन टेस्ट मैच खेले हैं पर वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ट्रैविस हेड और जेक वेदराल्ड के अच्छे प्रदर्शन के कारण उन्हें तीनों ही मैचों में मध्यक्रम में उतरना पड़ा था। साल 2025 ख्वाजा के लिए अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने उसमें 10 टेस्ट मैचों में कुल 614 रन बनाए थे। ख्वाजा की बढ़त उम्र के कारण भी वह संन्यास के करीब हैं। उन्हें पर्थ में पहले एशेज टेस्ट के दौरान करियर में पहली बार पीठ में अकड़न भी हुई थी। चोट के कारण वह दूसरा टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे। हालांकि, उन्होंने तीसरे मैच में वह वापसी करने में सफल रहे थे। वह मेलबर्न में चौथे मैच में फ्लॉप रहे। क्लार्क का मानना ??है कि उस्मान को सिडनी टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की अंतिम ग्यारह में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह ख्वाजा का फेयरवेल टेस्ट होगा। मुझे उम्मीद है कि वह इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

निमरत ने कौर मांगा आशीर्वाद

फिल्म और वेब सीरीज की चमक-दमक भरी दुनिया में रहने वाले सितारे अक्सर चर्चाओं में बने रहते हैं, कभी प्रोजेक्ट्स को लेकर, तो कभी निजी जिंदगी को लेकर। इस कड़ी में अभिनेत्री निमरत कौर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर वेकेशन को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने प्रसिद्ध शंकराचार्य मंदिर में पूजा-अर्चना की और आने वाले साल के लिए शुभकामनाएं मांगीं। निमरत कौर ने इंस्टाग्राम पर मंदिर का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें शंकराचार्य मंदिर की भव्यता और आसपास की प्राकृतिक सुंदरता की झलक देखने को मिल रही है। वीडियो के साथ निमरत ने एक भावुक कैप्शन भी लिखा। अभिनेत्री ने कहा, 'यह 2025 का आखिरी सोमवार था, और ऐसे पवित्र दिन पर भगवान शिव के दर्शन करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने लिखा, ''इस साल मुझे जो भी आशीर्वाद और मौके मिले, उसके लिए मैं दिल से आभारी हूं और भगवान शिव की कृपा से आने वाला साल सभी के लिए सकारात्मक और उज्ज्वल हो। वीडियो में निमरत कौर को बेहद सादगी भरे अंदाज में देखा जा सकता है।

निमरत कौर ने अपने प्रशंसकों के साथ मुलाकात भी की

मंदिर यात्रा के दौरान निमरत कौर ने अपने प्रशंसकों के साथ भी मुलाकात की। वीडियो में वह फैंस के साथ सेल्फी लेती हुई और उनसे बातचीत करती नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर उनके इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। एक तरफ निजी जिंदगी में वह वेकेशन का लुत्फ उठा रही हैं, तो वहीं पेशेवर जिंदगी में वह हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'द फैमिली मैन सीजन 3' में अपने किरदार मीरा को मिल रही सराहना का आनंद ले रही हैं। सीरीज में वह नेगेटिव किरदार में नजर आई थी।

फिल्मों को अब चिल्लाने की जरूरत नहीं

दर्शक बारीकियों को समझने लगे हैं

अभिनेत्री वामिका गब्बी का मानना है कि पिछले कुछ दशकों में भारतीय सिनेमा में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि दर्शक अब बारीकियों को समझने लगे हैं। वामिका ने बताया कि अब कहानी कहने को वह सम्मान और जगह मिल रही है, जिसकी वह हकदार थी। 21वीं सदी की पहली तिमाही खत्म होने पर उन्होंने समकालीन सिनेमा की तारीफ करते हुए कहा, अब शांत और बारीक कहानियां भी दर्शकों तक पहुंच रही हैं, जिन्हें असर डालने के लिए जोर-जोर से चिल्लाने की जरूरत नहीं पड़ती। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह है कि कहानी कहने को कितनी जगह मिली है। पिछले कुछ दशकों ने शांत कहानियों, कमजोर किरदारों और ऐसी भावनाओं को जगह दी है, जिन्हें सुनाने के लिए चिल्लाना नहीं पड़ता। अभिनेत्री वामिका गब्बी का कहना है कि आज का भारतीय सिनेमा पहले से ज्यादा समावेशी और संवेदनशील हो गया है। वह मानती हैं कि आने वाले समय में यह और भी बेहतर होगा, क्योंकि दर्शक अब गहरी और बारीक कहानियों को सराहने लगे हैं। सिनेमा अब मनोरंजन तक सीमित नहीं है। उन्होंने आगे बताया कहा, टेक्नोलॉजी ने फिल्मों को तेजी से और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में मदद की, लेकिन असली बदलाव दर्शकों का भरोसा है। आज का दर्शक बारीकियों और जटिलता को समझने के लिए तैयार है। अब ऐसी परफॉर्मेंस और कहानियां जगह बना रही हैं जो धीरे-धीरे खुलती हैं और लंबे समय तक याद रहती हैं। वामिका के अनुसार, यह बदलाव सिनेमा को नई दिशा दे रहा है। वामिका गब्बी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करीना कपूर और शाहिद कपूर की फिल्म जब वी मेट से की थी। इसके बाद पंजाबी सिनेमा में कई फिल्में कर खुद को लीडिंग अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। वामिका तमिल, मलयालम समेत अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

कृति खरबंदा ने व्हाट्सएप धोखाधड़ी को लेकर फैंस को दी चेतावनी

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा ने हाल ही में एक गंभीर साइबर धोखाधड़ी मामले को लेकर अपने फैंस और फॉलोअर्स को सतर्क किया है। अभिनेत्री ने खुलासा किया है कि कोई अज्ञात व्यक्ति व्हाट्सऐप पर उनके नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर लोगों से संपर्क कर रहा है। इस पहचान की चोरी की जानकारी कृति ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी के ज़रिए साझा की। कृति ने संदिग्ध व्हाट्सएप चैट का स्क्रीनशॉट पोस्ट करते हुए साफ किया कि वह नंबर उनका नहीं है। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'यह ठीक नहीं है। यह बिल्कुल भी सही नहीं है। यह मेरा नंबर नहीं है। किसी और की पहचान बनकर सामने आना साफ तौर पर पहचान की चोरी है। सतर्क रहें।' हालांकि कृति की पोस्ट पर फैंस ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और उन्हें जानकारी देने के लिए धन्यवाद कहा।

प्रभास की द राजा साब में मालविका मोहनन की एंट्री

टीम द राजा साब ने आधिकारिक तौर पर मालविका मोहनन के किरदार भैरवी का खुलासा कर दिया है, और इस अनाउंसमेंट ने फिल्म के प्रमोशन में एक बड़ा ट्विस्ट जोड़ दिया है. भैरवी को एक रहस्यमयी, स्टाइलिश और दमदार शख्सियत के रूप में पेश किया जा रहा है, जिससे फिल्म की कहानी के प्रति जिज्ञासा और भी बढ़ गई है। इंडिया की सबसे बड़ी आने वाली हॉरर फैंटेसी कही जा रही इस फिल्म के लिए यह अनावरण उत्सुकता को एक नए लेवल पर ले गया है। नए पोस्टर में मालविका मोहनन शीर ब्लैक साड़ी, स्टेटमेंट ब्लाउज, लेयर्ड ब्रेसलेट्स, टेक्सचर्ड हैंडबैग और सनग्लासेस को स्टाइल के साथ उठाते हुए नजर आ रही हैं. उनकी शांति भरी नजरें और आत्मविश्वासी अंदाज एक साथ एलीगेंस और खतरनाक आकर्षण दोनों को बखूबी दिखाते हैं. पीछे दिखता सूना सा कॉरिडोर माहौल को और भूतिया बनाता है और साफ दिखाता है कि भैरवी फिल्म के रहस्य में एक बेहद अहम किरदार है। गानों और ट्रेलर को मिल रही जोरदार दर्शक प्रतिक्रिया के बाद द राजा साब लगातार जबरदस्त गति पकड़ रहा है. दर्शक फिल्म के संगीत, विजुअल भव्यता और नए टोन की खूब तारीफ कर रहे हैं. खास तौर पर लोग प्रभास को एक नए, हल्के लेकिन लेयर्ड अंदाज में देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं, जहां उनका चार्म कहानी की रहस्यमय सुपरनैचुरल दुनिया के साथ मिलता है। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में 9 जनवरी 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

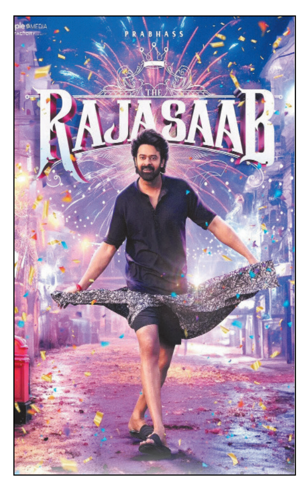

साल 2025 में इन सात टीवी स्टार्स ने की वापसी, स्मृति ईरानी से लेकर शिल्पा शिंदे का नाम शामिल

साल 2025 टीवी जगत के लिए खास रहा, क्योंकि कई पॉपुलर स्टार्स लंबे ब्रेक के बाद छोटे पर्दे पर लौटे। इनमें स्मृति ईरानी, शिल्पा शिंदे और शरद केलकर जैसे कई स्टार्स के नाम शामिल हैं। फैंस इनकी वापसी से काफी खुश हुए और कई शोज की टीआरपी भी बढ़ी। आइए जानते हैं कि इन स्टार्स ने किस सीरियल से कब और कैसे कमबैक किया।

शिल्पा शिंदे

शिल्पा शिंदे ने अपनी मशहूर भूमिका अंगूरी भाभी के साथ कमबैक किया। वह भाबी जी घर पर हैं 2.0 में दिसंबर 2025 से नजर आईं। शो ×अङ्क पर 22 दिसंबर 2025 से शुरू हुआ। शिल्पा की वापसी से शो की टीआरपी में उछाल आया और फैंस काफी उत्साहित हैं।

स्मृति ईरानी

लंबे समय बाद इस साल स्मृति ईरानी ने अपनी आइकॉनिक भूमिका तुलसी विरानी के साथ वापसी की। उन्होंने एकता कपूर के पॉपुलर शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में जुलाई 2025 से मुख्य भूमिका निभाई। यह शो स्टार प्लस पर 29 जुलाई 2025 से शुरू हुआ। स्मृति की वापसी ने पुरानी यादें ताजा कर दीं और शो हिट साबित हो रहा है।

शरद केलकर

शरद केलकर ने आठ साल बाद टीवी पर वापसी की। उन्होंने जी टीवी के शो तुम से तुम तक में जुलाई 2025 से आर्यवर्धन की मुख्य भूमिका निभाई। यह शो 7 जुलाई 2025 से शुरू हुआ और इसमें अनोखी लव स्टोरी दिखाई गई।

माही विज

माही विज ने नौ साल बाद टीवी पर कमबैक किया। वह कलर्स टीवी के शो सेहर होने को है में दिसंबर 2025 से कौसर (एक बहादुर मां) की भूमिका में नजर आईं। फैंस उनकी इमोशनल परफॉर्मेंस से काफी खुश हुए।

रिद्धिमा पंडित

रिद्धिमा पंडित ने पांच साल बाद कमबैक किया। वह सोनी सब के शो उफ्फ ये लव है मुश्किल में अगस्त 2025 से शब्बीर अहलूवालिया की एक्स-वाइफ की नेगेटिव भूमिका में नजर आईं। फैंस को उनका नया अवतार काफी पसंद आया।

गौरव चोपड़ा

गौरव चोपड़ा ने पांच साल के ब्रेक के बाद सोनी सब के शो पुष्पा इंपॉसिबल में मई 2025 से प्रोफेसर राजवीर शास्त्री की भूमिका निभाई। उनका किरदार तेज और सनकी प्रोफेसर का था, जो शो में नया ट्विस्ट लाया।

दो फिल्मों के साथ हॉरर, रोमांस और म्यूजिकल थ्रिलर की शुरुआत करने जा रही हैं ख्याति मदान

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काफी समय से हॉरर जॉनर चर्चा का विषय बना हुआ है। इसे लेकर ओरिजिनल कंटेंट भी गढ़ा जा रहा है। इसी ट्रेंड को अब निर्माता ख्याति मदान भी आगे बढ़ा रही हैं। वह पहले शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट डिज्नी इंडिया और मैडॉक फिल्म्स जैसी बड़ी कंपनियों में मार्केटिंग स्पेशलिस्ट रह चुकी हैं। ख्याति अब प्रोड्यूसर बन गई हैं। वह अपने प्रोडक्शन हाउस नॉट आउट एंटरटेनमेंट के जरिए दो फिल्मों के साथ बड़े पैमाने पर हॉरर, रोमांस और म्यूजिकल थ्रिलर की शुरुआत करने जा रही हैं। उनकी पहली फिल्म अभूतपूर्व, एक रोमांटिक हॉरर कॉमेडी है जो इसी महीने शुरू होगी। इसमें लीड में रोल में बंदिश बैंडिट्स फेम ऋत्विक भौमिक हैं। अभूतपूर्व छोटे शहर की मासूम मोहब्बत और मजेदार हॉरर कॉमेडी है। ख्याति के अनुसार, अभूतपूर्व नवंबर के अंतिम हफ्ते में आगरा में फ्लोर पर जाएगी।

फिल्म अभूतपूर्व से हो रहा है ऋत्विक का थिएट्रिकल डेब्यू

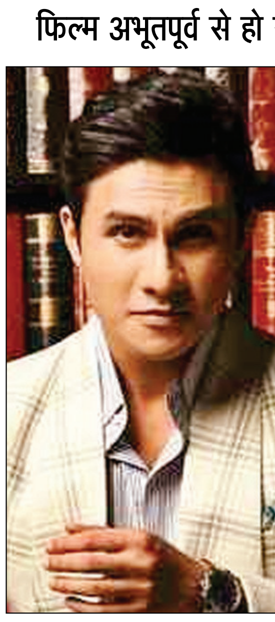

अभूतपूर्व फिल्म 1991 के दौर में सेट है। ऋत्विक भौमिक का इससे थिएट्रिकल डेब्यू होगा। निर्माता के मुताबिक यह कहानी किसी लोककथा पर नहीं, बल्कि पूरी तरह ओरिजिनल है। फिल्म रोमांस के साथ हॉरर-कॉमेडी का मेल पेश करेगी और इसका क्लाइमैक्स इमोशनल होगा।

म्यूजिकल हॉरर की शैली की होगी अहान शेट्टी की अगली फिल्म

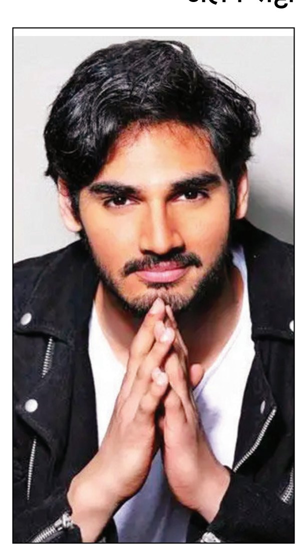

ख्याति की दूसरी फिल्म अहान के साथ हॉरर थ्रिलर है जो नेशनल ट्रेजेडी पर आधारित म्यूजिकल हॉरर है। अहान की बॉर्डर 2 पूरी होने के बाद यह शुरू होगी। इसे लिख इंटरनेशनल स्तर पर पहचाने जाने वाले फिल्ममेकर पैट्रिक ग्राहम (जिन्होंने नेटफ्लिक्स के लिए धूल और बेताल बनाई) रहे हैं। जिनकी हॉरर-थ्रिलर क्राफ्टिंग हॉलीवुड के ब्लमहाउस प्रोडक्शन के स्टैंडर्ड जैसी मानी जाती है। यह भारतीय सिनेमा की पहली हॉरर फिल्म होगी जो इतनी बड़ी घटना को हॉरर में पेश करेगी। फिल्म एक समय में हिंदी सिनेमा में लोकप्रिय म्यूजिकल हॉरर की शैली दर्शकों को याद दिलाएगी।

हॉरर फिल्में अच्छी कहानी पर चलती हैं...

ख्याति के मुताबिक, आज हॉरर सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि थिएट्रिकल स्टेबिलिटी देने वाला सबसे मजबूत जॉनर बन चुका है। ओटीटी के दौर में दर्शक वही फिल्में थिएटर में देखना चाहते हैं जिनका मजा घर पर नहीं मिल सकता। हॉरर का कलेक्टिव थ्रिल, अंधेरे हॉल में एक साथ चौंकना सबसे बड़ा यूएसपी है। हॉरर फिल्में स्टार पावर पर नहीं, कहानी पर चलती हैं। स्त्री, मुंज्या जैसी फिल्मों ने कम बजट में भारी कमाई की है। हॉरर-कॉमेडी, हॉरर-रोमांस और म्यूजिकल हॉरर जैसे हाइब्रिड जॉनर लगातार लोकप्रिय हो रहे हैं। इसमें क्रिएटिव प्रैक्टिकल करने की भी आजादी है। इसके अलावा ख्याति एक और फिल्म की प्रोड्यूसर हैं, जिसमें पूजा भट्ट और पंचायत फेम जितेंद्र कुमार हैं। यह कबूतर पालने की संस्कृति पर है।

उड़ान आपकी है

संतोष-भरा जीवन जीने के लिए अपने व्यक्तित्व की डोर थामना बिल्कुल वैसे ही ज़रूरी है.. जैसे खुश होने के लिए खुद मुस्कुराना..

बालिका को जीवन के प्रथम चरण से ही हर बात के लिए रोका टोका जाता रहा है। ऐसे उठो बैठो, अकेले बाहर मत जाओ, यह न करो.. कहीं न कहीं ये बातें महिलाओं के मन में कमजोर होने का भाव जगाती हैं। और अरमानों का वह आज़ाद परिंदा, क़ैद में रहकर, हौसला खोकर उड़ान भरना भूल जाता है। नतीजतन, स्त्री धीरे धीरे हर काम के लिए दूसरों पर निर्भर होने लगती है। आत्मविश्वास की कमी के कारण भी हर कार्य करने से पहले उसे सहमति की आवश्यकता होती है। फिर धीरे धीरे वह दूसरों के निर्णय को ही अपना निर्णय बना लेती है। गुजरते समय के साथ आत्मसम्मान में कमी आ जाती है और मन में अनजाना-सा दुख पनपने लगता है।

हम सब आईने की तरह होते हैं। जैसे खुद को देखेंगे, स्वयं के बारे में जैसा सोचेंगे, वही हमारे कार्यों में दिखेगा, फिर वैसा ही लोग हमारे बारे में सोचेंगे। इसलिए आज से ही अपनी नींव मजबूत करना शुरू करें। खुद को जानें, खुद पर यक़ीन करें और फिर मजबूती से क़दम बढ़ाएं।

सामान्य भूलें जो हमें जीवन की कमान समंभालने से रोकती हैं -

-खुद से, खुद की मर्ज़ी से अनजान।

-राय और मश्विरे लिए बिना कुछ भी न कर पाना।

-छोटी-से छोटी भूल के लिए कई दिनों तक शर्मिंदा महसूस करना।

-ज़िंदगी तो दूर, दिन तक की योजना न बना पाना।

-शब्दों का बेजा प्रयोग करना।

क्या आप भी अक्सर ऐसा कहती या सोचती हैं -

-डिग्री सही सब्जेक्ट में ली होती, तो आज नौकरी ढूंढना आसान होता।

-जब इतना पैसा होगा, ज़िंदगी में मज़ा तो तब आएगा।

-अगर स्कूटी की जगह कार होती, तो काम बढ़ाया भी जा सकता था।

इसे आप कुछ इस तरह भी कह सकती हैं -

-मैंने जीवन में कुछ करने के दूसरे विकल्पों के बारे में नहीं सोचा।

-पैसों का प्रबंधन कभी ठीक से नहीं हुआ मुझसे।

-मुझे सुविधाएं ज़रा ज्यादा चाहिए।

अब अगर यह तय करना है कि ज़िंदगी की कमान संभालनी है, तो सबसे पहली बात, शिक़ायतें करना छोड़ दें। आपकी ज़िंदगी की कमियों या समस्याओं के लिए अगर खुद उपाय नहीं किया, तो किसी पर दोष मढ़ने का हक़ नहीं।

हर दिन, हर परिस्थिति में ये चार मंत्र हमेशा याद रखिए -

1-चाहे हालात कैसे भी हों, किसी के सिर दोष मढ़ने के बजाय केवल निदान पर ध्यान दूंगी।

2-मेरी अपनी कोई भी दिक्क़त हो, पहले उसका हल खुद ही ढूंढूंगी।

3-अपने बारे में ईमानदार रहना होगा, चाहे कितनी भी बड़ी समस्या में फंस जाऊं।

4. अपने सपनों, अपनी इच्छाओं की अनदेखी नहीं करूंगी। न ही कभी यह सोचूंगी कि मैं फलां कार्य के लिए योग्य नहीं हूं।

पता करें कि आपके लिए क्या महत्वपूर्ण है-

-एक कागज़ पर कार्यों की प्राथमिकता अनुसार सूची बनाएं।

-पता करें कि कौन-सी बाधाएं आपको अंदर से परेशान कर रही हैं?

स्वयं पर विश्वास करें

-विश्वास करें कि आप अपने लक्ष्य को वास्तविक बनाने में सक्षम हैं। यदि आप अपनी शक्ति व क्षमताओं पर विश्वास करेंगी, तभी लोग व घटनाएं भी आपका समर्थन करेंगी।

-आपके विचार ही अनुभव बनाते हैं, इसलिए भय या संदेह को खुद पर हावी न होने दें।

-मुस्कुराती रहें और स्वयं से ह्रश्वयार करें।

कार्यान्वित करें- योजना बनाएं कि आप स्वयं को किस रूप में देखना चाहती हैं। उसी तस्वीर की प्रतिकृति मन में बना लें।

स्वयं के फ़ैसले लें- आपके लिए जो कार्य वाक़ई आवश्यक है, उसकी तरफ़ ठोस क़दम बढ़ाएं। दूसरों के विचारों को अहमियत देना जरूरी है, पर अंतिम फ़ैसला स्वविवेक व अपनी आवश्यकता के आधार पर करें।

आत्मनिर्भर बनें- हर विषय में जानकारी लें। गैजेट्स, शहर के रास्ते आदि के बारे में जानें, ताकि समय आने पर आपको किसी पर निर्भर न रहना पड़े। स्वयं के कार्य करने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। फिर कोई भी कार्य करने से पहले आप राय नहीं लेंगी, बल्कि दूसरों को परामर्श देने में भी सक्षम होंगी।

स्वयं के लिए समय निकालें- जो कुछ करना आपको अच्छा लगता है, उस कार्य को करने में कुछ समय व्यतीत करें। आध्यात्मिक उन्नति करें।

एक मिनट कीजिए सोलह श्रृंगार!

अगर आपको ऐसा जादुई आईना मिल जाए, जिसमें आप एक मिनट में दर्जनों बार श्रृंगार कर सकें और एक बटन दबाते ही सभी रूप ओझल हो जाएं तो कैसा रहे? चौंकिए नहीं। यूरोप के ब्यूटी काउंटरों पर एक ऐसे आईने की नुमाइश की जा रही है, जिसमें महिलाएं विभिन्न रूपों को आजमा कर सबसे अच्छे रूप का चयन कर रही हैं। जापानी ब्यूटी ब्रांड शिसीडो द्वारा तैयार किया गया यह आईना उपयोगकर्ता को आंखों, होठों और गालों का वास्तविक मेक-अप करने का भी विकल्प उपलब्ध कराता है। कंपनी के यूरोपीय स्टोर्स में यह आईना महिलाओं के बीच लोकप्रिय हो रहा है। आईने में एक कैमरा लगा है, जो महिला के रूप को अपनी मैमोरी में कैद कर लेता है। इसके बाद आईने के संवेदनशील टच स्क्रीन को छूकर 50 से अधिक आंखों और होठों के रंगों का चयन किया जा सकता हैं। 12 प्रकार के लालिमा से युक्त गालों के रंग का भी चुनाव इस आईने को देख कर किया जा सकता है। इस आईने में दिखाई देने वाला रूप ठीक उसी प्रकार का होता है, जो वास्तविक आईने में दिखता है। यदि मेकअप करने के चलते आंखों का रंग साफ नहीं दिखाई देता है, तो उसे स्क्रीन पर देखा जा सकता है। महिला अपने पसंदीदा रूप का चयन करने के बाद अपना फोटो भी ले सकती हैं। आईने में लगी मशीन उनके विभिन्न रूपों में से कुछ का संचय कर लेती है, जो बाद में पसंदीदा रूप के चयन में सहायता करती है।

उपनाम दर्शाए परिवार प्रेम

अगर बात विवाह जैसे पवित्र बंधन की हो तो हमारे देश में इसे बखूबी निभाया जाता है। शादी के बाद पत्नी की पहचान पति से ही होती है। खासकर उसके नाम और उपनाम से। मगर अमेरिका में तो लोग अपनी पत्नी का उपनाम तक लगाने लगे हैं। हालांकि विकसित देशों में भी पत्नी का उपनाम लेने पर पहले कोर्ट में अर्जी देनी पड़ती है और फिर पैसे भी भरने पड़ते हैं। ऐसा नहीं है कि वहां इसका विरोध नहीं किया जाता, लेकिन फिर भी 350 डॉलर देकर वहां पत्नी का उपनाम इस्तेमाल किया जा सकता है।

पति काटे कोर्ट के चक्कर: आजकल कई पति शादी के बाद अपनी पत्नी का सरनेम रखना पसंद कर रहे हैं। लेकिन उन्हें कुछ कानूनी दांवपेंच से गुजरना पड़ता है। जबकि औरतों के साथ यह बात लागू नहीं होती। उन्हें आसानी से अपने पति का सरनेम मिल जाता है। भारत में पति को पत्नी से ऊपर का दर्जा मिलता है, इसीलिए जब लड़की शादी कर अपने घर जाती है तो वह अपने पति के सरनेम से जानी जाती है। हमारे देश में कम लेकिन बाहर के देशों में कई लोग ऐसे हैं, जो पत्नी का सरनेम खुशी से अपने नाम के साथ जोड़ना चाहते हैं।

महिलाएं भी दाखिल करती हैं अर्जी: कई देश ऐसे हैं जहां पति का सरनेम रखने के लिए भी कोर्ट की इजाजत लेनी पड़ती है। इराक, यमन, जार्डन, सीरिया में तो औरतें अपने पिता का उपनाम रखती हैं। शादी के बाद भी उनका नाम पिता के उपनाम के साथ ही जाना जाता है। अगर कोई महिला अपने पति का सरनेम रखने की इच्छा जताती है तो उसे कोर्ट में अर्जी दाखिल करनी होती है और बिना अदालती आदेश के वह अपने पति का सरनेम नहीं रख सकती।

पति के साथ खुद का सरनेम: भारत परम्पराओं का देश है। यहां परम्पराएं निभाई जाती हैं। शादी के बाद एक लड़की को अपने पति का नाम मिलता है। महिलाएं भी यहां पति का सरनेम रखना पसंद करती हैं। प्रियंका गांधी शादी के बाद अपने आप को प्रियंका वडेरा कहलाना अधिक पसंद करती हैं। कई मामले में महिलाएं पति के सरनेम के साथ-साथ अपना सरनेम भी रखती हैं। ऐश्वर्या राय ने शादी के बाद अपने पति का सरनेम लगाया और ऐश्वर्या राय बच्चन हो गईं। अभिनेत्री मानसी जोशी ने रोहित राय से शादी करने के बाद अपना नाम मानसी जोशी राय रखा है। लोग उन्हें इस नाम से जानते हैं, इसलिए शायद उन्होंने ऐसा किया।

शिखर की चाह

कामकाजी इंसान की ख्वाहिश लीडरशिप के शिखर पर पहुंचने की होती है। महिलाओं को यह राह निष्कंटक नहीं लगती। लेकिन इस राह को आसान वे खुद ही बना सकती हैं...

यह आपका कार्यक्षेत्र है। यहां आपका काम आपको पहचान और समान दिलाता है। आपको आत्मनिर्भर बनाता है। बेशक, यहां कई चुनौतियां हैं, पर यह न भूलें कि यहां अवसर भी हैं। आगे बढ़ने और लीडर बनने के अवसर। सो, पहले समझें कि लीडरशिप के लिए किन गुणों की दरकार होती है-

जिम्मेदारी- लीडर अधिकार से पहले जवाबदेही लेते हैं, क्योंकि जवाबदेही के साथ अधिकार तो मिल ही जाते हैं। वे लक्ष्य तय करते हैं। लीडर अतिरिक्त जिम्मेदारियों को कभी 'न' नहीं कहते।

संवाद- औरों को अपनी राय रखने और फीडबैक देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हर तरह के फीडबैक का सम्मान करते हैं। दुराव छिपाव नहीं रखते।

आत्म अवलोकन- लीडर अपनी ग़लतियां मानते हैं और उन्हें दूसरों पर नहीं थोपते। न ही वे बहाने बनाते।

प्रोत्साहन- सहकर्मियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं। मदद और मार्गदर्शन के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। औरों की तऱक्क़ी में सहायक बनते हैं।

आइडिया- लीडर नए आइडिया और ह्रश्वलान देते हैं, जिन पर उनके साथ अनुयायी चलते हैं।

तैयारी- अपनी योग्यताएं बढ़ाते रहते हैं। लीड करने के लिए तैयार रहते हैं। चाहे चुनौती कुछ भी हो, स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। द़तर में कई चुनौतियां महिलाओं के सामने खड़ी होती हैं, जिनमें एक जो सबसे महत्वपूर्ण है, उसका ताल्लुक़ केवल और केवल छवि से है।

इस बारे में हिलैरी क्लिंटन के एक प्रेस सहयोगी के कथन से जाना जा सकता है- 'महिला लीडर क्या कह रही है या वो क्या कहेगी, से कहीं ज्यादा लोग इस बारे में बात करते हैं कि वो कहते व़क्त कैसी दिख रही थी।' आप कैसी दिखती हैं, द़फ्तर में कैसे रहती हैं से लेकर किससे, क्या बात करती हैं, ये सब माइक्रोस्कोप के नीचे रखकर देखा जाता है।

इसलिए, ध्यान रखें

-सबसे पहला प्रयास तो उन लोगों से जो केवल रूप या ड्रेस की बातें करते हैं, ध्यान हटाकर काम पर लगाना है। कुछ दिनों बाद ये लोग भी आपके फोकस के क़ायल हो जाएंगे।

-योग्यता में लगातार सुधार व निखार लाती रहें।

-फ़ैसले लेने के मामले में कमज़ोर साबित हुईं, तो द़फ्तर में सहायक भूमिकाओं तक सीमित रह जाएंगी।

-बहुत सारे लोग मदद के लिए तैयार होंगे और चाहेंगे कि बदले में आप उनका एहसान मानें। अपनी समस्याओं से जहां तक संभव हो, खुद निपटें।

-द़फ्तर में निजी बातें करना या अनावश्यक घरेलू बातें करना दूसरों को ग़लत अर्थ लगाकर, आपका ध्यान भटकाने का मौक़ा दे सकता है।

ये भी आजमाएं- नवीनतम गैजेट्स रखें। ये बताते हैं कि आप जमाने के साथ चलने वाली हैं। इनसे यह भी संदेश मिलता है कि सूचनाओं और संदेशों का आदान-प्रदान आपके लिए जरूरी है, यानी आपकी पोजीशन और काम महत्वपूर्ण हैं।

हमेशा याद रखें- स्त्री होने के कारण अतिरिक्त सुविधाओं और छूट की उम्मीद न रखें। ये मिल तो जाएंगी, पर आपको सिर्फ़ कमजोर महिला समझकर ख़ारिज कर दिए जाने का ख़तरा भी रहेगा, जो आपकी लीडरशिप की राह में सबसे बड़ी बाधा है। लोगों से सहयोग तो लें, लेकिन उन पर आश्रित न हो जाएं।

आलोचकों से न उलझें- आलोचकों पर अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें। मशहूर अमेरिकी गायिका बियोंसे नोल्स कहती हैं, 'मैं यह उम्मीद नहीं कर सकती कि मैं जो भी करूं, वह हर किसी को पसंद आए ही।'

गृहक्षेत्र में सद्भाव- अमेरिकी शेयर मार्केट में बड़ी कमाई करने वाली सेली क्रॉचेक की सलाह है- स्त्री सुनिश्चित करे कि पति उसके काम व जिम्मेदारियों को समझ रहा है।

तैयारी करें जहां- पहुंचना चाहती हैं, उसके लिए आवश्यक तैयारी करें। यह हर सफल महिला का मंत्र है। बिना तैयारी के अवसर भी बेकार चले जाते हैं।